राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 सितंबर में चीन यात्रा का प्लान बना रहे नेपाली प्रधानमंत्री 'प्रचंड'.... मोदी का ऐलान-भारत से चुराई 100 से ज्यादा प्राचीन वस्तुएं लौटाएगा अमेरिका..... 12

वर्ष : 14 | अंक : 43 | नई दिल्ली, सोमवार, 26 जून, 2023 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मुंबई पहुंचा मॉनसून, कई जगहों पर जलजमाव, आईएमडी ने और बारिश का अनुमान जताया

नई दिल्ली, एजेंसी

मुंबई ओर इसके उपनगरों में पिछले 24 घंटे में भारी बारिश हुई जिससे कई जगहों पर जलजमाव हो गया और कुछ मार्गों पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। दुर्लभ संयोग के तहत रविवार को दिल्ली, मुंबई दोनों जगह पर मॉनसून का आगमन हुआ। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली में मॉनसून अपने तय समय से दो दिन पहले पहुंच गया जबकि मुंबई में यह दो हफ्ते की देरी से पहुंचा। आईएमडी के अनुसार, मुंबई में मौसम की जानकारी देने वाली यहां की कोलाबा वेधशाला ने रविवार सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले 24 घंटे में 86 मिलीमीटर बारिश दर्ज की, जबकि उपनगरीय क्षेत्रों में मौसम की जानकारी देने वाले सांताक्रुज मौसम केंद्र ने इसी अवधि में 176.1 मिलीमीटर बारिश दर्ज की। आईएमडी के एक अधिकारी ने कहा कि दिन में और बारिश होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि भारी बारिश से मुंबई में कुछ जगहों पर वाहनों की आवाजाही बाधित हुई। मलाड और अंधेरी जैसे इलाकों में जलजमाव से यातायात की गति धीमी पड़ गई।

ठाणे में भारी बारिश के कारण रेस्तरां की छत गिरी, तीन घायल

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे शहर में भारी बारिश के कारण एक रेस्तरां की छत गिरने से तीन लोग घायल हो गये। नगर निगम के अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। ठाणे नगर निगम आपदा नियंत्रण प्रकोष्ठ के प्रमुख यसिन तड़वी ने कहा कि यह घटना शनिवार देर रात घोड़बंदर रोड पर स्थित एक रेस्तरां में हुई। उन्होंने बताया कि इस घटना में दो महिलायें और एक व्यक्ति घायल हो गये, जिन्हें तत्काल नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। अधिकारी के मुताबिक, शहर में रविवार सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले 12 घंटे के दौरान 58.90 मिमी बारिश दर्ज की गयी। उन्होंने बताया कि इस साल अब तक शहर में 139.76 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जबकि इसी अवधि में पिछले साल 172.71 मिमी बारिश हुई थी। ठाणे जिले के अधिकारियों के मुताबिक, भारी बारिश की वजह से उल्लासनगर उपनगर के कई इलाके प्रभावित हुये। इससे पहले अधिकारियों ने बताया था कि ठाणे और पालघर जिले में शनिवार को भारी बारिश हुई थी, जिससे कई इलाकों में जलभराव हो गया था। इसके अलावा शनिवार शाम को ठाणे जिले के भिवंडी, कल्याण और बदलापुर के कई इलाके जलमग्न हो गए थे, जिसके कारण लोगों को घुटनों तक पानी से होकर गुजरना पड़ा।

मौसम

अधिकतम तापमान 38.0°C

न्यूनतम तापमान 31.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	60,205
चांदी	70,100
सेंसेक्स	62,979
निफ्टी	18,666

पीएम नरेंद्र मोदी ने मिस्र के मुफ्ती-ए-आजम से मुलाकात की

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मिस्र के मुफ्ती-ए-आजम डॉ. शॉकी इब्राहिम अब्देल-करीम अल्लाम से सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देने और अतिवाद एवं कट्टरता के मुकाबले से संबंधित मुद्दों समेत भारत-मिस्र संबंधों पर चर्चा की। मिस्र की अपनी पहली राजकीय यात्रा पर पहुंचे प्रधानमंत्री ने अल्लाम को अवगत कराया कि भारत मिस्र के सामाजिक न्याय मंत्रालय के अंतर्गत इस्लामिक विधिक अनुसंधान के लिए मिस्र की परामर्श संस्था 'दार-अल-इफ्तार' में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) में उत्कृष्टता केंद्र (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) की स्थापना करेगा। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को आयोजित बैठक पर प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि अल्लाम ने समावेशिता और बहुलवाद को बढ़ावा देने में प्रधानमंत्री के नेतृत्व की भी सराहना की।

मुफ्ती-ए-आजम ने भारत की अपनी हालिया यात्रा को याद करते हुए भारत एवं मिस्र के बीच मजबूत सांस्कृतिक एवं लोगों से लोगों के संबंध को रेखांकित किया। विज्ञप्ति में कहा गया कि चर्चा के दौरान समाज में सामाजिक एवं धार्मिक सौहार्द और अतिवाद एवं कट्टरता के मुकाबले से संबंधित मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया। बैठक के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया,"मिस्र के मुफ्ती-ए-आजम डॉ. शॉकी इब्राहिम अल्लाम से मिलने का सौभाग्य मिला। हमने भारत और मिस्र के बीच संबंध विशेषकर सांस्कृतिक एवं लोगों से लोगों के बीच संबंधों पर चर्चा की।" मुफ्ती-ए-आजम ने कहा, "प्रधानमंत्री मोदी से मिलकर सम्मानित महसूस हुआ। उनके साथ बैठक बहुत बढ़िया और दिलचस्प रही। वास्तव में, वह भारत जैसे बड़े देश के लिए कुशल नेतृत्व को दशार्ते हैं।" उन्होंने कहा कि इससे पहले वह मोदी से दिल्ली में एक सूफी सम्मेलन में मिले थे।

उन्होंने कहा, "दोनों बैठकों के बीच मैंने यही महसूस किया कि भारत में बहुत विकास हुआ है। यह दशार्ता है कि वह भारत में लगातार काम कर रहे हैं। इससे पता चलता है कि प्रधानमंत्री मोदी ने भारत में विभिन्न धड़ों के बीच सह-अस्तित्व बनाने के लिए कुशल नीतियां अपनाईं।"

अल्लाम ने कहा, "धार्मिक स्तर पर मिस्र और भारत के बीच मजबूत सहयोग है और भारत एवं मिस्र इस सहयोग को और बढ़ाने तथा इसे प्रगाढ़ करने को लेकर आशान्वित हैं।" उन्होंने भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के निमंत्रण पर पिछले महीने भारत की यात्रा की थी। भारत यात्रा से पहले लिखे एक लेख में अल्लाम ने चुनौतीपूर्ण दुनिया में सहयोग एवं मित्रता बढ़ाने की आवश्यकता के बारे में मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बयानों का जिक्र किया था। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रयासों का कई लोगों ने स्वागत किया है, लेकिन ऐसी नेक इच्छाओं को आपसी विश्वास और सम्मान के टिकाऊ रिश्ते में बदलने के लिए व्यावहारिक कदम उठाने की जरूरत है। उन्होंने लिखा था, "यह वह संदेश है जो मैं मुस्लिम जगत की ओर से इस सप्ताह भारत में देना चाहता हूं।"

मोदी ने काहिरा की अल हाकिम मस्जिद का दौरा किया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को काहिरा में स्थित मिस्र की 11वीं सदी की ऐतिहासिक अल-हाकिम मस्जिद का दौरा किया। इस मस्जिद का भारत के दाऊदी बोहरा समुदाय की मदद से जीर्णोद्धार किया गया है। मिस्र की अपनी राजकीय यात्रा के दूसरे दिन मोदी मस्जिद पहुंचे जिसका जीर्णोद्धार करीब तीन महीने पहले ही पूरा किया गया है। मस्जिद में मुख्य रूप से जुमे (शुक्रवार) और दिन की सभी पांच 'फर्ज' नमाज होती हैं। प्रधानमंत्री को मस्जिद की दीवारों और दरवाजों पर की गई जटिल नक्काशी की सराहना करते देखा गया। मस्जिद का निर्माण 1012 में किया गया था। अल हाकिम मस्जिद काहिरा की चौथी सबसे पुरानी मस्जिद है और शहर में दूसरी फातिमिया दौर की मस्जिद है। मस्जिद 13,560 वर्ग मीटर के क्षेत्र में फैली हुई है, जिसका प्रांगण 5,000 वर्ग मीटर में है।

मोदी प्रथम विश्व युद्ध में शहीद भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि देने हेलियोपोलिस युद्ध कब्रिस्तान गए

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को काहिरा के हेलियोपोलिस युद्ध कब्रिस्तान का दौरा किया और प्रथम विश्व युद्ध के दौरान मिस्र और फलस्तीन में बहादुरी से लड़ते हुए अपने प्राणों की आहूति देने वाले भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। मोदी ने कब्रिस्तान में शहीद भारतीय सैनिकों को पुष्पांजलि अर्पित की और वहां रखी आगंतुक पुस्तिका पर हस्ताक्षर किए। इस कब्रिस्तान में हेलियोपोलिस (पोर्ट तौफीक) स्मारक और हेलियोपोलिस (अदन) स्मारक शामिल हैं।

सुरक्षाबलों के लिए कठिन हो रहा है मणिपुर में अभियान चलाना

- भीड़ के दबाव में सुरक्षाबलों को 12 केवाईकेएल उग्रवादियों को छोड़ना पड़ा

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर में हिंसा से निपटना सुरक्षाबलों के लिए कठिन हो रहा है। एक और उपद्रवी तत्व हिंसा फैलाने में लगे हैं, वहीं दूसरी ओर कानून के अनुसार कार्रवाई करने की राह में सुरक्षाबलों को अनेक रुकावटें आ रही हैं। सुरक्षा सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार स्थानीय महिला संगठन जवानों पर दुर्व्यवहार करने का आरोप लगा कर प्रदर्शन कर रही हैं। महिलाओं का आरोप है कि इंफाल पूर्व के कांग्लातोंबी इलाके की महिलाओं ने कांग्लातोंबी बाजार बोर्ड की महिलाओं के साथ कथित दुर्व्यवहार किया। जिसके कारण महिलाओं ने केंद्रीय बलों का मुकाबला किया। यह घटना कांग्लातोमबी ब्रिज और कांग्लातोम्बी बाजार बोर्ड के बीच हुई। सूत्रों के अनुसार, कैप्टन मनिंगबा के नेतृत्व में मोटबुंग में तैनात केंद्रीय बलों की एक टीम कांगलातोम्बी पहुंची और मैतेई आवासों की तलाशी शुरू कर दी। आरोप लगाया गया है कि लगभग 15 कर्मियों की सुरक्षा बलों की एक टीम कांग्लातोंबी पहुंची, लेकिन केंद्रीय बलों को देखकर आसपास के इलाके से बड़ी संख्या में ग्रामीण जुट एकत्र हो गए और सुरक्षाकर्मियों को वहां से लौट जाने को कहा। उन्होंने आरोप लगाया कि कम आबादी का फायदा उठाते हुए केंद्रीय बल कुकी उग्रवादियों के साथ मिलकर इलाके में मैतेई समुदाय को निशाना बना रहे हैं। सुरक्षा बलों ने रविवार की सुबह इंफाल में तलाशी अभियान शुरू किया था।

संक्षिप्त खबरें

अलकायदा आतंकी अब्दुल सामी को दिल्ली की तिहाड़ जेल से शिफ्ट करके जमशेदपुर लाया गया

जमशेदपुर। अलकायदा के आतंकी अब्दुल सामी को दिल्ली की तिहाड़ जेल से जमशेदपुर घाघीडीह सेंट्रल जेल में शिफ्ट किया गया है। वह अलकायदा की शाखा अल-कायदा इन इंडियन सबकांटिनेंट (एक्यूआइएस) से जुड़ा है। दिल्ली की पटियाला हाउस की विशेष न्यायालय ने अब्दुल सामी समेत चार आतंकियों को फरवरी में सजा सुनाई थी। जमशेदपुर के बिष्टुपुर थाना क्षेत्र के धतकीडीह निवासी अब्दुल सामी को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने हरियाणा के मेवात क्षेत्र से गिरफ्तार किया था।

नोएडा में दिव्यांग किशोरी से बलात्कार के दोषी को उम्रकैद की सजा

नोएडा। गौतम बुद्ध नगर जिले की विशेष पॉक्सो (यौन अपराध से बच्चों का संरक्षण) अदालत ने 2017 में एक दिव्यांग किशोरी से बलात्कार करने के दोषी को शनिवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने दोषी पर 50 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया गया है। अभियोजन पक्ष के वकील ने यह जानकारी दी।

नितिन गडकरी से इस्तीफे की मांग कब करेंगे बिहार भाजपा के नेता : उमेश कुशवाहा

नई दिल्ली, एजेंसी

जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने किशनगंज पुल दुर्घटना पर भाजपा नेताओं को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने सवाल किया कि बीते दिनों भागलपुर में पुल का एक हिस्सा गिर जाने पर इस्तीफे की मांग करने वाले बिहार भाजपा के नेता आज किशनगंज में निमार्णाधीन पुल ध्वस्त होने पर मौन धारण क्यों किए हैं? वे अब नितिन गडकरी से इस्तीफे की मांग करना कब शुरू करेंगे? इनका दोहरा चरित्र फिर से बिहार की जनता के सामने बेनकाब हो गया है। प्रदेश अध्यक्ष ने बयान जारी कर कहा कि केंद्र सरकार के भारत माला प्रोजेक्ट के तहत किशनगंज और कटिहार के बीच इस पुल का निर्माण हो रहा था। इसलिए भाजपा वालों को अब सांप सूंघ गया है। साथ ही सवाल किया कि अब भाजपा वाले सीबीआई जांच की मांग क्यों नहीं कर रहे हैं? इनका जमीर मर गया या अपने मालिक की चापलूसी में नीति-सिद्धान्तों को भी दफन कर दिए हैं? कुशवाहा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र सरकार कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार के गिरफ्त में फंस चुकी है। आज इनकी लापरवाही की वजह से जनता की गाढ़ी कमाई की बबार्दी हो रही है लेकिन आश्चर्यजनक है कि भागलपुर की घटना पर छाती पीट रही इलेक्ट्रॉनिक मीडिया भी आज किशनगंज की घटना पर खामोश है। ये लोग अपनी राजनीतिक सुविधा की कसौटी पर घटनाओं का मूल्यांकन करते हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गौतमबुद्धनगर को दी सौगात

1719 करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात, कुल 124 परियोजनाओं का किया लोकार्पण एवं शिलान्यास

नई दिल्ली, एजेंसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को गौतमबुद्धनगर जिले में 1719 करोड़ रुपये की लागत वाली कुल 124 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। ये परियोजनाएं नोएडा और ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण से संबंधित हैं। मुख्यमंत्री ने नोएडा स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान आपातकाल की 48वीं बरसी पर 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर तैयार हो रहे विपक्षी गठजोड़ पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जेपी और लोहिया के नाम पर राजनीति करने वाले लोग लोकतंत्र की हत्या करने वाली कांग्रेस के साथ हैं। योगी ने कहा कि आज ही के दिन वर्ष 1975 में कांग्रेस ने लोकतंत्र की हत्या करने का प्रयास किया था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विकास की नई ऊंचाइयों को छुआ है। वहीं भारत से अलग होने वाला पाकिस्तान एक-एक रोटी के लिए मोहताज है। अपने कृत्यों के कारण बहुत ही जल्द उत्तर प्रदेश के माफिया की तरह पाकिस्तान भी ठंडा हो जाएगा।

- नोएडा के सेक्टर-123 में 400/132/33 केवी सब स्टेशन।
- नोएडा को ग्रेटर नोएडा से जोड़ने वाले मुख्य मार्ग एमपी 3 पर (पर्थला चौक) केबल स्टेड फ्लाईओवर।
- नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे के चैनेज 10.300 पर एडवांट के निकट अंडरपास।
- नोएडा सेक्टर-78 में वेदवन पार्क का विकास।
- नोएडा पुलिस को 55 नग चौपहिया वाहन।
- ग्रेटर नोएडा से निकलने वाले मलया के निस्तारण के लिए प्लांट।
- गेटर नोएडा के औद्योगिक सेक्टर ईकोटेक-10 का आंतरिक विकास कार्य।
- सॉलिड वेस्ट से प्रतिदिन 900 टन क्षमता का टोरिफाइड चारकोल उत्पादन एवं 300 टन क्षमता वाले बायो सीएनजी गैस प्लांट की स्थापना।
- नोएडा के औद्योगिक सेक्टर-162 एवं 163 हेतु ड्रेन, जलापूर्ति, सीवर लाइन एवं विद्युत विकास।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने जनता की सुरक्षा के लिए नोएडा पुलिस को 15 नए बोलेरो वाहन सौंपे। उन्होंने हरी झंडी दिखाकर इन वाहनों को रवाना किया।

असम इस साल राज्य के विभिन्न हिस्सों में बाढ़ की पहली लहर में तीन लोगों की जान गई है।

बाढ़ की स्थिति गंभीर, चार लाख से अधिक लोग प्रभावित

नई दिल्ली, एजेंसी

असम में बाढ़ की स्थिति रविवार को भी गंभीर बनी रही और बाढ़ से नौ जिलों में चार लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। हालांकि बाढ़ का पानी अब धीरे धीरे कम होने लगा है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के एक अधिकारी ने कहा कि इस साल राज्य के विभिन्न हिस्सों में बाढ़ की पहली लहर में तीन लोगों की जान गई है। एएसडीएमए की रिपोर्ट के अनुसार, बाढ़ से बक्सा, बारपेटा, दरांग, धुबरी, गोलपारा, कामरूप, लखीमपुर, नलबाड़ी और उदलगुरी जिलों में 4,07,700 लोग प्रभावित हुए हैं। अधिकारी ने कहा कि कुछ इलाकों में जलस्तर अब घटना शुरू हो गया है। प्रशासन इन जिलों में 101 राहत शिविर का संचालन कर रहा है, जहां 81,352 लोगों ने शरण ले रखी है और पांच जिलों में 119 राहत वितरण केंद्र चलाए जा रहे हैं। एएसडीएमए ने कहा कि वर्तमान में 1,118 गांव जलमग्न हैं और 8,469.56 हेक्टेयर में लगी फसल नष्ट हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बक्सा, बारपेटा, सोनितपुर, धुबरी, कामरूप, कोकराझार, नलबाड़ी, दक्षिण सलमारा और उदलगुरी में भारी भूमि कटाव देखा गया है। करीमगंज में कुछ स्थानों पर भारी बारिश के कारण भूस्खन की घटनाओं की भी खबर है दरांग, सोनितपुर, कामरूप, गोलाघाट, नलबाड़ी, बारपेटा, बक्सा, बोंगाईगांव, धुबरी, गोलपारा, करीमगंज, कोकराझार, उदलगुरी और लखीमपुर में बाढ़ के पानी से तटबंध, सड़कें, पुल और अन्य बुनियादी ढांचे क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

बारिश से बंद गंगोत्री-यमुनोत्री हाइवे के खुलने बंद होने का सिलसिला जारी

उत्तरकाशी। उत्तराखंड के पहाड़ों पर शनिवार देर रात्रि से जारी झमाझम बारिश रविवार को भी जारी है। बारिश के चलते गंगोत्री- यमुनोत्री हाइवे के बंद होने और खुलने का सिलसिला जारी है। रविवार को गंगोत्री हाइवे बंदरकोट में पहाड़ी से मलबा गिरने के कारण यातायात बाधित रहा। इसके चलते गंगोत्री धाम दर्शन को जा रहे सैकड़ों यात्री मार्ग पर फंसे रहे। हालांकि बंदरकोट में अब वाहनों की आवाजाही शुरू हो गई है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी देवेंद्र पटवाल ने बताया कि फिलहाल उक्त मार्गों पर आवाजाही सुचारु है, लेकिन लगातार बारिश और मलबा गिरने से बंद होने की संभावना बरकरार है। उधर ओरछा बैंड भी शनिवार को बंद हो गया था, जिससे अब खोल दिया गया है। उत्तरकाशी घनसाली लंबगांव मोटर मार्ग पर स्थान गिंडा पुल के आगे रोड पर मलबा और पेड़ आने से मार्ग अवरुद्ध था, जो सुबह 9 बजे खुल गया। उत्तरकाशी जिले में लगातार बारिश का दौर जारी है।

शाह ने केंद्र की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन दिया

नईदिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम में मूसलाधार वर्षा के कारण बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न होने के मद्देनजर मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा शर्मा से बात कर उन्हें केंद्र की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। श्री शाह ने रविवार को ट्वीट कर कहा कि असम में मूसलाधार बारिश के कारण बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है और मैंने मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा शर्मा से बात की है तथा उन्हें केंद्र की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की टीमें पहले से ही वहां राहत और बचाव कार्य में जुटी हैं तथा जरूरत पड़ने पर पर्याप्त संख्या में सुरक्षाबलों को स्थिति से निपटने के लिए तैयार रखा गया है। श्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार संकट की घड़ी में हमेशा असम के लोगों के साथ खड़ी रही है और केंद्र की ओर से राज्य सरकार को हर तरह की मदद पहुंचाई जाएगी। उल्लेखनीय है कि असम में मूसलाधार बारिश हो रही है जिससे कई इलाकों में पानी भर गया है।

हिमाचल में नशे से निपटने के लिए विशेष कार्य बल का होगा गठन : मुख्यमंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों में नशीले पदार्थों से संबंधित मामलों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार इस समस्या से प्रभावी तरीके से निपटने के लिए एक समर्पित विशेष कार्य बल बनाने पर विचार कर रही है। उन्होंने नशीले पदार्थों के तस्करों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया और युवाओं को नशे के चंगुल से छुड़ाने के लिए जागरुकता अभियान बढ़ाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने रविवार को गेयटी थिएटर शिमला में नशे के विरुद्ध पुलिस विभाग के ह्यप्रधावह्न अभियान के अन्तर्गत आयोजित विभिन्न स्पधाओं के विजेताओं के पुरस्कार वितरण समारोह की अध्यक्षता की। इस अवसर मुख्यमंत्री ने प्रतिभागियों को नशे के विरुद्ध एकजुट प्रयासों की शपथ भी दिलाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने नारकोटिक्स एक्ट को और कड़ा बनाने संबंधी मामला केंद्र सरकार के समक्ष उठाया है, ताकि ड्रग तस्करों की संपत्ति जब्त कर उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थों के सेवन से प्रभावित व्यक्तियों के पुनर्वास में सहायता के लिए प्रदेश सरकार ने राज्य में दो अत्याधुनिक नशा मुक्ति सह पुनर्वास केंद्र स्थापित करने की योजना बनाई है। प्रत्येक केंद्र की स्थापना के लिए 50 बीघा भूमि चिह्नित की जा रही है। सरकार अपने नागरिकों का कल्याण और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार नशीले पदार्थों की चुनौती से निपटने के लिए प्रयासरत है।

निदेशक और प्राचार्य को अमेरिका की यूनिवर्सिटी देगी डॉक्टरेट की उपाधि

रुड़की, एजेंसी। अमेरिका की मेरीलैंड स्टेट यूनिवर्सिटी की ओर से मोहिनी देवी डिग्री कॉलेज रुड़की के प्रबंध निदेशक योगेश सिंघल एवं कॉलेज प्राचार्य मनीषा सिंघल को डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान कर रही है। प्रबंध निदेशक योगेश सिंघल और प्राचार्य मनीषा सिंघल को यह उपाधि उनके शैक्षिक एवं सामाजिक क्षेत्र में 15 वर्षों से लगातार सेवा प्रदान करने के लिए दी जा रही है। इस संबंध में उन्हें यूनिवर्सिटी को पत्र जारी किया गया है। योगेश सिंघल ने बताया कि 25 जून को दिल्ली के गुलमोहर, इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित सम्मान समारोह में यह उपाधि प्रदान की जाएगी। कॉलेज को मिले इस सम्मान से कॉलेज परिवार एवं क्षेत्र के लोगों ने उन्हें बधाई दी है।

स्वरोजगार के लिए 16 आवेदकों को मिलेगा ऋण

रुड़की, एजेंसी। पर्यटन विभाग की ओर से वीरचंद्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना एवं दीनदयाल उपाध्याय गृह आवास होम स्टे विकास योजना के तहत कुल 16 युवाओं को स्वरोजगार के लिए ऋण मिलेगा। चयनित आवेदकों के साक्षात्कार के लिए जिला चयन समिति की बैठक मुख्य विकास अधिकारी प्रतीक जैन की अध्यक्षता में हुई। योजना में वाहन मद के अन्तर्गत 22 आवेदक, गैर वाहन मद में एक व दीनदयाल उपाध्याय गृह आवास होम स्टे विकास योजना के तहत चार आवेदकों ने आवेदन किए थे। जिला अनुश्रवण समिति के समक्ष सभी का साक्षात्कार किया गया। निरीक्षण एवं परीक्षण करने के उपरांत समिति द्वारा वाहन मद में 11, गैर वाहन मद में एक, होम स्टे योजना के अंतर्गत चार आवेदकों के आवेदन को वित्त पोषण के लिए चयन किया गया।

खोई के ढेर में लगी आग, हजारों का नुकसान

रुड़की, एजेंसी। खोई के ढेर में आग की ऊंची-ऊंची लपटें देख ग्रामीण दहशत में आ गए। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। सिविल लाइंस कोतवाली क्षेत्र स्थित जौरासी गांव के पास खोई के ढेर लगे हैं। बृहस्पतिवार रात खोई के ढेर में संदिग्ध हालात में आग लग गई। आग लगती देख ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने पहले खुद ही आग पर काबू पाने का प्रयास किया लेकिन आग भड़कती गई और ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं। लपटें उठती देख ग्रामीण दहशत में आ गए। ग्रामीणों ने रुड़की फायर स्टेशन को सूचना दी। सूचना मिलते ही लीडिंग फायरमैन नजाकत अली, अतर सिंह राणा, विपिन सिंह तोमर व हरिश्चंद्र राणा मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया। उधर, खोई के मालिक जुनैद ने बताया कि आग से करीब 40 हजार का नुकसान हो गया है। आशंका जताई जा रही है कि बीड़ी या सिगरेट से आग लगी होगी।

95 लाख की लागत से लगेगा नलकूप, सात हजार लोगों को होगा फायदा

ऋषिकेश, एजेंसी। भानियावाला वार्ड 10 में करीब 95 लाख की लागत से लगने वाले नलकूप का काम शुरू हो गया। क्षेत्रीय विधायक बृजभूषण गैरोला ने नारियल फोड़कर नलकूप के लिए खोदाई का काम शुरू कराया। विधायक ने कहा कि स्थानीय सभासद ईश्वर रौथाण के प्रस्ताव पर पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र रावत की घोषणा के तहत यह पेयजल नलकूप लगाया जा रहा है। इस नलकूप से क्षेत्र की करीब सात हजार आबादी की पेयजल किल्लत दूर होगी। जल संस्थान के जेई विनोद असवाल ने कहा कि नलकूप से वार्ड नौ व दस की जनता को लाभ मिलेगा। इस दौरान सभासद संदीप नेगी, हिमांशु राणा, राकेश डोभाल, विनय कंडवाल, चंद्रबल्लभ लखेड़ा, डॉ. शशिकांत वैद्य, यशपाल चौहान, अमित कुमार, गुड्डु मिश्रा, रवि चौहान, विक्की चौहान मौजूद रहे।

डोईवाला मिल के नवीनीकरण के लिए गन्ना मंत्री से मिले किसान

ऋषिकेश, एजेंसी। शुगर मिल के आधुनिकीकरण की मांग जोर पकड़ने लगी है। शुक्रवार को किसानों ने इस संबंध में गन्ना मंत्री सौरभ बहुगुणा से मुलाकात की। किसानों ने गन्ना मंत्री से शुगर मिल को अपग्रेड करने की मांग करते हुए कहा, पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने 128 करोड़ से मिल के नवीनीकरण की घोषणा की थी, लेकिन अभी यह काम नहीं हुआ। गन्ना समिति अध्यक्ष मनोज नौटियाल ने कहा कि मिल ने इस पेराई सत्र में अच्छा प्रदर्शन किया है। लिहाजा मिल को अपग्रेड कराना चाहिए। वहीं किसान शुगर मिल के अधिशासी निदेशक दिनेश प्रताप सिंह से भी मिले और मिल से बहकर आए केमिकल युक्त पानी से खराब हुई फसलों के नुकसान के लिए मौका मुआयना करने का अनुरोध किया। इस दौरान किसान ताजेंद्र सिंह, ईश्वरचंद पाल, उमेद बोरा, बलबीर सिंह, सुरेंद्र राणा, दरपान बोरा, गौरव चौधरी, ओमप्रकाश कांबोज, गौरव मल्होत्रा, इंद्रजीत सिंह आदि थे।

टिहरी विस्थापित कॉलोनी में शुरू हुआ यात्री शेड निर्माण कार्य

हरिद्वार, एजेंसी। शिवालिक नगर नगर पालिका की टिहरी विस्थापित कॉलोनी में पालिकाध्यक्ष राजीव शर्मा ने यात्री शेड निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। पालिकाध्यक्ष ने कहा कि यात्री शेड के निर्माण से क्षेत्रवासियों और खासकर स्कूल जाने वाले बच्चों को धूप और बारिश से बचाओ की सुविधा मिलेगी। शिवालिक नगर नगरपालिका में 50 दिन 150 काम अभियान चलाया जा रहा है। शनिवार को टिहरी विस्थापित कॉलोनी के वार्ड नंबर सात में यात्री शेड का निर्माण कार्य शुरू किया गया। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष कैलाश भंडारी, मंडल उपाध्यक्ष रितु ठाकुर, रितेश गौड़, अध्यक्ष प्रतिनिधि दीपक नौटियाल, पवन सैनी, सुनील कौशिक, संगीता गौड़, गोविंद रावत, लक्ष्मी रावत, मधु शर्मा आदि उपस्थित रहे।

पूर्व सैनिकों ने उठाया मुद्दा, बोले- वीरांगनाओं को परिवार चलाने के लिए मिले पूरी पेंशन

देहरादून, एजेंसी।
पूर्व सैनिकों का कहना है कि बॉर्डर पर कठिनाई और जोखिम सबसे ज्यादा जवान उठाते हैं। इसके बाद भी जोखिम के सापेक्ष उन्हें एमएसपी नहीं मिल रही। युद्ध में अधिकारी और जवान दोनों अपने शरीर के अंगों को गंवाकर दिव्यांग हो जाते हैं लेकिन डिसेबल भत्ता एक समान नहीं मिलता। यह दर्द पूर्व सैनिकों ने पटेलनगर स्थित अमर उजाला कार्यालय में आयोजित संवाद कार्यक्रम में बयां किया। अमर उजाला कार्यालय में शनिवार को संवाद कार्यक्रम का आयजिन किया गया। जिसमें सेना के जवानों ने पहुंचकर अपनी पीड़ा बताई। करीब 40 मिनट तक इस चले इस कार्यक्रम में कठिनाई और जोखिम सबसे ज्यादा जवाने उठाते हैं तो अधिकारियों को एमएसपी क्यों ज्यादा दी जा रही। अधिकारी और जवान के अंग का उपयोग एक समान तो डिसेबल भत्ता एक समान क्यों नहीं, वीरांगनाओं को परिवार चलाने लायक पर्याप्त पेंशन क्यों नहीं, वीआरएस वाले 2014 जून तक को ओआरओपी का लाभ दिया जाना जून 2014 के बाद वाले को छोड़ क्यों दिया। कहा कि रिजर्विस्ट सैनिकों का योगदान एक समान फिर भी इन्हें ओआरओपी का लाभ क्यों नहीं, ग्रुप एक्स के पूर्व सैनिकों के पेंशन में कटौती क्या छलावा नहीं है। सीएसडी में सामान की कीमत सिपाही व आफिसर के लिए सामान तो भेदभाव क्यो, सिपाही और आफिसर को बीमार में दर्द एक सा तो ईसीएचएस द्वारा इलाज में भेदभाव जैसे विभिन्न मुद्दों पर सैनिकों ने खुलकर अपने विचार रखें। अलम सिंह भड़ोनी ने कहा कि वर्ष 1973 तक जेसीओ और जवानों को बलपूर्वक कम सेवा अवधि व उम्र में रिटायर करने की बाध्यता के कारण उन की पेंशन का निर्धारण वेतन का 75 प्रतिशत हुआ करता था, जिसे घटाकर 50 प्रतिशत करते हुए

आश्वासन दिया कि समान रैंक समान पेंशन (ओआरओपी) के माध्यम से इसकी क्षतिपूर्ति सरकार द्वारा की जाएगी। ओआरओपी जुलाई 2014 से स्वीकृत की, पर इसका सही निर्धारण नहीं होने से जेसीओ, जवानों को नाम मात्र का लाभ मिला और सरकार द्वारा स्वीकृत बजट का बड़ा हिस्सा सेना के तीन प्रतिशत रिटायर्ड अधिकारियों की जेब में चला गया, जो इसके हकदार ही नहीं थे।

मिलट्री सर्विस पे से उपजा भेदभाव और अन्यायः भगत सिंह राणा ने कहा कि मिलट्री सर्विस पे सैन्य सेवा की कठिनाईयों और जोखिम के आधार पर स्वीकृत की गई है। इसके निर्धारण में कठिनाईयों और जोखिम के आधार पर बल्ककुल अनदेखा करते हुए तीन प्रतिशत अधिकारियों को 15500 रुपये प्रतिमाह और जिन 97 प्रतिशत जेसीओ व जवानों को सबसे अधिक कठिनाई और जोखिम है, उन्हें 5200 रुपये मिलट्री सर्विस पे का निर्धारण कर बहुत बड़ा अन्याय किया है। इसका सीधा प्रभाव पेंशन निर्धारण पर होने से अधिसंख्या पूर्व सैनिकों का शोषण हुआ है। सेना कि कठिनाईयों और जोखिम की जानकारी रखने वाले विशेषज्ञों के अलावा दल से सर्वे कराया जाए तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। डिसेबिलिटी पेंशन में भेदभाव और विसंगतिवीरेंद्र सिंह बिष्ट ने कहा कि यह बात बिल्कुल सही है कि हर व्यक्ति को अपने शरीर का अंग जरुरी और प्यारा होता है तो फिर अधिकारी और गैर अधिकारी की डिसेबिलिटी पेंशन में अंतर क्यों हैं। इसी प्रकार वार इंजरी डिसेबिलिटी और वार इंजरी इनवेलिड पेंशन में भी अप्रत्याशित भेदभाव कर दिया गया है। सातवें वेतन आयोग ने तो जवान, जेसीओ और अधिकारियों के लिए 12000, 17000 और 27000 की सिफारिश की थी, लेकिन अधिकारियों ने माटा माल मारने के लिए अनामली कमेटी के मार्फत अपने हित में बदलाव करवा लिया और यही कारण है कि सीएजी की रिपोर्ट के अनुसार 40 प्रतिशत से अधिक अधिकारी डिसेबिलिटी पेंशन के साथ रिटायर होने का जुगाड़ बैठाकर मोटी राशी हड़प रहे हैं। इंद्र सिंह शाही ने कहा कि एक नियमित सैनिक के बजाय एक रिजर्विस्ट देश के प्रति ज्यादा समर्पित रहा है। सेना द्वारा रिजर्व फोर्स रखने और सरकार का पैसा बचाने के लिए जबरन सैनिकों को रिर्जर्विस्ट के तौर पर घर भेजा गया। साथ ही शर्त रखी गई कि प्रतिवर्ष एक माह की ट्रेनिंग के लिए और युद्ध की स्थिति में मोर्चे पर उपस्थित होना अनिवार्य होगा। ना तो वह स्थाई नौकरी के लिए स्वतंत्र रहा और ना ही कोई अपना व्यवसाय स्थापित करने की स्थिति में रहा। जब भी सेना और देश ने युद्ध के लिए बुलाया तो सब कुछ जीवन यापन के साधन छोड़कर मोर्चे पर पहुंचा। वीर सिंह पंवार ने कहा कि सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों के बाद वर्ष 2016 से पूर्व के एक्स ग्रुप की पेंशन पाने वाले पूर्व सैनिकों की पेंशन कम हो गई।

अस्पताल के इमरजेंसी तक पहुंचने के लिए एंबुलेंस को भी नहीं मिलता रास्ता

ऋषिकेश, एजेंसी। उप जिला अस्पताल में बेतरतीब खड़े किए जाने वाले वाहनों से रोगियों और तीमारदारों को परेशानी होती है। कई बार तो इमरजेंसी तक पहुंचने के लिए एंबुलेंस को रास्ता नहीं मिलता है।

उप जिला अस्पताल में होने वाली वाहनों की पार्किंग गंभीर समस्या का रूप धारण कर रही है। ओपीडी व इमरजेंसी के आसपास खड़े कि जाने वाले वाहन रोगियों व उनके तीमारदारों के लिए दिनभर मुसीबत बने रहते हैं। उधर रोगियों को लेकर आने जाने वाले वाहन और एंबुलेंस को भी रास्ता नहीं मिल पाता है। अस्पताल में ओपीडी के समय सुबह सात बजे से लेकर दोपहर दो बजे तक बाइक व कार आदि वाहनों की पार्किंग की समस्या गंभीर रहती है। अस्पताल परिसर में वाहनों की पार्किंग की सही व्यवस्था नहीं होने के कारण यहां आने वाले वाहन चालक अपने वाहनों को बेतरतीब ढंग से जहां जगह मिलती है वहीं पार्क कर देते हैं। इससे उपचार के लिए अस्पताल आने वाले रोगियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। रोगी को लाने वाले वाहन या एंबुलेंस भी कई बार इमरजेंसी तक नहीं पहुंच पाते हैं। ऐसी स्थिति में रोगी को जल्दी उपचार देने के बजाए पहले वाहन स्वामी को खोजकर लाया जाता है और उसके वाहन हटाने के बाद ही एंबुलेंस इमरजेंसी के सामने तक पहुंच पाते हैं। राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व सदस्य संजय जैन, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष नीरज अग्रवाल, मनोज अग्रवाल का कहना है कि अस्पताल बेहद संवेदनशील क्षेत्र होता है। कई बार गंभीर स्थिति में रोगी को लाया जाता है, इसलिए इस प्रकार की अव्यवस्थाएं अस्पताल परिसर में नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अस्पताल प्रशासन से पार्किंग की व्यवस्था को ठीक कराने की मांग की है। अस्पताल परिसर में आने वाले वाहनों पर कर्मचारी नजर रखते हैं लेकिन इसके बावजूद कई बार लापरवाही से वाहन खड़े कर दिए जाते हैं। व्यवस्था में सुधार के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

देहरादून से सहारनपुर के लिए बिछेगी नई रेल लाइन, 42 किमी कम हो जाएगी दूरी

देहरादून, एजेंसी।
नई रेल लाइन से देहरादून और सहारनपुर के बीच की दूरी करीब 42 किमी कम हो जाएगी। अभी हरिद्वार होकर जाने वाली ट्रेनें सहारनपुर पहुंचने में करीब तीन घंटे का समय लेती हैं। नई रेल लाइन बनने से यह समय घटकर करीब डेढ़ घंटे रह जाएगा। देहरादून से सहारनपुर तक वाया मां शाकंभरी देवी मंदिर नई रेल लाइन का सपना जल्द पूरा होगा। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे लाइन के सर्वे के लिए दो करोड़ रुपये जारी करने का एलान किया है। इससे पहले वर्ष 2019 में इस लाइन के लिए सर्वे कर रूट निर्धारित किया जा चुका है। वह सर्वे इस बार भी काफी मददगार साबित होगा। देहरादून से सहारनपुर तक वाया मां शाकंभरी देवी मंदिर नई रेल लाइन का सपना जल्द पूरा होगा। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे लाइन के सर्वे के लिए

दो करोड़ रुपये जारी करने का एलान किया है। इससे पहले वर्ष 2019 में इस लाइन के लिए सर्वे कर रूट निर्धारित किया जा चुका है। वह सर्वे इस बार भी काफी मददगार साबित होगा। शिवालिक की पहाड़ियों के बीच से होकर गुजरने वाली नई रेल लाइन से देहरादून और सहारनपुर के बीच की दूरी करीब 42 किमी कम हो जाएगी। अभी हरिद्वार होकर जाने वाली ट्रेनें सहारनपुर पहुंचने में करीब तीन घंटे का समय लेती हैं। नई रेल लाइन बनने से यह समय घटकर करीब डेढ़ घंटे रह जाएगा। वहीं, मां शाकंभरी शक्तिपीठ जाने वाले भक्तों की राह काफी सुगम हो जाएगी। शाकंभरी देवी मंदिर से देहरादून के बीच सघन शिवालिक पर्वतमाला है। इसके बीच से ट्रेन गुजारना आसान नहीं है। इसके लिए पहाड़ों को काटकर टनल बनानी होगी। पहले हुए सर्वे के अनुसार, सहारनपुर के पिलखनी से वाया शाकंभरी देवी मंदिर देहरादून तक रेलमार्ग बनाने के लिए करीब 11 किमी लंबी टनल बनानी होगी। वहीं, करीब 106 छोटे-बड़े पुलों का निर्माण करना होगा। इसमें अंडरपास भी बनाने होंगे। सहारनपुर के पिलखनी से हर्रावाला के बीच रेलमार्ग की दूरी करीब 81 किमी होगी। पहले चरण में पिलखनी से मां शाकंभरी देवी मंदिर तक 40 किमी लाइन बिछाई जाएगी। दूसरे चरण में मां शाकंभरी देवी मंदिर से हर्रावाला तक 41 किमी रेल लाइन बिछेगी।

मानसून की दस्तक...नदियां उफान पर, जलमग्न हुए वाहन, एयरपोर्ट पर लैंड नहीं कर पाई फ्लाइट

देहरादून, एजेंसी।
प्रदेश में मानसून ने दस्तक दे दी है। जगह-जगह भारी बारिश आफत लेकर आई है। कई मार्ग बंद होने से आवाजाही मुश्किल हो गई है, तो कहीं नदियों का जलस्तर बढ़ने से नुकसान की तस्वीरें सामने आई है। सुबह से जारी भारी बारिश के कारण देहरादून एयरपोर्ट पर हवाई यातायात प्रभावित भी हुआ। जिस कारण एयरपोर्ट पर इंडिगो की पहली फ्लाइट लैंड नहीं हो पाई। शनिवार रात से जारी बारिश के चलते हरिद्वार शहर और देहात के कई क्षेत्रों में जलभराव हो गया। कनखल में नहर और नाले का पानी घरों में ओवरफ्लो होकर घुसा। कई लोगों के घरों के सामान खराब हो गया। लाटोवाली में भी नाले चोक होने से कालोनी की सड़क जलमग्न हो गई। ज्वालापुर में मेन बाजार सहित कई इलाकों में दो से तीन फुट पानी भर गया। गलियों में खड़े कई वाहन पानी में डूबे गए। ऋषिकुल के पास बारिश के चलते एक पुराने मकान की दीवार ढह गई। मकान बहने की आशंका के चलते परिवार ने पड़ोस के घर में आसरा लिया। जिलाधिकारी ने आपदा प्रबंधन विभाग और तहसील प्रशासन को अलर्ट होने के लिए निर्देश दिए। बाढ़ संभावित इलाकों पर नजर रखी जा रही है।

जी-20 के रंग में रंगने लगे बाजार

ऋषिकेश, एजेंसी।
देहरादून रोड, घाट रोड और हरिद्वार रोड की दुकानें जी-20 के रंग में रंगने लगी हैं। दुकानों के आगे एक जैसे साइन बोर्ड लगा दिए गए हैं। वहीं निर्माण कार्यों को अंतिम रूप देने के लिए मजदूर दिन रात काम पर लगे हुए हैं। 27 जून को त्रिवेणी घाट पर जी-20 के तहत गंगा आरती होगी। इसके लिए प्रशासन की ओर से देहरादून रोड, हरिद्वार रोड और त्रिवेणी घाट पर दुकानों का रंग रोगन कर उनके आगे साइन बोर्ड लगाए गए हैं। जो साइन बोर्ड बनाए गए हैं उनकी पृष्ठभूमि में एपणं कला झलक रही है। देहरादून रोड पर दीवारों पर चित्रकारी की जा रही है। त्रिवेणी घाट पर 100 फीट ऊंचे स्तंभ पर तिरंगा भी लगा दिया गया है। यहां शिव पार्वती की प्रतिमा और श्रीकृष्ण अर्जुन की प्रतिमा का भी रंग रोगन किया गया है। आरती स्थल की सजावट का काम भी पूरा हो गया है। त्रिवेणी घाट पर एमडीडीए के उद्यान विभाग की ओर से फूलों के पौधे लगाए जा रहे हैं। घनश्याम दास बिड़ला की प्रतिमा को शिफ्ट करने के बाद रैंप को अंतिम रूप दिया जा रहा है। वहीं ऊर्जा निगम ने भी सभी काम पूरे कर लिए हैं। जी-20 के कामों के दौरान सिंचाई विभाग ने आरती स्थल के पास से पूर्व लगाई गई स्टील बैरिकेडिंग को गैस कटर से काट दिया, लेकिन उसका बाकी ठूठनुमा हिस्सा ऐसे ही छोड़ दिया। ऐसे में लोग इन पर उलझकर गिर रहे हैं।

ब्लॉक प्रमुख से वार्ता में भी नहीं निकला हल, कैसे मिलेगा ग्रामीणों को जल

हरिद्वार, एजेंसी। किसानों की जमीन पर बिना लिखा-पढ़ी ओवरहेड टैंक खड़ा करने के मामले का हल ब्लॉक प्रमुख की वार्ता में भी नहीं निकल सका। ऐसे में ग्रामीणों को कब और कैसे पेयजल मिलेगा। बहादराबाद ब्लॉक क्षेत्र के गांव पीतपुर में जल जीवन मिशन के तहत किसानों की पौने चार बीघा जमीन पर बिना-लिखा पढ़ी के ओवरहेड टैंक खड़ा कर दिया था। किसानों ने अधिकारियों पर जमीन के बदले पांच लाख रुपये और परिवार के एक व्यक्ति को ऑपरेटर की नौकरी देने के आश्वासन से पलटने का आरोप लगाया है। जिससे उन्होंने नलकूप कक्ष का निर्माण कार्य भी रोक दिया है। डेढ़ करोड़ रुपये की पेयजल परियोजना में एक करोड़ खर्च करने के बाद भी ग्रामीणों को पेयजल नहीं मिलने का मामला छह जून को तहसील दिवस में डीएम के जनता दरबार में पहुंचा था। जिलाधिकारी ने जनता दरबार में ही जल संस्थान के अधिशासी अभियंता मदन सेन को फटकार लगाते हुए मामले का निस्तारण कर पेयजल योजना को शुरू करने के निर्देश दिए थे। तब से जल संस्थान और प्रशासन के अधिकारी किसानों को मनाने के लिए लगे हैं।

कांवड़ मेले से पहले निगम ने हटाया रोड़ी बेलवाला क्षेत्र से अतिक्रमण

हरिद्वार, एजेंसी। कांवड़ मेले के मद्देनजर नगर निगम ने रोड़ीबेलवाला क्षेत्र और आसपास के गंगा घाटों पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। टीम ने रोड़ीबेलवाला में 30 अवैध झुग्गी झोपड़ियों को ध्वस्त कर दिया। वहीं घाटों पर बनीं 20 अस्थाई दुकानों को भी हटाया गया। नगर निगम प्रशासन ने आगामी कांवड़ मेले को लेकर अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू कर दिया है। शनिवार को नगर निगम की टीम रोड़ीबेलवाला क्षेत्र में पहुंची। टीम ने जेसीबी से रोड़ीबेलवाला से सीसीआर तक 30 झुग्गी-झोपड़ियों को हटाया। इसके बाद नगर निगम की टीम ने तिरछे पुल, शिव घाट और विष्णु घाट की ओर रुख किया। टीम ने घाटों के किनारे अवैध रूप से बनाए गई 20 दुकानों को भी हटाया। घाटों के प्लेटफार्म पर फड़ लगाने वाले पटरी व्यापारियों को भी टीम ने हटा दिया। सहायक नगर आयुक्त श्याम सुंदर प्रसाद ने दोबारा कब्जा करने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी थी। टीम में निर्माण अनुभाग के मानचित्रकार दिनेश कांडपाल, सफाई निरीक्षक श्रीकांत चौधरी, संजय शर्मा, विकास छाछर आदि उपस्थित रहे।

गैंडीखाता संकुल में विकास एप को किया लॉन्च

हरिद्वार, एजेंसी।
शनिवार को गेंडीखाता संकुल में उन्नत भारत अभियान के तहत आईआईटी दिल्ली की ओर से किसानों, छात्रों, मजदूरों, समाज सेवकों, जनप्रतिनिधि, कर्मचारी और अधिकारी वर्ग अपनी समस्या और सुझावों के आदान-प्रदान के लिए विकास एप के माध्यम से आपसे में जोड़ने की पहल शुरू हुई। एप सभी के बीच की कड़ी का कार्य करेगा। इसका मुख्य उद्देश्य आम जन सामान्य और प्रशासन के बीच सूचनाएं प्रसारित करना है। बता दें एप को दो युवा विहान और अयाना अग्रवाल ने आईआईटी दिल्ली के प्रो. विवेक कुमार के मार्गदर्शन में तैयार किया है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सह समन्वयक उन्नत भारत अभियान की प्रो. प्रियंका कौशल ने विकास एप को सार्वजनिक करते हुए बताया कि किसान, मजदूर, जन प्रतिनिधि और सरकारी कर्मचारी कोई भी इस एप को मल्टीमिडिया फोन में डाउनलोड करके प्रयोग कर सकता है। एप के माध्यम से सभी विभागों के विशेषज्ञ उपलब्ध रहेंगे। कार्यक्रम में उन्नत भारत अभियान के राष्ट्रीय समन्वयक प्रो. विजय कुमार, प्रो. विवेक कुमार, प्रदीप सैनी, सफी लोधा, ब्लॉक मिशन प्रबंधक बहादराबाद धर्मेंद्र सिंह के साथ किसान व महिला समूह मौजूद रहे।

बेटा न होने से गुस्साए पिता ने कर दी दो मासूम बेटियों की हत्या

ऋषिकेश, एजेंसी।
रात करीब साढ़े आठ बजे पुलिस को एक घर में दो बच्चियां मृत मिलने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की। कोतवाल ने बताया, बच्चियों की पहचान आंचल (साढ़े तीन साल) और अनुषा (डेढ़ साल) निवासी दरभंगा बिहार के रूप में हुई है। बेटा नहीं होने से नाराज पिता ने दो मासूम बेटियों की गला दबाकर हत्या कर दी और फरार हो गया। घटना के वक्त घर में कोई मौजूद नहीं था। रात करीब साढ़े आठ बजे बच्चियों की दादी घर पहुंचीं तो दरवाजा बाहर से बंद था। खोलकर देखा तो अंदर दोनों बहनें अचेत पड़ी थीं। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनके गले पर निशान भी मिले हैं। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। उसके बिहार भागने की आशंका जताई जा रही है। घटना डोईवाला कोतवाली क्षेत्र की केशवपुरी बस्ती की है। कोतवाली प्रभारी राजेश साह ने बताया, शुक्रवार रात करीब साढ़े आठ बजे पुलिस को सूचना मिली कि वहां एक घर में दो बच्चियां मृत मिली हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की और शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया। कोतवाल ने बताया, बच्चियों की पहचान आंचल (साढ़े तीन साल) और अनुषा (डेढ़ साल) पुत्री जितेंद्र साहनी निवासी दरभंगा बिहार के रूप में हुई है। जितेंद्र यहां कबाड़ बीनने का काम करता है। इन दिनों वह दोनों बेटियों और मां दुर्गा देवी के साथ यहां रह रहा था, जबकि उसकी पत्नी रीना झगड़े के कारण घर छोड़कर कहीं चली गई है। जितेंद्र और उसकी मां शुक्रवार को भी काम पर गए थे। रात को जब आरोपी की मां दुर्गा देवी घर वापस आईं तो अंदर का नजारा देख उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। पुलिस के अनुसार, बच्चियों के गले पर निशान पाए गए हैं। प्रथमदृष्टया आशंका जताई जा रही है कि गला दबाकर उनकी हत्या की गई है।

बेटियों की हत्या कर दी और फरारः उधर, पड़ोस में रहने वाली बच्चियों की नानी आशु देवी ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि बेटा नहीं होने के कारण जितेंद्र और उसकी मां उनकी बेटी रीना को आए दिन ताना मारते थे और मारपीट भी करते थे।

अमर जवान ज्योति के निर्माण में उपयोग की जाएगी 1734 शहीदों के आंगन की मिट्टी, तीन जुलाई से काम शुरू

देहरादून, एजेंसी।
सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने बताया कि देश के विभिन्न स्मारकों का अध्ययन करने के बाद सैन्यधाम का निर्माण कराया जा रहा है। भारतीय सेना में पूजे जाने वाले अमर सैनिक बाबा हरभजन सिंह और बाबा जसवंत सिंह के मंदिर सैन्यधाम में बनाए जा रहे हैं। सैन्यधाम में 3 जुलाई से अमर जवान ज्योति के निर्माण का काम शुरू होगा। इसके लिए 1734 शहीदों के आंगन की पवित्र मिट्टी लाई गई है। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने शनिवार को सैन्यधाम का निरीक्षण करते हुए यह बात कही। उन्होंने सैन्यधाम के कार्य को तय समय पर

पूरा करने के निर्देश दिए। सैनिक कल्याण मंत्री ने कहा कि निर्माण कार्यों में इस्तेमाल की जा रही सामग्री में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। धाम की भूमि संबंधी विसंगतियां भी शीघ्र दूर कर ली जाएं। मंत्री ने बताया कि देश के विभिन्न स्मारकों का अध्ययन करने के बाद सैन्यधाम का निर्माण कराया जा रहा है। भारतीय सेना में पूजे जाने वाले अमर सैनिक बाबा हरभजन सिंह और बाबा जसवंत सिंह के मंदिर सैन्यधाम में बनाए जा रहे हैं। इसी तरह सैन्यधाम का मुख्य गेट देश के प्रथम सीडीएस जनरल बिपिन रावत के नाम से बनाया जा रहा है। मंत्री जोशी ने कहा कि सैन्य धाम के बनने के बाद जिस तरह चारों धामों के दर्शन के लिए लोग आते हैं। ठीक उसी तरह सैन्यधाम को देखने के लिए यहां आएंगे। मंत्री ने बताया कि 3 जुलाई को अमर ज्योति के निर्माण कार्य के शुभारंभ पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि.), प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और शहीदों की वीरांगनाएं व उनके परिवारजन भी उपस्थित रहेंगे। सैन्यधाम के निरीक्षण के दौरान सैनिक कल्याण निदेशक ब्रिगेडियर अमृतलाल, एसडीएम नरेश चंद्र दुर्गापाल, पार्षद सुंदर सिंह कोठाल, लक्ष्मण सिंह रावत आदि मौजूद रहे।

ब्रह्मपुरी में दो पक्षों में विवाद, एक तरफ से केस

हरिद्वार, एजेंसी। नगर कोतवाली क्षेत्र के ब्रह्मपुरी में दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। दोनों तरफ से मारपीट हुई। पुलिस ने एक पक्ष की ओर से चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। जबकि दूसरे पक्ष ने एसएसपी को शिकायत देकर कार्रवाई की गुहार लगाई है। एक पक्ष के मलखान सिंह निवासी ब्रह्मपुरी ने बताया कि बृहस्पतिवार रात बेटी, दामाद और बेटे के साथ पड़ोस में रहने वाले प्रवीन, सुरेश, सतीश, हर्षु ने गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध पर मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने चारों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

राहुल गांधी मोहब्बत की दुकान चलाने की बात कहते हैं वो दिखनी भी चाहिए : भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार इन दिनों केंद्र द्वारा लाए अध्यादेश के खिलाफ विपक्ष को लामबंद करने में जुटी है। बीते दिनों पटना में हुई विपक्षी दलों की बैठक में राहुल गांधी से मतभेद भुलाने और साथ मिलकर चलने का आग्रह किया था। अब दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने राहुल गांधी के बयान मोहब्बत की दुकान का साहारा लेकर बड़ा दिल दिखाने को कहा है।

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि गांधी को नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलने की बात करनी चाहिए, क्योंकि वह अक्सर कहते हैं मैं नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोल कर बैठा हूं।

कांग्रेस के द्वारा अध्यादेश के खिलाफ आप को समर्थन न देने की ओर संकेत देते हुए आप नेता ने कहा- राहुल गांधी की कांग्रेस पार्टी केंद्र में सत्ता में नहीं है। इसलिए अहंकार का कोई सवाल ही नहीं होना चाहिए, लेकिन अगले लोकसभा चुनाव में सत्ता में लौटने पर वह अहंकारी हो सकते हैं तो क्या होगा। इसलिए उन्हें संतुलित होने की जरूरत है। साथ ही उन्हें दिखाना होगा कि वह मोहब्बत फैला रहे हैं। ऊपरी संसद में अध्यादेश को रोकना चाहती है आप केंद्र द्वारा लाए अध्यादेश को राज्यसभा में रोकने के लिए आम आदमी पार्टी विपक्षी दलों के नेताओं से मिलकर समर्थन मांग रही है, क्योंकि भाजपा के पास ऊपरी संसद में बहुमत नहीं है। वहीं, कांग्रेस के पास 31 राज्यसभा सदस्य हैं। इसी को लेकर आप नेता बार-बार कांग्रेस से अध्यादेश के खिलाफ समर्थन मांग रहे हैं, जिससे की वह मानसूत्र सत्र में अध्यादेश को कानून बनने से रोक सकें। आपको बता दें कि केंद्र सरकार 19 मई को ट्रांसफर पोस्टिंग, सतर्कता और अन्य प्रासंगिक मामलों के संबंध में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (जीएनसीटीडी) के लिए नियमों को अधिसूचित करने के लिए एक अध्यादेश लेकर आई।

क्या है अध्यादेश

यह अध्यादेश राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार अधिनियम, 1991 में संशोधन करने के लिए लाया गया था और यह सेवाओं के नियंत्रण पर केंद्र बनाम दिल्ली मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को दरकिनार करता है।

डंपिंग यार्ड में मिला महिला का शव

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के बाड़ा हिंदूराव क्षेत्र में डंपिंग यार्ड में रविवार सुबह एक महिला की शव मिला है। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। जहां शव मिला वहां चारों तरफ जंगल है। बाड़ा हिंदूराव पुलिस मौके पर पहुंची ओर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक महिला की पहचान नहीं हो सकी है। डीसीपी सागर सिंह कलसी ने बताया कि बाड़ा हिंदूराव इलाके में डंपिंग यार्ड में एक अज्ञात महिला की शव पड़े होने की सूचना मिली थी। सूचना पाकर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव की शिनाख्त कराने की काफी कोशिश की। पुलिस ने बताया कि महिला की उम्र करीब 40 साल है, उसके शरीर पर बाहरी चोट के निशान नहीं है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार महिला के साथ सेक्सुअल एसॉल्ट की संभावना भी नजर नहीं आ रही है। फिलहाल पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है।

एम्स की पैरा मेडिकल प्रवेश परीक्षा में पकड़ा साल्वर, पांच बार दे चुका नीट की परीक्षा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

गाजियाबाद में एम्स की पैरा मेडिकल प्रवेश परीक्षा में शनिवार को अभ्यर्थी के स्थान पर परीक्षा देने पहुंचे साल्वर पकड़ लिया गया है। यह परीक्षा मेरठ रोड स्थित आइएएमआर केंद्र में आयोजित की गई थी।

एसीपी कविनगर अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि परीक्षा पर्यवेक्षक डा. पवन कुमार की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर साल्वर को आशीष शर्मा को गिरफ्तार कर लिया है। विवेचना कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। एसीपी ने बताया कि आशीष जयपुर (राजस्थान) के तुंगा का रहने वाला है और वह जयपुर के ही शाहपुरा के मनीष यादव के स्थान पर परीक्षा देने आया था।

बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज कराने के दौरान अभ्यर्थी ने जैसे ही अंगूठा लगाया तो एम्स के कंट्रोल रूम पर अलर्ट पहुंचा कि अपंजीकृत व्यक्ति ने उपस्थिति दर्ज कराने का प्रयास किया।

कंट्रोल रूम से मिली सूचना मिलते ही केंद्र पर तैनात सुरक्षाकर्मियों ने आरोपित को हिरासत में ले लिया और पर्यवेक्षक ने आरोपित को थाना मधुबन बापूधाम पुलिस की सुपुर्दगी में देकर देर शाम उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। पांच बार नीट की परीक्षा दे चुका आशीष साल्वर आशीष ने पुलिस पूछताछ में बताया कि वह पांच बार नीट की परीक्षा दे चुका है, लेकिन अभी तक चयन नहीं हो पाया है। वह मनीष को नहीं जानता, उससे जयपुर के ही सुरेश बागड़िया ने संपर्क किया था कि तुम नीट की परीक्षा कई बार दे चुके हो।

इसलिए पैरा मेडिकल में प्रवेश के लिए परीक्षा आसानी से पास कर लोगे। सुरेश ने उसे परीक्षा के बाद 80 हजार रुपये देने का वादा किया था। आशीष का कहना है कि वह पहली बार दूसरे के स्थान पर परीक्षा देने आया था, लेकिन पुलिस को अंदेशा है कि वह पहले भी ऐसा कर चुका है। सुरेश को भी पुलिस ट्रेस कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

केजरीवाल का उत्तर प्रदेश सरकार पर तंज

नई दिल्ली, जागरण डिजिटल डेस्क। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उत्तर प्रदेश में बिजली व्यवस्था को लेकर यूपी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि लोग महंगी बिजली से परेशान हैं और बिजली भी पर्याप्त रूप से नहीं मिल रही है। अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा, उत्तर प्रदेश में बिजली के खूब कट लग रहे हैं। उत्तर प्रदेश में तो बिजली फ्री नहीं है ? उल्टे वढ में बिजली बहुत महंगी है। फिर क्यों इतने पॉवर कट लग रहे हैं ? दिल्ली में बिजली फ्री भी है और 24 घंटे आती है। कोई पॉवर कट नहीं लगता। दिल्ली में पढ़े लिखे प्रोफेशनल ईमानदार लोगों की सरकार है।

बंदूक की नोक पर दंपती को लूटा, पास में मिले सिर्फ 20 रुपये

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने रविवार को दो लुटेरों को गिरफ्तार किया है। शाहदरा जिले की पुलिस को लूटपाट की एक अजीबोगरीब घटना सीसीटीवी में दिखाई दी। इसके बाद फुटेज की मदद से उन्हें गिरफ्तार किया गया। दिल्ली पुलिस को 21 जून का सीसीटीवी फुटेज मिला है, जिसमें लुटेरे बंदूक की नोक पर दो लोगों से लूटपाट करते दिख रहे हैं। हालांकि, जब उन्हें पता चला कि दंपती के पास केवल 20 रुपये हैं, तो लुटेरों ने उन्हें 100 रुपये दिए और चले गए। डीसीपी (शाहधारा) रोहित मीना ने बताया कि लुटेरे खूब नशे में थे। सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद पता चला कि वे कई अन्य इलाकों में काम कर रहे थे। हमने अपराध में इस्तेमाल पिस्तौल, स्कूटर और 30 मोबाइल फोन बरामद कर लिए हैं। उनके खिलाफ चार मामले दर्ज किए हैं और आगे की जांच जारी है।

दिल्ली के आरके पुरम मार्केट में बिल्डिंग का हिस्सा गिरा

नई दिल्ली। दिल्ली के आरके पुरम मार्केट में एक बिल्डिंग का हिस्सा ढह गया। हालांकि इससे किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। सूचना मिलते ही दमकल की एक टीम और पुलिस भी भी पहुंच गई। बताया जा रहा है कि यह हिस्सा पहले से जर्जर था और बारिश के चलते ढह गया। जानकारी के अनुसार, आरके पुरम सेक्टर-12 स्थित बाजार में दुकान का छज्जा गिर गया। गर्ग प्रोविजन स्टोर के नाम से संचालित जनरल स्टोर का छज्जा सुबह लगभग 10 बजकर 45 मिनट पर गिर गया। ये दुकान लगभग 50 साल पहले बनाई गई थी।

दिल्ली में चाकूबाजी: शख्स को जाम छलकाने के लिए बुलाया

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में चाकू से शख्स की हत्या के केस को पुलिस ने 24 घंटों के अंदर ही सुलझा लिया है। शनिवार शाम को दिल्ली कैंट थाना क्षेत्र में एक शख्स पर चाकू से ताबड़तोड़ वार किए गए थे, जिसके बाद उसे एम्स में इलाज के लिए ले जाया गया था। शख्स ने एम्स में दम तोड़ दिया था। इस मामले को लेकर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वारदात के पीछे आपसी रंजिश को बताया जा रहा कारण।

शाह ने केंद्र की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन दिया

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम में मूसलाधार वर्षा के कारण बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न होने के मद्देनजर मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा शर्मा से बात कर उन्हें केंद्र की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। श्री शाह ने रविवार को ट्वीट कर कहा कि असम में मूसलाधार बारिश के कारण बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है और मैंने मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा शर्मा से बात की है तथा उन्हें केंद्र की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की टीमें पहले से ही वहां राहत और बचाव कार्य में जुटी हैं तथा जरूरत पड़ने पर पर्याप्त संख्या में सुरक्षाबलों को स्थिति से निपटने के लिए तैयार रखा गया है।

दिल्ली, मुंबई में मॉनसून का आगमन

- मध्य भारत में यह अब भी तय समय से 10-12 दिन पीछे है, जहां अधिकांश किसान खेती के लिए बारिश पर निर्भर रहते हैं।

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली और मुंबई दोनों जगह रविवार को मॉनसून के आगमन के साथ बारिश हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली में मॉनसून अपने तय समय से दो दिन पहले पहुंच गया जबकि मुंबई में यह दो हफ्ते की देरी से पहुंचा।

आईएमडी के एक अधिकारी ने कहा, दक्षिण पश्चिम मॉनसून मुंबई और दिल्ली की ओर आज (25 जून) को बढ़ा। आईएमडी के अधिकारी के अनुसार, मॉनसून की शुरूआत धीमी रही लेकिन अब इसमें तेजी आ रही है और यह महाराष्ट्र, समूचे कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, ओडिशा, पूर्वोत्तर भारत, पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश के अधिकांश हिस्सों और हरियाणा के कुछ हिस्सों समेत कई क्षेत्रों में पहुंच गया है। आम तौर पर केरल में मॉनसून एक जून तक, मुंबई में 11 जून और राष्ट्रीय राजधानी में 27 जून तक पहुंच जाता है। मॉनसून लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के बड़े हिस्से समेत उत्तर भारत में अधिकांश जगह तक तय समय या उससे थोड़ा पहले पहुंच गया है लेकिन मध्य भारत में यह अब भी तय समय से 10-12 दिन पीछे है, जहां अधिकांश किसान खेती के लिए बारिश पर निर्भर रहते हैं। आईएमडी में एक वरिष्ठ वैज्ञानिक डी.एस. पाई ने बताया कि चक्रवात बिपारजॉय ने दक्षिण भारत और उससे सटे पश्चिम एवं देश के मध्य हिस्सों में मॉनसून की प्रगति पर असर डाला है। हालांकि, पूर्वोत्तर एवं पूर्वी भारत में बारिश के लिए जिम्मेदार बंगाल की खाड़ी में मॉनसून 11 जून और 23 जून के बीच मजबूत बना रहा। पाई ने कहा कि मध्य जून में निम्न दबाव क्षेत्र बनने और चक्रवात बिपारजॉय के असर से मॉनसून के पूर्वी भारत की दिशा में बढ़ने में मदद मिली। पाई ने कहा कि अरब सागर से उठने वाला मॉनसून अब गति पकड़ रहा है और बंगाल की खाड़ी के ऊपर निम्न दबाव क्षेत्र बन रहा है। वरिष्ठ मौसम विज्ञानी ने कहा, मॉनसून पूरे महाराष्ट्र और गुजरात एवं राजस्थान के कुछ हिस्सों में रविवार को छा सकता है।

गुरमति कैंप की सफलता के बाद दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी साप्ताहिक गुरमति कक्षाएं आयोजित करेगी : कालका, काहलों

- गुरमति शिविरों के समापन दिवस पर बच्चों ने सारंगी वाद्ययंत्रों के साथ शब्दकीर्तन किया

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा गर्मी की छुट्टियों के दौरान गुरमति शिविरों के सफल आयोजन के बाद अब सिंह सभाओं व विभिन्न गुरुद्वारा साहिबों में साप्ताहिक गुरमति कक्षाएं आयोजित की जाएंगी। यह कहना है कमेटी अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका व महासचिव सरदार जगदीप सिंह काहलों का। गुरमति शिविरों के समापन दिवस पर भाई लक्खी शाह वणजारा हॉल में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए सरदार काहलों व सरदार कालका ने कहा कि गुरमति कैंप को इस बार संगत का बहुत समर्थन मिला है। अब अगले चरण में हम सिंह सभाओं व अपने वांलटियर्स की पूरी टीम के साथ रणनीति बनाकर साप्ताहिक गुरमति कक्षाएं आयोजित करेंगे ताकि अधिक से अधिक बच्चे गुरबाणी और गुरसिखी जीवन से जुड़ सकें। उन्होंने बताया कि कृष्णा नगर गुरुद्वारा साहिब और शिव नगर सिंह सभा ने प्रत्येक शनिवार को यह गुरमति कक्षाएं आयोजित करने का फैसला किया है। उन्होंने, सभी बच्चों को आज के शिविर में मूल मंत्र की व्याख्या, शब्द की व्याख्या व सारंगी वाद्ययंत्रों के साथ कीर्तन करने के लिए बधाई दी और कहा कि हम कई वर्षों से गुरमति के इस कीर्तन से वंचित थे। आज हमारी नई पीढ़ी खासकर दिल्ली की वह संगत जो व्यस्तता के चलते बच्चों को गुरमति से नहीं जोड़ पाती, इसलिए दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी ने गुरमति शिविरों का आयोजन किया है। उन्होंने संगत और विशेषकर बच्चों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने घरों में मातृभाषा पंजाबी बोलें और परिवार के सभी सदस्यों को पंजाबी बोलने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने यह भी बताया कि दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी ने न केवल दिल्ली बल्कि राजस्थान और उत्तर प्रदेश में भी गुरमति शिविरों का आयोजन किया है. दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी द्वारा भेजे गए प्रचारक इस शिविर का संचालन राजस्थान के 80 गांवों में कर रहे हैं और 30 जून को आगरा के गुरुद्वारा गुरु के ताल में भी इसी तरह का अंतिम शिविर आयोजित किया जाएगा, जहां बच्चे सीखी हुई गुरमत विद्या को सबके सामने प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने कहा कि हम बार-बार कहते रहे हैं कि हमें अपनी पनीरी की सिख जड़ों को मजबूत करने की जरूरत है। सभी सिख संगठनों को पहल करने की जरूरत है और संगत हमेशा संगठनों द्वारा किए गए प्रयास को समर्थन देती है।

इन शिविरों का सफल आयोजन धर्म प्रचार समिति के अध्यक्ष सरदार जसप्रीत सिंह करमसर द्वारा अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका के नेतृत्व में पूरी योजना के साथ किया गया। शिविरों के लिए पुस्तकें तैयार की गईं, जिनके माध्यम से बच्चों को गुरसिखी जीवन के बारे में जानाकरी हासिल हुई। इन बच्चों ने गुरसिखी जीवन के बारे में जो सीख ली है, उसे वे जीवन भर नहीं भूल पाएंगे। सरदार कालका और सरदार काहलों ने बाबा बंदा सिंह बहादुर के शहीदी दिवस पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि बाबा बंदा सिंह बहादुर ने सरहिंद में ईंट से ईंट बजाकर वजीर खान से छोटे साहिबजादों की शहादत का बदला लिया था। वे ऐसे वीर जवान थे जो आज के दिन शहीद किए गए थे। उन्होंने संगत से अपील करते हुए कहा की कि वे अपने बच्चों को सरहिंद की धरती के दर्शन अवश्य कराएं, जहां छोटे साहिबजादों ने शहादत दी थी, जिसके चलते सिख राज की स्थापना हुई थी। इन शहादतों के कारण ही आज पूरी दुनिया में खालसा पंथ का परचम लहरा रहा है।

डेंगू से बचने का सबसे आसान तरीका जागरूकता : जुबेर अहमद

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के जन स्वास्थ्य विभाग की ओर से चौहान बांगर वार्ड में पार्षद शगुफ्ता चौधरी और बाबर पूर ज़िला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौधरी जुबैर अहमद की मौजूदगी में डेंगू दिवसह्न मनाया गया, जहां विभाग के अधिकारियों ने लोगों को डेंगू के बारे में जागरूक किया। हर साल जून के महीने में दिल्ली के सभी वार्डों में पार्षदों के साथ मिल कर डेंगू दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर असिस्टेंट मलेरिया इंस्पेक्टर कपिल खत्री, प्रीतम, अमजद खान, पूरन, राज किशोर, दमरेश, फील्डर ऑफिसर सुशील और राजन के अलावा डेली गेट सैयद नासिर जावेद, नवेद पप्पू, जफर भाई, असलम मलिक, जरार अहमद, नदीम राइन और यूसुफ इदरीसी आदि विशेष रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर जुबैर अहमद ने कहा कि जून का महीना चल रहा है, इस महीने में बारिश का मौसम शुरू हो जाता है और डेंगू बुखार होता है जो मच्छरों के कारण होता है। ये पानी में पैदा होते हैं, इसलिए हम सभी को पहले से ही रोकथाम के उपाय करने चाहिए। पार्षद की जिम्मेदारी है कि नालियों और जहां पानी भरा हो, वहां दवा का छिड़काव करें। छतों पर थोड़ा पानी जमा रहता है, उसे भी साफ करें ताकि मच्छर न पनप सकें। कपिल खत्री ने कहा कि डेंगू से बचने का सबसे आसान तरीका जागरूकता है। अगर हम डेंगू को लेकर गंभीर हैं, तो डेंगू को रोका जा सकता है। बरसात के मौसम में तरह-तरह की बीमारियां उत्पन्न हो जाती हैं, जिनसे बचने के लिए हमें सभी जरूरी उपाय करने पड़ते हैं। इस मौसम में डेंगू के अलावा मलेरिया और चिकनगुनिया जैसे बुखार भी फैलते हैं। ये बीमारियां मच्छरों के कारण होती हैं, इसलिए हमें इस पर रोक लगानी होगी। मच्छरों के प्रजनन और लोगों को जागरूक भी करें।डेली गेट सैयद नासिर जावेद ने कहा कि मच्छरों से पैदा होने वाली खतरनाक बीमारी से बचने का तरीका यही है कि अपने आस पास नजर रखी जाए कि कहीं पर पानी तो नहीं रुका हुआ है अगर है तो उस पानी को साफ किया जाए और वहां दवाई डलवाई जाए। उन्होंने कहा कि इस काम में लोगों को सबसे पहले जागरूक करने की जरूरत है। आज चौहान बांगर वार्ड में लोगों को डेंगू, मलेरिया बीमारी के बारे में बताए गया है और इस से बचने के उपाय भी बताए गए है।

प्रगति मैदान टनल में कारोबारी से लूट, बाइक सवार बदमाशों ने हथियारों के बल पर की लूटपाट

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में बदमाशों के हौसले बुलंद है। बदमाशों ने प्रगति मैदान टनल में कारोबारी से दो लाख रुपये लूट लिए। पुलिस बदमाशों की तलाश में जुटी है।

देश की राजधानी दिल्ली के इंडिया गेट और रिंग रोड को आपस में जोड़ने वाली प्रगति मैदान टनल में लूट की पहली वारदात सामने आई है। यहां पर शनिवार शाम को मोटरसाइकिल पर सवार दो बदमाशों ने हथियारों के बल पर पुरानी दिल्ली के रहने वाले कारोबारी अनुज से दो लाख रुपये लूट लिए। कारोबारी अपनी कार से गुरुग्राम जा रहे थे। तिलक मार्ग थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस को घटनास्थल के आसपास से कोई सीसीटीवी फुटेज नहीं मिला है। रविवार सुबह तक बदमाशों का कोई सुराग हाथ नहीं लगा था। अति सुरक्षित माने जाने वाली इस चैनल में लूट की वारदात में नई दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। टर्नल के ऊपर स्थित प्रगति मैदान में जी-20 का मुख्य समारोह चार महीने बाद होने जा रहा है।

दोस्ती तोड़ने पर प्रेमिका के दोस्त की हत्या

नई दिल्ली। सनलाइट कॉलोनी इलाके में शनिवार रात एक युवक ने दोस्तों के साथ मिलकर एक शख्स की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। मुख्य आरोपी अपनी प्रेमिका के छोड़कर जाने से गुस्सा था। जिसका बदला लेने के लिए उसने प्रेमिका के नए दोस्त फैजल को मार डाला। पुलिस ने मुख्य आरोपी शोभित, उसके दोस्त रियाज और नावेद को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों से एक चाकू और दो मोबाइल बरामद हुए है।

पुलिस उपायुक्त राजेश देव ने बताया कि 21 वर्षीय फैसल परिवार के साथ नूरुल्ला मस्जिद, मुस्तफाबाद में रहता था। एम्स ट्रामा सेंटर से पुलिस को सूचना मिली कि एक शख्स की मौत हो गई, जिसे चाकू लगने के बाद अस्पताल में भर्ती किया गया था। इसके बाद पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और वहां लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज जब्त की। कैमरे की फुटेज देखने पर पता चला कि आरोपी मृतक का पीछा कर रहे थे। इसके बाद पुलिस ने पूरे रूट पर लगे करीब 100 कैमरों की फुटेज देखी। आरोपियों की पहचान के बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। शोभित ने पूछताछ में बताया कि एक युवती से उसकी लंबे समय से दोस्ती थी। पिछले दिनों उस युवती ने यह कहते हुए उससे दोस्ती तोड़ दी थी।

भाजपा नेताओं से समर्थन माँगना चाहिए अरविन्द केजरीवाल को : डॉ.नरेंद्र नाथ

नई दिल्ली। पटना के अंदर विपक्षी दलों के नेताओं की बैठक शुरू होने से एक दिन पहले दिल्ली के सीएम केजरीवाल ने कहा कि, केंद्र सरकार जो अध्यादेश लाई है कांग्रेस पार्टी अगर उसके विरोध में समर्थन नहीं देगी तो हम मीटिंग से वाकआउट कर जायेंगे। कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि, केजरीवाल का समर्थन मांगने का यह तरीका गलत है इस तरीके से समर्थन नही माँगा जाता है। डॉ.नरेंद्र कहते हैं केजरीवाल की आदत है दबाव बनाकर ब्लैकमेल करने की। जब पटना में सयुंक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई तो उसमें केजरीवाल और पंजाब के सीएम भगवत मान दोनों ही शामिल नहीं हुए। डॉ.नरेंद्र कहते हैं केजरीवाल को अपने को बचाने के लिये बीजेपी के नेताओं से समर्थन मांगना चाहिए। दिल्ली के सीएम केजरीवाल ने पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी से आपस में लंच पर बैठकर कहा कि, मतभेद भुलाकर साथ में आगे बढ़ना जरुरी है। डॉ.नरेंद्र कहते हैं केजरीवाल के साथ लंच तो दूर चाय के लिए भी तैयार नहीं हुए राहुल गांधी। दिल्ली सरकार में भ्रष्टाचार और झूठ का बोलबाला है। केजरीवाल सभी विपक्षी पाटीर्यों से अध्यादेश के विरोध में इसलिये समर्थन मांग रहे है ताकि, वो जैल जाने से बच सकें। दिल्ली में जो नई आबकारी नीति शुरू हुई थी और इसकी जांच में भ्रष्टाचार मिला उसी के एवज में इनके पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया जैल में है, आबकारी नीति में जो भ्रष्टाचार हुआ इसके लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल भी जिम्मेदार है, इसीलिए अपने को बचाने के लिये अध्यादेश के विरोध में विपक्षी पार्टियों से समर्थन मांग रहे हैं।

कार में बैठे युवक पर बरसाईं गोलियां, मौत

नई दिल्ली। आदर्श नगर इलाके में शनिवार रात कार में बैठे युवक पर अंधाधुंध फायरिंग की गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्जकर हमलावरों की पहचान कर ली है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि 22 वर्षीय तनिष्क उपाध्याय परिवार सहित केवल पार्क इलाके में रहता था। आदर्श नगर से मुकुंदपुर जाने वाली रोड पर स्थित तिकोना पार्क के पास कार में बैठा था। तभी दो पहिया वाहनों पर सवार 4 बदमाशों ने तनिष्क पर अंधाधुंध फायरिंग करनी शुरू कर दी। इसके बाद हमलावर फरार हो गए।

घटनास्थल पर एकत्र लोगों ने ऑटो से घायल युवक को मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया और घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम बुलाकर जांच कराई। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि बीते साल एक युवक को चाकू मारकर घायल करने का मामला सामने आया था, जिसमें तनिष्क आरोपी था। माना जा रहा है कि इसी का बदला लेने के लिए हमला किया गया। पुलिस को सीसीटीवी कैमरे की फुटेज मिली है, जिसमें बदमाश पीछे से आते हुए दिखाई दिए हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमलावरों की पहचान कर ली गई है। जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

शादी के एक दिन पहले युवक को चाकू से गोदकर मार डाला

नई दिल्ली। दिल्ली कैंट इलाके में शनिवार को दो बदमाशों ने शादी के एक दिन पहले पुरानी दुश्मनी खत्म करने के बहाने एक युवक को बुलाकर उसे चाकू से गोदकर मार डाला। पुलिस ने आशीष के पिता के बयान पर हत्या का केस दर्ज कर आरोपी वंशु और विकास गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों पर पहले से ही आपराधिक केस दर्ज हैं।

पुलिस उपायुक्त मनोज सी ने बताया कि 22 वर्षीय आशीष परिवार के साथ झारेरा गांव का रहने वाला था। शनिवार शाम 7.15 बजे पुलिस को सूचना मिली थी कि झारेरा गांव स्थित बारात घर के पास दो लड़कों ने एक लड़के को चाकू मार दिया है। इंस्पेक्टर अशोक कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे तो पता चला कि घायल को एम्स ट्रामा सेंटर भेजा गया है। डॉक्टरों ने बताया कि घायल की मौत हो चुकी है। पुलिस ने अस्पताल में मौजूद आशीष के पिता आनन्द और प्रत्यक्षदर्शी के बयान पर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की।

पुलिस को दिए बयान में आशीष के पिता आनन्द ने बताया कि आरोपियों ने उसके सामने ही उनके बेटे की हत्या की है। शनिवार करीब 6 बजे आरोपी विकास उर्फ फत्ती और वंशु उनके घर आए थे। दोनों ने आशीष को बुलाया और अपने साथ ले गए। आनन्द ने बताया कि विकास तथा वंशु की आपराधिक पृष्ठभूमि के चलते उन्होंने उनका पीछा करना शुरू कर दिया। तीनों करीब 6.30 बजे गांव के बारात घर के पास पहुंचे और विकास ने आशीष से झगड़ा शुरू कर दिया। इसके बाद आरोपियों ने चाकू से हमला कर दिया। इस दौरान आनन्द ने वहां खड़े लोगों के साथ मिलकर आशीष को बचाने की कोशिश भी की। लेकिन, आरोपी फरार हो गए। पुलिस ने आरोपियों को झारेरा गांव स्थित उनके दोस्तों के घर से गिरफ्तार कर लिया।

आरोपियों ने बताया कि उनकी लंबे समय से आशीष से पैसों के लेन-देन को लेकर आपस में दुश्मनी थी। 23 जून की रात को आरोपियों ने आशीष को सबक सिखाने की साजिश रची। इसके बाद 24 जून को वह उसके घर पहुंचे और दुश्मनी खत्म कर दोस्ती करने के बहाने उसे बुलाया। आरोपियों ने उसे शराब पिलाने की बात कही और फिर उसे लेकर चले गए। रास्ते में आरोपियों ने उसे चाकू से गोद दिया।

26 जून को होनी थी शादी : आशीष के परिजनों ने बताया कि 26 जून को उसकी शादी थी। दोनों परिवारों की रजामंदी के बाद कोर्ट मैरिज करने का फैसला किया गया था, जिसकी पूरी तैयारी हो चुकी थी। परिजनों ने बताया कि आरोपियों ने आशीष पर 32 से ज्यादा वार किए हैं।

उद्घाटन के बाद पर्थला ब्रिज पर नोएडा-ग्रेटर नोएडा के बीच फरार्टा भरते दिखे वाहन

नोएडा, प्रात : किरण संवाददाता

नोएडा-ग्रेटर नोएडा वेस्ट का बॉर्डर कहे जाने वाले सेक्टर-121 स्थित पर्थला गोल चक्कर के ऊपर केबल सस्पेंशन ब्रिज रविवार (25 जून) से जनता के खुल गया। सीएम द्वारा इसका उद्घाटन करने के बाद जनता के लिए ब्रिज को खोल दिया गया।

इससे नोएडा से ग्रेटर नोएडा के बीच वाहन फरार्टा भरेंगे। ब्रिज के नीचे से फरीदाबाद-नोएडा-गाजियाबाद (एफएनजी) मार्ग का यातायात सुगम हुआ है। इससे दो लाख वाहन चालकों को राहत मिलेगी।

यहां पहले गोल चक्कर पर जाम की स्थिति बनी रहती थी। निर्माण कार्य के दौरान पिछले एक साल से लोग डायवर्जन के चलते लोग विभिन्न रूटों से अपने गंतव्य की ओर जाने पर मजबूर थे लेकिन ब्रिज खुलने के बाद रोजाना करीब दो लाख वाहन चालकों को फायदा हुआ है।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट से सेक्टर-52 तक चालक बिना रुके सफर किया। ऐसे में दिल्ली के कालिंदी कुंज, डीएनडी से आकर ग्रेटर नोएडा वेस्ट तक आने-जाने वालों को जाम में नहीं फंसना पड़ा। सेक्टर- 51, 52, 61, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 121, 122 और किसान चौक के बीच आवागमन सुगम हुआ है।

हालांकि पर्थला ब्रिज खुलने से ग्रेटर नोएडा एक्सटेंशन की सोसाइटी, शाहबेरी में रहने वाले रहने लोग नोएडा-दिल्ली आने- जाने के लिए किसान चौक से होकर गुजरते हैं। ब्रिज बनने से लोगों को राहत मिलेगी लेकिन किसान चौक पर समस्या और गंभीर हो सकती है।

एक मूर्ति चौक, शाहबेरी की फर्नीचर मार्केट के पास जाम की समस्या गंभीर हुई है। इसलिए यहां रोड इंजीनियरिंग से जुड़ी खामियों को दूर करने की जरूरत है। वहीं सड़क किनारे अतिक्रमण को भी हटाए जाने की जरूरत है। वहीं सेक्टर-142 एडवंट अंडरपास बनने से झट्टा और कोंडली बांगर की तरफ जाने वाले लोगों को राहत मिली है।

सेक्टर-137 तरफ भी आना जाना आसान हुआ है। पहले अंडरपास पास अंडरपास का काम तेजी से चल रहा है। अभी यहां पर अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है। अंडरपास बनने के बाद नोएडा-ग्रेटर नोएडा के ट्रैफिक को रफ्तार मिली है। पहले एडवंट के पास एक्सप्रेस-वे के नीचे अंडरपास की उंचा

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, सोमवार, 26 जून, 2023

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मौसम की तरह प्रदेश में ठंडे पड़े माफिया, नोएडा में बोले सीएम योगी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को नोएडा स्टेडियम में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज जैसे पश्चिमी यूपी का मौसम ठंडा हो गया है, वैसे ही उत्तर प्रदेश में माफिया ठंडे पड़ गए हैं। मुख्यमंत्री ने रविवार को गौतमबुद्ध नगर जिले में 1718.66 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

सुबह साढ़े 10 बजे नोएडा स्टेडियम पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर भारतवासी जनवरी 2024 का इंतजार कर रहा है, जब अयोध्या में बन रहे भव्य मंदिर में रामलला विराजमान होंगे।

जनसभा में और क्या बोले सीएम योगी? उन्होंने कहा कि आजादी के बाद देश के लोकतंत्र पर जब संकट आया था, तब आदरणीय जय प्रकाश नारायण, श्रद्धेय अटल बिहारी वायपेयी, आदरणीय आडवाणी समेत महान सेनानियों ने लोकतंत्र को बचाने का काम किया। आपातकाल को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि आज से 48 वर्ष पहले कांग्रेस ने लोकतंत्र का गला घोंटने का प्रयास किया था। लोकतंत्र की हत्या करने का प्रयास किया था। उस वक्त मुखर आवाजों में एक नाम पत्रकार रामनाथ गोयनका का भी था। आज उनके नाम से एक मार्ग का लोकार्पण का अवसर प्राप्त हुआ।

पाकिस्तान एक-एक रोटी के लिए मोहताजमुख्यमंत्री ने जनसभा में आगे कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में प्रदेश में जी20 की बैठक हो रहीं हैं। आज पाकिस्तान एक-एक रोटी के लिए मोहताज हो रहा है, लेकिन भारत तेजी से बढ़ रहा है। 2027 तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। प्रदेश को छह वर्ष में एक नई पहचान देने का काम किया है।

1718.66 करोड़ रुपये की परियोजनाएंमुख्यमंत्री ने पुलिस को दी जाने वाली 55 गाड़ियों के साथ वायु प्रदूषण से रोकथाम के लिए वाटर स्प्रिंकलर की गाड़ियों को हरी झंडी दिखाई। साथ-साथ नोएडा और ग्रेटर नोएडा में 1718.66 करोड़ रुपये की 124 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

पर्थला ब्रिज हुआ शुरू

नोएडा-ग्रेटर नोएडा वेस्ट का बॉर्डर कहे जाने वाले सेक्टर-121 स्थित पर्थला गोल चक्कर के ऊपर केबल सस्पेंशन ब्रिज रविवार (25 जून) से जनता के खुल गया। सीएम द्वारा इसका उद्घाटन करने के बाद जनता के लिए ब्रिज को खोल दिया गया।

इससे नोएडा से ग्रेटर नोएडा के बीच वाहन फर्राटा भरेंगे। ब्रिज के नीचे से फरीदाबाद-नोएडा-गाजियाबाद (एफएनजी) मार्ग का यातायात सुगम हुआ है। इससे दो लाख वाहन चालकों को राहत मिलेगी।

दिल्ली पर्यटन द्वारा आयोजित चिल्ड्रन थियेटर फेस्टिवल का समापन

नई दिल्ली। दिल्ली पर्यटन विभाग द्वारा राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) के सहयोग से बच्चों के लिए प्रथम चिल्ड्रन थियेटर फेस्टिवल का आयोजन 15 जून से 24 जून, 2023 (निकटतम मैट्रो स्टेशन-दिल्ली गेट) तक किया गया, जिसका आज समापन हो गया है। इस अवसर पर सुश्री निहारिका राय, प्रबंध निदेशक, दिल्ली पर्यटन, सुश्री गीतिका शर्मा, महाप्रबंधक, दिल्ली पर्यटन, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थें।

10 दिनों तक चलने वाले इस फेस्टिवल में 8 वर्ष से 16 वर्ष तक बच्चों के लिए थियेटर कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। बच्चों को कार्यशाला के दौरान अपनी छुपी हुई प्रतिभा को उजागर करने का मौका मिला जो उनके जीवन को थियेटर के क्षेत्र में नई ऊंचाईयों तक ले जाने में सहायक होगा। इस अवसर पर दो आम, वारेंन हास्टिंग का सांड, तांतिया मामा, धिन चिक पम पम पुश, उलगुलान और डाक घर नाटकों का मंचन किया गया। रंगमंच के कारण ही फिल्म उद्योग को अनेक कलाकार मिलें है। रंगमंच के माध्यम से सामाजिक मुद्दों को जन-जन तक पहुंचाया जाता है। दिल्ली पर्यटन सदैव पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए तत्पर है। यह उत्सव भी इसी श्रृंखला का अभिन्न अंग था।

नोएडा में दिव्यांग किशोरी से बलात्कार के दोषी को उम्रकैद की सजा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

गौतम बुद्ध नगर जिले की विशेष पॉक्सो (यौन अपराध से बच्चों का संरक्षण) अदालत ने 2017 में एक दिव्यांग किशोरी से बलात्कार करने के दोषी को शनिवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

अदालत ने दोषी पर 50 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया गया है। अभियोजन पक्ष के वकील ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अपर सत्र एवं विशेष न्यायाधीश चन्द्र मोहन श्रीवास्तव ने अपने फैसले में कहा कि दोषी ने ऐसी लाचार किशोरी से दुष्कर्म किया जो प्रतिरोध करने में भी सक्षम नहीं थी। पीड़िता अपने साथ हुई घटना बताने में भी असमर्थ थी।

सरकारी वकील चवन पाल सिंह ने बताया कि हरियाणा बल्लभगढ़ के संजय कॉलोनी निवासी लाला उर्फ पप्पू के खिलाफ कासना कोतवाली में 2017 में दिव्यांग किशोरी से दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया था।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, दोषी कासना कोतवाली क्षेत्र में एक दुकान पर लोहे की ढुलाई का काम करता था और पीड़िता के पड़ोस में रहता था।

सिंह ने बताया कि किशोरी दिव्यांग है और सही तरीके से बोल भी नहीं पाती है। ऐसे में घटना वाले दिन उसने किशोरी को अकेला पाकर उससे दुष्कर्म किया। मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से छह गवाह और सबूत पेश किए गए। न्यायाधीश ने गवाहों और सबूतों के आधार पर दोषी को पॉक्सो अधिनियम के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई और मुआवजे की राशि पीड़िता को देने का निर्देश दिया।

केजरीवाल के जेल जाने की तैयारी पूरी, इसलिए चाहते हैं कांग्रेस का साथ : अजय माकन

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ विपक्ष से समर्थन मांगने निकली आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस के बीच जंग तेज हो गई है। रविवार को कांग्रेस नेता अजय माकन ने आप और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल पर तंज कसते हुए कहा कि एक तरफ आप कांग्रेस से समर्थन मांग रही है, दूसरी तरफ वे पार्टी के खिलाफ बोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा करके अरविंद केजरीवाल क्या चाहते हैं, क्या वे कांग्रेस का समर्थन लेना चाहते हैं या उससे दूरी बनाना चाहते हैं। कांग्रेस नेता अजय माकन ने आगे कहा कि एक तरफ सीएम अरविंद केजरीवाल कांग्रेस का समर्थन मांग रहे हैं दूसरी तरफ राजस्थान जाकर पार्टी के सबसे वरिष्ठ नेताओं में से एक अशोक गहलोत, जो तीन बार के मुख्यमंत्री रहे हैं उनके खिलाफ बोल रहे हैं। सचिन पायलट और राजस्थान में पार्टी के जो वरिष्ठ नेता हैं, उनके खिलाफ बोल रहे हैं। ऐसा करके क्या वे कांग्रेस के साथ समझौता करना चाहते हैं या कांग्रेस से दूरी बनाना चाहते हैं। आज जो आम आदमी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता ने कहा है वह कोई पहली बार तो कहा नहीं है। जिस दिन सभी दलों की बैठक हो रही थी, उस दिन भी कांग्रेस के खिलाफ बयान दिया था। आगे अजय माकन ने कहा कि दरअसल, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भाजपा से मिले हुए हैं और जेल नहीं जाना चाहते, अन्यथा उनकी जेल जाने की पूरी तैयारी हो चुकी है, क्योंकि भ्रष्टाचार किया है। पहले से ही उनके दो साथी जेल में हैं, वो उनको जेल से निकालना चाहते हैं इसीलिए भाजपा नेताओं से समझौता करना चाहते हैं। कहा कि वे विपक्ष एकता की बैठक के अंदर विपक्ष की एकता के लिए नहीं जा रहे, बल्कि विपक्ष की एकता को खंडित कैसा किया जा सके, इसलिए जा रहे हैं।

संघ शिक्षा प्रशिक्षण वर्ग का समापन

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दिल्ली प्रांत द्वारा आर.ए. गीता स्कूल में 4 जून से शुरू हुए संघ शिक्षा वर्ग प्रथम वर्ष के प्रशिक्षण वर्ग का आज समापन हो गया। समापन कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर संघ के उत्तर क्षेत्र के संघचालक प्रोफेसर सीताराम व्यास ने अपने विचार रखे। समापन कार्यक्रम में टीवी एंकर ऋचा अनिरुध्द मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुईं। इस अवसर पर दिल्ली प्रांत द्वारा आयोजित इस संघ शिक्षा वर्ग के प्रथम वर्ष में 15 से 40 वर्ष की आयु के 250 से अधिक स्वयंसेवकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। वर्ग के समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता द्वारा प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया गया। समापन कार्यक्रम में वर्गाधिकारी रमेश अग्रवाल एवं दिल्ली प्रांत के संघचालक कुलभूषण आहूजा ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम में स्वयंसेवकों के व्यायाम एवं भव्य

पथसंचलन ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर प्रांत प्रचारक जतिन, वर्गाधिकारी रमेश अग्रवाल, संघ के दिल्ली प्रांत समन्वयक दयानंद, प्रांत अधिकारी सतीश शर्मा, आर एस एस यमुना विहार विभाग के विभाग कार्यवाह मुकेश गौतम, सुशील पंचाल, अजय शर्मा, मीडिया संयोजक ताराचंद्र उपाध्याय, मनोज गुप्ता, मुकेश अरोड़ा, उपस्थित थे।

मासिक समन्वयक बैठक में मौजूद रहे अधिकारी : रेखा रानी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

भजनपुरा वार्ड में मासिक समन्वय बैठक का आयोजन किया गया जिसमे नगर निगम के सफाई विभाग मेंटेनेंस विभाग, मलेरिया विभाग, उद्यान विभाग के अलावा दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारी भी शामिल हुए। वार्ड अध्यक्ष प्रेमपाल ठाकुर ने सभी का धन्यवाद किया। मंगतराम गोस्वामी, राजेंद्र अधाना, सुरेंद्र कुमार, संजय शर्मा, कपिल शर्मा, विनोद अच्छवान, गोपाल गोस्वामी, मुकेश कुमार और काफी संख्या मे लोग शामिल रहे। इस अवसर पर मलेरिया विभाग द्वारा जागरूकता कार्यक्रम भी किया गया जिसमे सभी आए हुए पदाधिकारियो और निगम पार्षद रेखा रानी का फूल मालाओ से स्वागत किया गया। मलेरिया इंस्पेक्टर विवेक कुमार ने विस्तार से बरसात मे होने वाली मच्छरजनित बिमारियो के बारे मे विस्तार से बताया तथा बचाव के तरीके भी समझाए और मलेरिया विभाग के कार्यों के बारे मे चर्चा की गई। रेखा रानी निगम पार्षद द्वारा पिछले सात सप्ताह से लगातार हर शनिवार को लोन मेला (आर्थिक सहायता कैम्प) लगवाया जा रहा है। जिसमे नगर निगम द्वारा स्वनिधि ऋण योजना के तहत गरीब व जरूरतमंद रेहड़ी, पटरी व खोमचे वालो को दस हजार, बीस हजार व पचास हजार का लोन दिया जाता है। रेखा रानी ने बताया कि हर महीने होने वाली मासिक समन्वय बैठक मे सभी सम्मानित क्षेत्रवासियो व सबंधित अधिकारियो के बीच सार्थक चर्चा हुई, अच्छे सुझाव भी दिए गए। अधिकारियों ने जल्द से जल्द समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया। इसी अवसर पर मलेरिया विभाग द्वारा लोगो को जागरूक किया लोगो और आए हुए सभी लोगो का फूल माला पहनाकर स्वागत किया लोन योजना के संबंधित अधिकारी ने बताया कि यहाँ भजनपुरा वार्ड में अभी तक चार सौ से अधिक लोगो को योजना का लाभ प्राप्त हो चुका है और यहां लोन मेले मे केवल भजनपुरा ही नही बल्कि दूसरे एरिया से भी बडी संख्या मे लोग आ रहे है।

क्रीड़ा भारती की फिट इंडिया मूवमेंट को आगे बढ़ाने में पहल सराहनीय : पी.टी उषा

नई दिल्ली। क्रीड़ा भारती ने आज देश के युवाओं के बीच खेलों के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए आगामी ऑनलाइन खेल परीक्षा 2023 के लिए अपना अनूठा ऐप क्रीड़ा ज्ञान परीक्षा लॉन्च किया। शुभारंभ आईओए अध्यक्ष पी.टी. उषा और आईओए महासचिव कल्याण चौबे के कर कमलों द्वारा किया गया। इस मौके पर दोनों ने कहा कि यह परीक्षा अपनी तरह की अनोखी परीक्षा है और उन्होंने फिट इंडिया मूवमेंट पर भी जोर दिया।

गोपाल सैनी (अध्यक्ष, क्रीड़ा भारती, अखिल भारतीय समिति), चैतन्य कुमार कश्यप (अध्यक्ष, क्रीड़ा भारती, गवर्निंग काउंसिल) और राज चौधरी (अखिल भारतीय महासचिव) सभी ने इस ऑनलाइन परीक्षा के बारे में तथ्य बताये। राज चौधरी ने कहा कि ऐसा करके हम वास्तव में लोगों के बीच खेल के प्रति जागरूकता पैदा कर रहे हैं। इस परीक्षा से खेल को बढ़ावा तो मिलेगा ही, साथ ही हम स्वस्थ रहने के लिए भी जागरूक कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि फिट इंडिया बनाना माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और क्रीड़ा भारती का सपना है। उन्होंने कहा कि, राज्य या देश में प्राप्त विभिन्न उत्तीर्ण प्रतिभागियों के लिए पारिश्रमिक भी रखा गया है। कुल मिलाकर देश में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को एक लाख रुपये दिये जायेंगे।

पी.टी उषा ने क्रीड़ा भारती की फिट इंडिया मूवमेंट को आगे बढ़ाने में पहल सराहनीय कदम है और क्रीड़ा भारती को अपना पूरा समर्थन दिया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को सामूहिक भागीदारी की शुभकामनाएं दीं और साथ ही ह्लसभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएंह्व भी दीं। क्रीड़ा भारती, अखिल भारतीय समिति के अध्यक्ष श्री कल्याण चौबे ने भी क्रीड़ा भारती को इस पहल के लिए बधाई दी और कहा कि वह पिछले दस वर्षों से क्रीड़ा भारती के सदस्य हैं और क्रीड़ा भारती को अपना पूरा समर्थन देते हैं। राकेश द्वारा समारोह में आए हुए सभी गणमान्य अतिथियों का धन्यवाद के साथ समारोह को अंतिम रूप दिया, राकेश गोस्वामी (सदस्य, अखिल भारतीय समिति), क्रीड़ा भारती की ओर से अखिल भारतीय पैरा खेलों की देखभाल भी करते हैं।

केजरीवाल शासन में दिल्ली का स्वास्थ्य सिस्टम हो चुका है चौपट : संजय गौड़

- संजय गौड़ पूछते हैं क्या अरविन्द केजरीवाल ने 9 वर्षों के शासन में स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूती देने के लिए एक भी नया अस्पताल खोला है।

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली का स्वास्थ्य सिस्टम पिछले नौ साल में चौपट हो चुका है जिस सिस्टम को दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री और मुख्यमंत्री वर्ल्ड लेवल का बताते नहीं थकते वह सिस्टम गली मौहल्ले लेवल का भी नहीं है। यह कहना है बाबरपुर ब्लाक कांग्रेस के अध्यक्ष संजय गौड़ का। संजय गौड़ कहते हैं केजरीवाल सरकार नें जिन मौहल्ला क्लीनिकों का ढोल पीट रखा है आज आलम यह है की अनेक मौहल्ला क्लिनिक बंद हो चुके हैं और जो चल भी रहे हैं उनमें घटिया किस्म की दवाएं मिलती हैं और पूरी मात्र में मिलती भी नहीं। संजय गौड़ कहते हैं दिल्ली के झूठे स्वास्थ्य मॉडल का ढ़ोल पीटकर सच्चाई को दबा नही सकते, क्योंकि दिल्ली के स्वास्थ्य मॉडल की वास्तविकता की पोल कोविड कॉल में जनता के सामने खुल चुकी है। केजरीवाल की दिल्ली और पंजाब सरकारों के बेहतर स्वास्थ्य मॉडल का उदाहरण सबके सामने है कि उनके दो स्वास्थ्य मंत्री भ्रष्टाचार के कारण महीनों जेल में बंद रह चुके है। संजय गौड़ पूछते हैं क्या अरविन्द केजरीवाल ने 9 वर्षों के शासन में स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूती देने के लिए एक भी नया अस्पताल खोला है। उन्होंने कहा केजरीवाल शासन में स्वास्थ्य व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है क्योंकि अस्पतालों में लोगों के इलाज व टेस्ट के लिए मशीने तक नही है। उन्होंने कहा कि क्या कारण है कि सरकारी अस्पतालों में 17 प्रतिशत ऑपरेशन थियेटर खराब क्यों है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार के बेहतर स्वास्थ्य मोहल्ला क्लीनिक को विश्व स्तरीय बताते है, क्यों दिल्ली के मुख्यमंत्री, मंत्री और विधायक मौहल्ला क्लीनिक और सरकारी अस्पतालों में इलाज नही कर कराते हैं? जबकि हकीकत में मोहल्ला क्लीनिक जनता को इलाज, दवाई ढंग से उपलब्ध कराने में विफल हैं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल कांग्रेस की शीला सरकार द्वारा बनाए गए 39 अस्पतालों का रख-रखाव तक नही रख पा रहे हैं। कांग्रेस सरकार ने 15 वर्षों में 21 नए अस्पताल, 5 स्पेशिलिटी अस्पताल और 5 सुपर स्पेशिलिटी अस्पताल बनाऐ। केजरीवाल सरकार ने राजधानी में एक भी नया अस्पताल नही बनाया न ही बनाया, उल्टा 120 डिस्पेंसरियां बंद कर दी और अस्पतालों में डाक्टर, मेडिकल व नॉन मेडिकल स्टॉफ की भारी कमी है।

मुफ्त बिजली के नाम पर लूटा जा रहा है दिल्ली के लोगो को : बी.एल.जीनवाल

नई दिल्ली। बिजली मंत्री का बयान कि आम आदमी पार्टी दिल्ली में सबसे सस्ती बिजली 24 घंटे उपलब्ध करा रही है, पूरी तरह बेबुनियाद है। क्योंकि दिल्ली में बिजली दर यूनिट बढ़ने के साथ-साथ बढ़ने का प्रावधान डीईआरसी ने किया है जो 700 यूनिट के बाद लगभग 10 रुपये प्रति यूनिट पहुच जाता है। यह कहना है बाबरपुर जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष बी.एल.जीनवाल का। उन्होंने कहा कि 200 यूनिट मुफ्त बिजली के नाम पर गरीब दिल्ली वालों को लूटा जा रहा है। जब 200 यूनिट बिजली मुफ्त है तब 3 रुपये प्रति यूनिट वसूलने का प्रावधान क्यों? 201-400 यूनिट पर सीधा 4.50 रुपये प्रति यूनिट चार्ज करके दिल्ली की जनता को लूटा जा रहा है जबकि 201 यूनिट के बाद 3 रुपये प्रति यूनिट चार्ज किया जाना चाहिए। श्री जीनवाल ने कहा 200 यूनिट के एक यूनिट ऊपर होने के बाद उपभोक्ता पूरा बिल अदा कर रहा है, कहीं तो 200 यूनिट से कम होने पर भी पूरा बिल लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन कार्यकालों में बिजली कंपनियों को फायदा पहुचाने के लिए केजरीवाल सरकार 3-4 बार बिजली की दरों में वृद्धि कर चुकी है जबकि कांग्रेस डिस्कॉम का आडिट कराने की मांग पर केजरीवाल सरकार ने कभी नहीं मानी, जबकि केग रिपोर्ट में बिजली कंपनियों की अनियमितताओं को कांग्रेस ने जनता के सामने उजागर किया है।

हॉउस टैक्स शिविर लगवाया रीना महेश्वरी नें

नई दिल्ली, 25 जून (वेब वार्ता)। चित्रकूट मंदिर एम.आई.जी फ्लैट्स में निगम पार्षद रीना माहेश्वरी और आर.डब्लू.ए. टीम एम.आई.जी. के अथक प्रयास से एक हॉउस टैक्स कैम्प लगाया गया। जिसमें दस फीसदी छूट के साथ कॉलोनी के सम्मानित निवासियों ने अपना हॉउस टैक्स जमा कराया। आर.डब्लू.ए. टीम निगम पार्षद रीना माहेश्वरी का और निगम अधिकारियों का धन्यवाद दिया। टीम प्रधान ओ पी वर्मा, ओंकार ढाका, ओमप्रकाश बैंसला, डॉ.बिंदल, अनिल गर्ग, संजीव अग्रवाल, मुकेश माहेश्वरी, महा सचिव ब्रिजेश कुमार शर्मा, संयुक्त सचिव प्रबोध राज चंदोल, अरूण सिंह : राजन अग्रवाल, आशीष गौड़, ओमप्रकाश शर्मा, जगमोहन शर्मा, उदयवीर सिंह मान, एन के सेठ, बीर पाल शर्मा, आशु सेठ आदि का सहयोग रहा।

विनोबा भावे ने कभी नहीं कहा आपातकाल को अनुशासन पर्व : राम बहादुर राय

नई दिल्ली। वरिष्ठ पत्रकार, लेखक तथा हिन्दुस्थान समाचार के प्रधान संपादक रामबहादुर राय ने एनयूजेआई स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड कम्युनिकेशन तथा दिल्ली जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन द्वारा आपातकाल और प्रेस विषय पर आयोजित संगोष्ठी में खुलासा किया कि कांग्रेस के नेता व कार्यकर्ता आपातकाल के दौरान पुलिस के मुखबिर बन गए थे।

आपातकाल के दौरान 16 महीने जेल में बंद रहे श्री राय ने बताया कि कांग्रेस के नेताओं के दबाव में तमाम लोगों को गिरफ्तार कर जेल में डाला गया था। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि आचार्य विनोवा भावे ने कभी नहीं कहा था कि आपातकाल अनुशासन पर्व है। कांग्रेसी नेता द्वारा फैलाए गए झूठ का विनोबा भावे आपातकाल में व्याप्त भय के कारण विरोध नहीं कर पाए थे। दिल्ली में आयोजित संगोष्ठी में वरिष्ठ पत्रकार, आईटीवी के संपादकीय निदेशक डॉ.आलोक मेहता, पांचजन्य के संपादक हितेश शंकर समेत कई पत्रकारों ने अपने विचार व्यक्त किए। संगोष्ठी की अध्यक्षता नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स के अध्यक्ष रास बिहारी ने की।

श्री राय ने संगोष्ठी में बताया कि आपातकाल का केवल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने ही जमकर विरोध किया था। इंदिरा गांधी के खिलाफ आंदोलन के अगुआ जयप्रकाश नारायण गिरफ्तारी के बाद छाये सन्नाटे से हताश हो गए थे। जेपी को उम्मीद थी कि उनकी गिरफ्तारी के बाद पटना समेत देशभर में भारी विरोध होगा। पर देश में पूरी तरह सन्नाटा छा गया। उन्होंने बताया कि जेपी ने जेल में एक महीने बाद अपनी डायरी लिखना शुरू किया था। आपातलकाल के पहले पांच महीने में इंदिरा सरकार के अत्याचारों के कारण देश हिल गया था। इसके बाद भय को मिटाने के लिए संघ के स्वयंसेवकों ने भूमिगत होकर आपातकाल के विरोध में कार्य किया। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि क्रांतिकारी माओवादी नेता और कार्यकताओं ने भी आपातकाल में सरकार और पुलिस के मुखबिरों की भूमिका निभाई थी। जेल में बंद माओवादी नेता गिरफ्तार नेताओं की जासूसी करते थे। जेपी आंदोलन में बड़ी भूमिका निभाने वाले रामबहादुर राय ने कहा कि इंदिरा गांधी के विरोध में जेपी आंदोलन में सत्ता बदलने का दम नहीं था। उन्होंने कहा कि जेलों में ऐसा माहौल था कि आपातकाल कभी समाप्त नहीं होगा और परिवार के लोगों से इस जन्म में भेंट नहीं होगी। श्री राय ने कहा कि इंदिरा गांधी ने यह सोचकर जनवरी 1977 में लोकसभा चुनाव की घोषणा की थी कि आपातकाल में जनता उनके निर्णय पर मोहर लगा देगी। उन्होंने बताया कि इंदिरा गांधी ने दार्शनिक जे कृष्णमूर्ति, कांग्रेस नेता ओम मेहता और कई अन्य लोगों की राय पर चुनाव कराए थे। इंदिरा गांधी की सोच थी कि आपातकाल में चुनाव करा कर, वह फिर जीत जाएंगी, लेकिन जनता ने उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया।ह्व श्री राय ने कहा कि इंदिरा गांधी ने केवल प्रधानमंत्री बने रहने के लिए ही आपातकाल घोषित किया था। इंदिरा गांधी को अगर सुप्रीम कोर्ट से राहत मिल जाती तो आपातकाल भी नहीं थोंपा जाता। इसके लिए इंदिरा गांधी ने सभी लोकतांत्रिक अधिकारों को हनन किया।

मीडिया पूरी तरह स्वतंत्र हैं : आलोक मेहता

आईटीवी के संपादकीय निदेशक पद्मश्री डॉ. आलोक मेहता ने कहा इस समय पत्रकारों के बीच यह भ्रम फैलाया जा रहा है कि देश में आपातकाल जैसी स्थिति है। उन्होंने कहा कि आज भी मीडिया को पूरी स्वतंत्रता है कि वह तथ्यों के आधार पर समाचारों का प्रकाशन करें। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी कहा करती थी कि हमें जयप्रकाश के आंदोलन से उतना खतरा नहीं है जितना अखबारों से है। श्री मेहता ने कहा कि आपातकाल के दौरान झुग्गी हटाने, श्रमिकों को बोनस का भुगतान न होने और गोदावरी जल संकट तक की खबरें लिखने पर भी पाबंदी थी। सरकारी अधिकारी और दरबारी राजा से बढ़ कर वफादार बन गए थे। आपातकाल के दौरान हिन्दुस्थान समाचार एजेंसी में संवाददाता रहे श्री मेहता ने अपने कई अनुभव इस अवसर पर साझा किए। श्री मेहता ने कहा कि आपातकाल के दौरान लोकतंत्र को जीवित रखने के लिए पत्रकारों ने बड़ी भूमिका निभाई थी। इसी कारण तमाम पत्रकारों को इंदिरा सरकार की नाराजगी झेलनी पड़ी। इंदिरा सरकार ने प्रेस को कुचलने के लिए सेंसरशिप का पूरी तरह दुरुपयोग किया। सरकारी अधिकारी और दरबारी राजा से बढ़ कर वफादार बन गए थे। आपातकाल ने एक बड़ा सबक यह दिया है कि अब कोई भी सरकार इस बारे में सोच भी नहीं सकती है।

इंदिरा ने ब्रांड बनने के लिए देश का बैंड बजाया : हितेश शंकर

पांचजन्य के संपादक हितेश शंकर ने कहा कि महत्वपूर्ण यह है कि आपातकाल को देखने की मीडिया की दृष्टि क्या है?ह्व उन्होंने कहा कि आपातकाल की घोषणा इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 12 जून 1975 को इंदिरा गांधी को छह वर्ष के लिए अयोग्य ठहराने के निर्णय निर्णय के बाद की गई। इसके बीज 1967 में ही पड़ गए थे, जबकि प्रसिद्ध गोलकनाथ बनाम पंजाब सरकार मामले में उच्चतम न्यायालय ने व्यवस्था दी कि व्यक्तियों के मूलभूत अधिकारों पर अंकुश नहीं लगा सकती। हितेश शंकर ने कहा कि श्रीमती गांधी के सत्ता में आने के बाद बैंकों का राष्ट्रीयकरण, प्रिवी पर्स की समाप्ति, तत्कालीन प्रधानमंत्री द्वारा प्रतिबद्ध न्यायपालिका और नौकरशाही की जरूरत पर जोर दिया जाना तत्कालीन शासकों की मानसिकता दशार्ता था। उन्होंने कहा कि केशवानंद भारती मामले में पुनः न्यायालय की इस व्यवस्था से किस संविधान के मूल ढांचे में बदलाव नहीं किया जा सकता। उसके बाद संविधान को शासकों की मर्जी के अनुसार ढालने का प्रयास तेज हो गया। जो परिवार के आगे नहीं झुक रहे थे, उन्हें झुकाने की कोशिशें की गयी। श्री शंकर ने कहा कि आपातकाल के दौरान दो सौ से ज्यादा पत्रकारों को गिरफ्तार कर जेलों में डाल दिया गया था।

तीन साल से खाली ओपन जेल का खुला ताला

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

- मध्य भारत में यह अब भी तय समय से 10-12 दिन पीछे है, जहां अधिकांश किसान खेती के लिए बारिश पर निर्भर रहते हैं।

जेल प्रशासन का कहना है कि कोरोना महामारी के दौरान यहां रह रहे कैदियों को पेरोल पर रिहा किया गया था। उसके बाद से ओपन जेल पूरी तरह से खाली हो गई। पेरोल की अवधि खत्म होने के बाद अब इस जेल में कैदियों की वापसी होने लगी है। दिल्ली की जेलों में क्षमता से दो गुना कैदी बंद हैं। जेल प्रशासन कैदियों की संख्या को लेकर परेशान है। वहीं तिहाड़ में एक ऐसी जेल भी है, जहां काफी अरसे से एक भी कैदी बंद नहीं है। पिछले तीन साल से तिहाड़ की ओपन जेल में एक भी कैदी नहीं है। अब एक बार फिर ओपन जेल के ताले कैदियों के लिए खुल गए हैं।

जेल प्रशासन का कहना है कि कोरोना महामारी के दौरान यहां रह रहे कैदियों को पेरोल पर रिहा किया गया था। उसके बाद से ओपन जेल पूरी तरह से खाली हो गई। पेरोल की अवधि खत्म होने के बाद अब इस जेल में कैदियों की वापसी होने लगी है। फिलहाल ओपन जेल में चार कैदी आए हैं वहीं सेमी ओपन में पांच कैदी बंद हैं। जिस दौरान ओपन जेल में कैदी नहीं थे, उस समय जेल प्रशासन ने अन्य जेल से भीड़ को कम करने के लिए ओपन जेल के नियम के मुताबिक कैदियों की तलाश की थी।

जेल प्रशासन ने नियम के मुताबिक ओपन जेल में रहने कैदियों के आवेदन मांगे थे, लेकिन कोई भी कैदी ओपन जेल की सुविधा के योग्य नहीं पाया गया। ओपन जेल में रहने के लिए कई तरह के नियम हैं। सारे नियमों पर खरे उतरने वाले कैदियों को ही यहां रहने की इजाजत होती है।

साल 2017 में हुई थी शुरूआत

तिहाड़ में साल 2017 में ओपन जेल की शुरूआत हुई थी। इस जेल में 36 कैदियों को रहने की इजाजत है। वहीं तिहाड़ में साल 2013 में सेमी जेल की शुरूआत हुई थी। इस जेल में 60 कैदियों के रहने की क्षमता है।

ऐसी होती है ओपन जेल

ओपन जेल में कैदियों को जेल परिसर से बाहर भी घूमने फिरने की आजादी होती है। ओपन जेल में बंद कैदी जेल में रहने के बावजूद बाहर जाकर काम धंधा कर सकते हैं। शाम को काम खत्म करने के बाद उन्हें वापस जेल में आना होता है। ओपन जेल में कैदियों के लिए एक कमरा, कूलर, एलसीडी, एक कॉमन रूम और परिवार वालों से 10 मिनट तक फोन पर बातचीत करने की सुविधा होती है।

ओपन जेल में रहने के नियम

जेल अधिकारियों के मुताबिक ओपन जेल में वही कैदी रह सकते है, जो दो साल तक सेमी ओपन जेल में रहा हो। सेमी ओपन जेल में वही कैदी रह सकता है जिसने अपनी सजा का दो तिहाई हिस्सा अच्छे आचरण के साथ पूरा कर लिया हो। वहीं जिन कैदियों को को कई बार पैरोल व फरलो पर जेल से बाहर जाने की अनुमति मिली हो, लेकिन इस दौरान उन्होंने किसी नियम का उल्लंघन नहीं किया हो।

संक्षिप्त खबरें

किशोर की हुई हत्या या डूबने से हुई मौत, जांच में जुटी पुलिस

बरौली। बरौली थाना क्षेत्र के मोगाल बिरैचा चंवर में पोखरे के समीप एक किशोर का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शव को देखने के लिए भारी संख्या में लोगो की भीड जमा हो गयी। सूचना पाकर पंहुची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर अंत्यपरीक्षण के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। बताया जाता है कि कहला हजारी टोला गांव के दशरथ ठाकुर का 14 वर्षीय पुत्र गुड्डूकुमार शनिवार शाम 4 बजे से घर से लापता था। जिसकी खोजबीन परिजन कर रहे थे। इसी दौरान सोमवार की सुबह चंवर से शव बरामद होते ही परिजनो में कोहराम मच गया। पुलिस हत्या व मौत दोनो बिंदुओं पर जांच कर रही है। इस संबध में थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले की जांच पडताल की जा रही है। पुलिस हत्या या मौत दोनो बिंदुओ पर गहराई से जांच कर रही है। जल्द ही मामले का उदभेदन कर लिया जाएगा।

दहेज के लिए विवाहिता को घर से किया बेघर

बरौली। बरौली थाना क्षेत्र के रतनसराय जाफर टोला गांव में शादी के बाद दहेज लोभियों ने दहेज में पांच लाख रुपए की मांग को लेकर विवाहिता को मारपीट कर घर से बेघर कर दिया। इस मामले को लेकर महिला राबिन खातून ने अपने पति शाहिद सहित सात लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस प्राथमिकी दर्ज करने के बाद मामले की जांच में जुट गई है।

चाकू का भय दिखा मंगलसूत्र छीना, विरोध करने पर चाकू गोद किया जख्मी

बरौली। बरौली थाना क्षेत्र के सरफरा गांव में घर में घुसकर एक महिला को चाकू का भय दिखा मंगलसूत्र छीनने का प्रयास किया गया। महिला के द्वारा विरोध करने पर महिला के पति व बेटे को चाकू मारकर जख्मी कर दिया गया। आसपास के लोगो की मदद से घायलों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस मामले को लेकर पीड़ित महिला जयमुरत देवी ने श्याम कुमार पांडेय सहित दो लोगो के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच करने में जुट गयी है।

जानलेवा हमला के मामले में फरार आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

भोरे। भोरे थाना क्षेत्र के सिसई बाजार में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने जानलेवा हमला के मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जिसे आवश्यक कार्यवाही के बाद जेल भेज दिया गया। बताया जा रहा है कि सिसई बाजार के शेख फिरोज के खिलाफ जानलेवा हमला का एक कांड स्थानीय थाने में दर्ज किया गया था। इसी मामले में वह फरार चल रहा था। जिसे कांड के अनुसंधानकर्ता एएसआई आशुतोष कुमार ने गिरफ्तार कर लिया।

बिजली चोरी के मामले में पांच के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

भोरे। बिजली चोरी को लेकर रविवार को विभाग द्वारा एक अभियान चलाया गया। जिसमें चोरी से बिजली जला रहे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जुमार्ना लगाकर प्राथमिकी दर्ज की गई। जेई राजीव कुमार के नेतृत्व में गठित धावा दल ने पहली कार्रवाई थाना क्षेत्र के कल्याणपुर में की। जहां राम तपेश्वर यादव को बिजली चोरी करते पाया गया। जिनके खिलाफ 7213 का जुमार्ना लगाया गया। इसी प्रकार थाना क्षेत्र के बलवां गांव निवासी मैनेजर चैहान के खिलाफ 24000, श्रवण माली के खिलाफ 16763, चंपा देवी के खिलाफ 12192 और विद्यावती देवी के खिलाफ 30496 का जुमार्ना लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज की गई है।

विदेशी टोला में बंदर के आतंक से ग्रामीणों में दहशत का माहौल

थावे। थावे प्रखंड के विदेशी टोला पंचायत के विदेशी टोला गांव में बंदर के आतंक से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। बंदरो ने अब तक दर्जनों लोगों को काट चुका है। जिससे पुरे गांव में भय व्याप्त हैं। ग्रामीण बसंत कुमार गुप्ता ने बताया की बंदरो के भय से घर से बाहर निकलना काफी मुश्किल हो गया है। डर से कोई भी व्यक्ति अपने घर से नही निकल रहा है। नही बच्चों को बाहर निकलने दिया जा रहा है।

पेंटर की हत्या मामले में फरार आरोपित को पुलिस ने किया गिरफ्तार

उचकागांव। उचकागांव थाना क्षेत्र के छोटका सांखे पंडित जी के पुल के समीप 50 दिन पहले कवहीं गांव निवासी पेंटर अनिल महतो की हत्या मामले में फरार चल रहे एक आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जिसे रविवार के दिन न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। बताया जा रहा है कि थाना क्षेत्र के कवहीं गांव के बुनीलाल महतो के 40 वर्षीय बेटे अनिल महतो पेंटर का काम करते थे। बीते तीन अप्रैल को वह अपने साथी के साथ थाना क्षेत्र के कपरपुरा गांव में पेंटिंग का काम करने के लिए गए हुए थे। देर शाम वापस आने के क्रम में थाना क्षेत्र के छोटका सांखे पंडित जी के पुल के समीप उन्हीं के दो साथियों ने चाकू मारकर हत्या कर दी थी।

अपराध की योजना बनाते हथियार के साथ दो बदमाश गिरफ्तार

उचकागांव प्रात : किरण संवाददाता

उचकागांव थाना क्षेत्र के धरमन टोला से उजरा नारायणपुर गांव जाने वाले मुख्य पथ पर स्थित अंडरपास के समीप पुलिस ने सूचना के आधार पर छापेमारी कर अपराध की साजिश करते हथियार के साथ दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान पुलिस ने दोनों बदमाशों के पास से दो लोडेड पिस्टल, दो मोबाइल और तीन जिंदा कारतूस बरामद किया है। बताया जा रहा है कि थानाध्यक्ष सुभाष कुमार सिंह को शनिवार की देर शाम सूचना मिली कि कुछ बदमाश थाना क्षेत्र के उजरा नारायणपुर अंडरपास के समीप स्थित कदम के पेड़ के पास किसी अपराध की साजिश कर रहे है। जिसके बाद मामले की वरिय पदाधिकारियों को सूचित करते हुए पुलिस टीम ने मौके पर छापेमारी कर लोडेड दो पिस्टल, दो मोबाइल और तीन जिंदा कारतूस के साथ दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। जिनकी पहचान थाना क्षेत्र के उजरा नारायणपुर गांव के अक्षय यादव और बालाहाता गांव के मनोज कुमार सिंह के रूप में की गई है। पूछताछ के बाद रविवार के दिन एसडीपीओ हथुआ अनुराग कुमार ने प्रेस वार्ता के क्रम में बताया कि दोनों बदमाश नगर थाना क्षेत्र के भितभेरवां वार्ड नंबर 15 स्थित अपने निजी मकान में रहने वाले दिलीप कुमार सिन्हा के अपहरण और हत्या मामले में शामिल थे। गिरफ्तार बदमाश अक्षय कुमार कुचायकोट थाना क्षेत्र के सासामुसा बाजार में वाहन जांच के दौरान अपने साथी के साथ पूर्व में दो पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया जा चुका है। मीरगंज थाना क्षेत्र के सलेमपट्टी रेलवे ढाला के समीप 11 नवंबर 2020 को माइक्रो फाइनेंस लिमिटेड कंपनी के सीआरओ पप्पू कुमार को लूट के नियत से गोली मारकर हत्या करने के मामले में गिरफ्तार बदमाश अक्षय कुमार शामिल रहा है। उचकागांव थाना क्षेत्र के बलेसरा हनुमान मंदिर के समीप पूर्व मंत्री रामसेवक सिंह के गैस एजेंसी राजकुल गैस एजेंसी के गैस सिलेंडर वाहन के चालक से बदमाश मनोज कुमार सिंह ने अपने साथी के साथ मिलकर दो हजार रुपए नगद और एक मोबाइल की लूट की थी। मामले में अज्ञात बदमाशों के विरुद्ध प्राथमिकी कराई गई थी। पुलिस जांच में बदमाशों का नाम सामने आने के बाद अप्राथमिकी अभियुक्त के रूप में बदमाशों का नाम अंकित किया गया था। सभी बदमाशों ने पूछताछ में अपना अपराध कबूल किया है। छापेमारी दल में थानाध्यक्ष सुभाष कुमार सिंह, एसआई मनीष कुमार, परिक्ष्यमान पुअनी शमशाद रजा, पुलिस बल के जवान वीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव, अली राजा मियां और मोहम्मद खान शामिल रहे।

गेरुआ वस्त्र में दिखे थानेदार, मंत्रोच्चार से गुंजा उचकागांव थाना परिसर

उचकागांव प्रात : किरण संवाददाता

उचकागांव थाना परिसर में थानेदार गेरुआ वस्त्र में दिखाई दिए, वही थाना परिसर में आने वाले आगंतुकों की उचकागांव थाने में पदस्थापित एसआई से लेकर चैकीदार और मुंशी अगवानी में लगे हुए थे। अवसर था उचकागांव थाना परिसर में निर्मित भगवान शिव और बजरंगबली के मंदिर के वार्षिकोत्सव का। रविवार के दिन थाना परिसर में स्थित भगवान शिव और बजरंगबली के मंदिर के वार्षिकोत्सव के अवसर पर अष्टयाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें वेदी पर यजमान की भूमिका में थानाध्यक्ष सुभाष कुमार सिंह और उनकी धर्मपत्नी पुष्पा राज बैठी हुई थी। वही आचार्य योगेंद्र तिवारी, धर्मेंद्र पांडेय, राजकुमार पांडेय, राजकुमार शुक्ला, विनय दुबे, अभय जी, रितेश तिवारी, उमेश तिवारी, उमेश उपाध्याय सहित दस ब्राह्मणों के मंत्रोच्चार से पूरा थाना परिसर गुंजायमान हो रहा था। पूजन के साथ ही 24 घंटे के अष्टयाम कार्यक्रम का भी प्रारंभ हो गया। जिसमें चंपारण के बगहा से आए महिला कीर्तन मंडली के द्वारा किए जा रहे श्री राम नाम जप लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ था। थाना परिसर में आने वाले आगंतुकों के बीच प्रसाद का वितरण भी किया जा रहा था। इस दौरान पूजा समिति के व्यवस्थापक रमेश सिंह ने बताया कि वार्षिकोत्सव के अवसर पर प्रतिवर्ष होने वाला जागरण का कार्यक्रम इस बार स्थगित रखा गया है। वैसे पूणार्हुति के पश्चात सोमवार की शाम प्रसाद के रूप में भोज का आयोजन किया गया है। जिसमें पूजा समिति के द्वारा निमंत्रण देकर पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य लोगों को आमंत्रित किया गया है। मौके पर अपर थानाध्यक्ष इंद्रजीत कुमार, एसआई मुकेश कुमार सिंह, कृष्ण कुमार सिंह, मंटू कुमार रजक, सत्येंद्र सिंह, रमेश यादव सहित काफी संख्या में पूजा समिति के सदस्य, पुलिस पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

दिघवा दुबौली ज्वेलरी दुकान में लगी आग, लाखों की संपत्ति राख

बैकुंठपुर प्रात : किरण संवाददाता

बैकुंठपुर थाने के दिघवा दुबौली बाजार स्थित आशिष ज्वेलर्स दुकान में शनिवार की देर रात आग लगने से करीब पांच लाख रुपए मूल्य की संपत्ति जलकर राख हो गयी। घटना तब हुई जब आभूषण व्यवसाई संतोष प्रसाद सोनी अपनी दुकान बंद कर घर चले गए थे। बिजली के शॉर्ट सर्किट से करीब ग्यारह बजे रात में दुकान से आग की लपटें निकलने लगी। जिस वक्त अगलगी की घटना हुई उस समय बाजार की सभी दुकानें बिलकुल बंद हो चुकी थी। सुनसान माहौल में आसपास के लोग दुकान से आग की लपटें निकलते देख कर आभूषण व्यवसायी को मोबाइल पर सूचना दी। बाजार के अन्य व्यवसायियों ने घंटों प्रयास के बाद आग पर काबू पाने में सफलता पायी लेकिन तब तक सब कुछ जलकर राख हो गया था। अगलगी में जेवरात जलने की सूचना नहीं है। लेकिन डेकोरेशन, दुकान में रखे गए नगदी, कागजात सहित अन्य समान जल गए। देर रात हुई अगलगी से अन्य दुकानदारों में भी अफरा-तफरी मच गयी। आसपास के दो तीन दुकानों के भी बल्ब, ट्यूबलाइट, वायरिंग सहित अन्य सामान जलकर राख हो गए हैं। संयोगवश बाजार की घनी आबादी बीच अगलगी की बडी घटना टल सकी है। वरना पूरा बाजार स्वाहा हो जाता। घटना की सूचना स्थानीय थाने को भी दी गयी। सूचना मिलते ही पुलिस ने बाजार में पहुंचकर मामले की जांच की। सुबह में अगलगी की भयानक दृश्य देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी थी। अगलगी से दुकान का मकान भी क्षतिग्रस्त हो चुका है।

बकरीद को लेकर आयोजित हुई शांति समिति की बैठक

भोरे प्रात : किरण संवाददाता

भोरे थाना परिसर में बकरीद पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सभी पंचायत के जनप्रतिनिधियों के अलावे मुस्लिम धर्म के लोग तथा समाजसेवी शामिल हुए। शांति समिति की बैठक में प्रशासन और पुलिस के अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक की अध्यक्षता स्थानीय बीडीओ डॉ संजय कुमार राय ने की। लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बोर्ड शुरू से ही शांति और सौहार्द का प्रतीक रहा है। त्योहार चाहे हिंदू धर्म के लोगों का हो, चाहे मुस्लिमों का हो। दोनों संप्रदाय के लोग आपसी सौहार्द और शांति के साथ पर्व को मनाते हैं। बकरीद पर सामने आ रहा है उम्मीद है कि इस बार भी लो अपनी शालीनता का परिचय देते हुए इसे संपन्न कराने में सहयोग करेंगे। उन्होंने लोगों से कहा कि कुबार्नी के बाद प्रसाद के तौर पर जो मांस का वितरण किया जाता है। उसे ढंक लिया जाए।

वहीं थानाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार यादव ने बताया कि बकरीद के मौके पर प्रतिबंधित मांस का प्रयोग नहीं होना चाहिए। इसके अलावा अगर कहीं से भी कोई अफवाह फैलाते पाया जाता है, तो उसके खिलाफ कठोर से कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस बैठक में मुख्य रूप से एसआई पप्पू कुमार, एएसआई आशुतोष कुमार, सीओ चंद्रभानु कुमार, मोहन कुमार सिंह, शाह आलम, कमलेश प्रसाद, मुखिया प्रतिनिधि विजय कुमार तिवारी, जितेंद्र कुमार मिश्र, पप्पू मिश्रा आदि लोग थे।

बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम को संबोधित करेंगे पीएम

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। रविवार को देश के सभी 543 लोकसभा क्षेत्र का 2500 सौ कार्यकताओं से सीधा संवाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपना बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम भोपाल में संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी देश के 10 लाख बूथ पर एलइडी के माध्यम से संवाद से जुड़ेंगे। उसके बाद सभी कार्यकर्ता 5 राज्य में जहाँ जहाँ चुनाव होनी है जैसे मध्य प्रदेश ,राजस्थान, छतीसगढ़ ,तेलंगाना एवं मणिपुर में एक सप्ताह तक सन्गठन का कार्य विस्तारक के रूप में कार्य करेंगे।

भाजपा के रास्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा जी ने मिशन 2024 की तैयारी पूरे देश स्तर पर शुरू कर दिया है। इस कार्यक्रम में सारण लोकसभा एवं महाराज लोकसभा के कार्यकताओं को पटना जंक्शन पर सुबिधा एक्सप्रेस सुपर फास्ट 01 रू05 बजे दोपहर में छपरा के विधायक डॉ सी एनं गुप्ता ने पार्टी के झंडा दिखाकर रवाना किया। छपरा विधायक डॉ सी एन गुप्ता ने कहा कि भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है जो अपने कार्यककर्ताओ के बदौलत ही आज विश्व की सबसे कार्यककर्ता के पार्टी है इसी दल में कार्यकर्ता को देव तुल्य का उपाधि दिया गया । भाजपा में किसी भी कार्यकताओं को संगठन की जिम्मेवारी एवं पार्टी का टिकट दिया जाता है। नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश अग्रसर है,। विधायक ने कहा कि जो कार्यककर्ता कार्यक्रम के लिये आज सारण एवं महराजगंज के कार्यकर्ता पटना से सुविधा ट्रेन से भोपाल जा रहे है उनको शुभकामनाएं देता हूं। भोपाल जाने वालों में मुख्य रूप से सारण जिला भाजपा के मुख्य प्रवक्ता एवं छपरा विधानसभा संयोजक धर्मेन्द्र सिंह चैहान,जिला मीडिया प्रभारी संजय सिंह जिला, गरखा के जिला परिषद के प्रतिनिधि भाजपा नेता अजय मांझी सोसल मीडिया निशांत राज,आई सेल मुन्ना सिंह,कुशवाहा,छपरा नगर पूर्व मण्डल अध्यक्ष सुशील सिंह, जिला मीडिया प्रभारी,मांझी के पूर्व मंडल अध्यक्ष मनोज प्रसाद, बनियापुर मण्डल महामंत्री दीपू चतुवेर्दी, तरैया से प्रिंस कुमार, बनियापुर संयोजक नीतीश कुशवाहा, राकेश कुमार महंत,अनिल राम, शिवम कुमार भोपाल के लिये रवाना हुए। टीम का कलस्टर जिला मीडिया प्रभारी संजय सिंह है। भाजपा मुख्य प्रवक्ता धर्मेन्द्र सिंह चैहान ने कहा कि बिहार से 40 लोकसभा से 278 कार्यकर्ता भोपाल के कार्यक्रम में शामिल होंगे । एवं हम सभी कार्यक्रम 10 दिन से ज्यादा विस्तारक के रूप में संगठन का कार्य करेंगे।टीम को झंडा दिखाने वालो में छपरा नगर अध्यक्ष राजेश फैशन भी मौजूद थे।

अपहृत अपने गांव पहुंचा तो उसे देखने के लिए दरवाजे पर उमड़ी लोगों की भीड़

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। मांझी थाना क्षेत्र के कदमकुआं पटना से बरामद होने के बाद अपने पिता डॉ. रुस्तम अली व मांझी थानाध्यक्ष अशोक कुमार दास के साथ अपहृत फरहान अली जब अपने गांव चेंफुल पहुंचा तो उसे देखने के लिए दरवाजे पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। अपहरणकताओं के दहशत से 7 वर्षीय फरहान अली अभी भी कुछ भी बताने की स्थिति में नही था। पत्रकारों से बातचीत करते हुए डॉ. रुस्तम अली ने बताया कि अपहरणकर्ता ने उसे ले जाकर कदमकुआं स्थित अपने फ्लैट में रखा था।

उन्होंने मांझी थानाध्यक्ष अशोक कुमार दास के प्रति आभार प्रकट करते हुए बताया कि उनके प्रयास से और कदमकुआं थाना पुलिस के सहयोग से उनके पुत्र को सकुशल बरामद कर लिया गया। पुलिस ने अपहरण के आरोप में हमारे पड़ोस में करीब एक माह से रह रहे रिश्ते में भगिना जीसान और कदमकुआं से मौके पर मौजूद दो अपहरणकताओं को भी गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि पुलिस के द्वारा बरामद किए जाने के बाद पूरी तरह से डरे-सहमे फरहान ने जब मुझे देखा तो आकर गले से लग कर चिपक गया। उसके बाद हम दोनों की आंखे भर आयी। अपहरणकताओं के द्वारा मेरे पुत्र को टार्चर किया गया है। चुप रहने के लिए उसके साथ मारपीट करते हुए गला दबाने का भी प्रयास किया गया। यह बताते हुए उनकी आंखें छलक आयी। बच्चे की सकुशल बरामदगी में मांझी थानाध्यक्ष के द्वारा दिखाई गई तत्परता को लेकर पूर्व मुखिया व जदयू के मांझी प्रखण्ड अध्यक्ष अख्तर अली समेत क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोगों ने उनकी सराहना की है। बता दें कि चेंफुल गांव निवासी सुप्रसिद्ध देसी चिकित्सक डॉ. रुस्तम अली के सात वर्षीय पुत्र फरहान अली का शनिवार की सुबह अपहरण कर लिया था। अपने दरवाजे पर खेलने के दौरान पड़ोस में रहने वाले फरहान के रिश्ते का फुफेरा भाई जीसान अली उसे बहला फुसलाकर अपनी स्कूटर पर बिठाकर एकमा ले गया था। जहां कदमकुआं पटना के रहने वाले दो अपहताओं के हवाले कर दिया। उसके बाद मांझी पुलिस ने एकमा के रास्ते मे लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज के आधार पर पहले जीसान अली को हिरासत में ले लिया तथा बाद में उसकी निशानदेही पर माँझी थाना पुलिस तथा अगम कुंआ थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से छापेमारी कर महज दस घण्टे के भीतर चिकित्सक पुत्र को सकुशल बरामद कर लिया था।

अल्पसंख्यक समाज की तरक्की को ले नीतीश कुमार ने बहुत कुछ कियारू सलीम परवेज

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। सूबे के मुखिया नीतीश कुमार ने अल्पसंख्यक समाज के लिए बहुत कुछ किया है, मुस्लिम समाज का असली रहनुमा नीतीश कुमार हैं, हम सेभी का फर्ज बनता है कि नीतीश कु मार के हाथों को मजबूत करें, ताकि भारतीय जनता पार्टी को केंद्र की सरकार से बाहर का रास्ता दिखाया जा सके स उक्त बातें बिहार विधान परिषद के पूर्व उपसभापति सह बिहार प्रदेश अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ जदयू के अध्यक्ष सलीम परवेज ने रविवार को स्थानीय परिसदन में जिला अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ जदयू द्वारा सदस्यता अभियान को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए कही स समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए सलीम परवेज ने कहा कि संगठन कार्यकताओं की रीढ़ होती है, नीतीश कुमार ने मुस्लिम समुदाय की तरक्की के लिए जो कुछ किया है और जो इज्जत दी है, उसका मदद करना हम सभी का दायित्व बनता है स समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष सलीम परवेज ने कहा कि बिहार में अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ रिकॉर्ड सदस्य बनाया है, इससे पहले अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ में इतनी बड़ी तादाद में सदस्य नहीं बनाया गया था स उन्होंने उपस्थित कार्यकताओं से पंचायत स्तर पर संगठन को मजबूती के लिए आह्वान करते हुए कहा कि इसके लिए हम सभी को सजग रहने की जरूरत है स अपने संबोधन में विपक्षी एकता पर चर्चा करते हुए कहा कि नीतीश कुमार ने विपक्ष की मुहिम को एक करने में कामयाब की ओर बढ़ रहे हैं स सूबे के मुखिया और संपूर्ण व विपक्ष का एक ही मकसद है कि केंद्र सरकार को सत्ता से बाहर करना है स सलीम परवेज ने अपने संबोधित में कहा कि लोकसभा चुनाव करीब है, ऐसी परिस्थिति में कार्यकर्ता संगठन में अधिक से अधिक लोगों को जोड़कर मजबूत करने की जरूरत है।

भूमि विवाद में अधेड़ की भाला गोदकर निर्मम हत्या

प्रात : किरण संवाददाता

विजयीपुर। विजयीपुर थाने के कुर्थियां गांव में एक अधेड की भाला गोदकर निर्मम हत्या कर दिए जाने का मामला सामने आया है। मृतक कुर्थिया गांव का 42 वर्षीय धनश्याम उर्फ भोला मिश्रा बताया गया है। सूचना पाकर पंहुची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर अंत्यपरीक्षण के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। वही पुलिस ने त्वरित कारवाई करते हुए घटना में शामिल बीरबल यादव और संजय यादव को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जाता है कि मृतक घनश्याम मिश्रा के दादा रामलगन राय के नाम गांव के समीप लगभग 7 बीघा जमीन बंदोबस्त थी। वर्षा के दिनों में आधे से अधिक हिस्से में पानी जमा रहने के कारण मत्स्य विभाग के लोग मछली पालन करते थे। मत्स्य विभाग के आवेदकों से अक्सर कहां सुनी होती थी। इधर संवेदकों से सांठगांठ कर बीरबल यादव मछली मारने और बेचने का कार्य करता था। उसी जमीन के हिस्से में बीरबल यादव के द्वारा भी जबरदस्ती जमीन दखल किया गया था। इसी विवाद को लेकर दोनों पक्ष अंचल पदाधिकारी तथा पुलिस प्रशासन को आवेदन भी दिए थे। इधर कुछ दिन पूर्व बीरबल यादव के द्वारा घनश्याम मिश्र को धमकी दी गयी थी कि जमीन पर जाओगे तो तुम्हारी हत्या कर दी जाएगी। धमकी के बाद से डरे सहमे घनश्याम मिश्रा ने आवेदन देकर अपनी सुरक्षा के लिए पुलिस प्रशासन से गुहार लगाई थी। अगर समय रहते प्रशासन में सज्ञान लिया होता तो घटना टाली जा सकती थी। वही रविवार की सुबह घनश्याम और उनके बड़े भाई मंटू मिश्र अपनी बंदोबस्ती जमीन पर बांध बांध रहे थे। इसी दौरान बीरबल यादव, संजय यादव सहित अन्य लोगों ने भाला, गुप्ती, हॉकी और लाठी से हमला बोल दिया। इसी बीच बीरबल यादव ने घनश्याम मिश्र के पेट में भाला घोंप दिया। जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। वही उनके बड़े भाई मंटू मिश्रा को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है। सूचना पाकर हथुआ एसडीपीओ अनुराग कुमार, पुलिस इंस्पेक्टर ललन कुमार तथा विजयीपुर पुलिस घटनास्थल पर कैंप कर रही है।

2737 बोतल शराब के साथ बोलेरो, बुलेट सहित तीन बाइक जब्त

भोरे प्रात : किरण संवाददाता

अवैध शराब के खिलाफ भोरे पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग जगहों से 2737 बोतल शराब बरामद किया। इस कार्रवाई के दौरान जहां पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया, तो वहीं दो लोग पुलिस को चकमा देकर फरार भी हो गए। पुलिस को इस दौरान एक बोलेरो, एक बुलेट और दो बाइक भी मिला है।

गिरफ्तार लोगों के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने पहली कार्रवाई जगतौली ओपी के पास की। जहां तीन अलग-अलग बाइक पर सवार होकर जा रहे लोगों को पकड़ा गया। पकड़े गए लोगों में यूपी के श्रीरामपुर थाना के चकिया कोठी के अजीत कुमार जिनके पास से एक बुलेट बाइक, भोरे थाना क्षेत्र के गोसैसिया गांव के मनोज कुमार और भोलू कुमार शामिल हैं। जिनके पास से दो बाइक बरामद की गई। तीनों के पास से पुलिस ने कुल 172 बोतल शराब बरामद किया। अगली कार्रवाई भोरे चारमुहानी पर की गई। जहां गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने शराब लदी एक बोलेरो गाड़ी को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसमें से 2565 बोतल शराब बरामद किया गया। इस दौरान पुलिस ने गाड़ी में सवार कटेया थाना क्षेत्र के भोपतपुरा गांव के कृष्णा यादव और अजय कुमार पाल को गिरफ्तार कर लिया। जबकि पुलिस को देख कर भोरे थाना क्षेत्र के भदवही गांव के नागेंद्र यादव और बनकटा के श्रीकांत चैहान शामिल हैं। सभी के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया।

विधिक जागरूकता शिविर में लोगो को दी गयी कानून की जानकारी

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में रविवार को सिधवलिया प्रखंड के डुमरिया पंचायत में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें पैनल अधिवक्ता ओमप्रकाश तिवारी एवं पीएलबी राजन कुमार उपाध्याय की टीम द्वारा उपस्थित आम जनता को लोक अदालत एवं एडीआर सिस्टम के बारे में जानकारी दी गयी।

जागरूकता शिविर में समय समय पर राष्ट्रीय लोक अदालत, मोबाइल लोक अदालत, विशेष लोक अदालत का आयोजन कर विभिन्न प्रकृति के सुलहनीय अपराधिक वादों एवम पूर्व वादों का आपसी सुलह समझौता के आधार पर निष्पादन कराना आदि के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया। साथ ही साथ जिला विधिक सेवा प्राधिकार गोपालगंज द्वारा मुफ्त विधिक सहायता उपलब्ध कराना, मध्यस्था के माध्यम से विभिन्न प्रकृति के वादों में प्रशिक्षित मध्यस्थो के द्वारा मध्यस्था कराना, मुफ्त विधिक सहायता के अंतर्गत समाज के पिछड़े, वंचित, शोषित व्यक्तियों, महिलाओं, कैदियों आदि को मुफ्त में अधिवक्ता उपलब्ध कराकर उनके वादों में पैरवी कराना आदि विभिन्न विषयों पर विस्तृत प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में डुमरिया पंचायत के मुखिया, सरपंच, वार्ड सदस्य, न्याय मित्र, पंच, सहित ग्रामीण जनता उपस्थित हुए। कार्यक्रम में उपस्थित आम जनता के बीच हैंडव्हील वितरित किया गया।

बड़हरा में संदिग्ध अवस्था में बच्चे की मौत, यूडी केस दर्ज

भोरे प्रात : किरण संवाददाता

भोरे थाना क्षेत्र के बड़हरा गांव के सरेह से रविवार की सुबह एक 10 वर्षीय बच्चे का शव बरामद किया गया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं घटना के बाद मृतक के परिजनों के बयान के आधार पर यूडी केस दर्ज किया गया है। बताया जाता है कि बड़हरा गांव के सरेह की तरफ रविवार की सुबह कुछ लोग शौच के लिए निकले थे। बीच में एक जगह पर थोड़ा पानी जमा था। जहां औंधे मुंह एक बच्चे का शव गिरा हुआ था। आसपास कुछ लोगों के कदमों के निशान भी थे। यह देखकर लोगों ने भोरे पुलिस को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार यादव ने शव को बरामद कर लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शव की पहचान बड़हरा गांव के हमीद मियां के 10 वर्षीय पुत्र अमीर अंसारी के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि अमीर अंसारी थोड़ा मंदबुद्धि का लड़का था, जो शनिवार की शाम से ही अपने घर से गायब था। परिजन काफी खोजबीन कर रहे थे। जिसका शव सरेह में बरामद किया गया। बच्चे के शरीर पर किसी भी प्रकार के कोई चोट के निशान नहीं पाए गए हैं। वहीं मृत बच्चे के पिता हामिद अंसारी ने किसी पर भी कोई शक नहीं जताया है। जिसे लेकर थाने में यूडी केस दर्ज कर लिया गया है।

प्रखंड कमिटी की बैठक मे विभिन्न मुद्दे पर हुई चर्चा

छपरा। पानापुर में रविवार को भाकपा माले पानापुर पार्टी एरिया कमिटी की बैठक ग्राम-भोरहां में प्रखंड सचिव नागेंद्र प्रसाद के अध्यक्षता में हुई। जिसमे पार्टी मजबूती हेतु सर्वसम्ति से पानापुर प्रखंड के प्रत्येक पंचायत में 100 पार्टी सदस्यों को पार्टी से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला सचिव सभा राय ने कहा भाजपा के उन्माद-उत्पाद की राजनीति को परास्त करने के लिए लोगो से भाकपा माले को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जब से भाजपा सत्ता में आई है संविधान और लोकतंत्र की धज्जियां उड़ा रही है। पार्टी द्वारा ष्भाजपा भगाओ, लोकतंत्र बचाओष अभियान के तहत भाजपा के काले करतूतों को भी उजागर करने का संकल्प लिया गया।

सम्पादकीय

सरकार की आमदनी अठन्नी, खर्चा रुपैया

केंद्र सरकार दिन और रात में बिजली का उपयोग करने के लिए अलग-अलग टैरिफ लागू करने की तैयारी कर रही है। बिजली की दरें तय करने के लिए सरकार टाइम आफ डे का अलग रेट निर्धारित करेगी। पीक टाइम पर बिजली की दरें ज्यादा होंगी। और जब पीक अवर्स नहीं होगा, उस समय बिजली की दरें कम की जाएंगी। सरकार का कहना है कि पीक अवर मैं बिजली के रेट ज्यादा होने के कारण लोग बिजली खपत में नियंत्रण करेंगे। जब बिजली की उपलब्धता ज्यादा होगी। और खपत कम होगी, उस समय बिजली उपभोक्ताओं को 20 फीसदी कम दर पर बिजली देने का प्रावधान किया जा रहा है। केंद्रीय बिजली मंत्री आरके सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि टीओडी उपक्ताओं के लिए नवीन बिजली प्रणाली फायदे का सौदा होगा। उन्होंने कहा कि पीक आवर, सोलर पावर और सामान्य घंटों के लिए अलग-अलग बिजली के टैरिफ की दरें तैयार की जाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि नए टैरिफ की जागरूकता और प्रभावी बिजली उपयोग के लिए उपभोक्ताओं के बीच में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। 01 अप्रैल 2024 से 1 अप्रैल 2025 के बीच के सभी आम उपभोक्ताओं के लिए पीक अवर्स को छोड़कर अन्य घंटों में लगभग 20 फीसदी की रियायत दी जाएगी। केंद्र सरकार ने बिजली उपभोक्ता अधिकार अधिनियम 2020 में संशोधन कर, बिजली शुल्क प्रणाली में दो बदलाव किए हैं। जिसके अनुसार दिन के समय के शुल्क प्रणाली की शुरूआत और स्मार्ट मीटर से जुड़े प्रावधानों को युक्तिसंगत बनाने के लिए व्यापक स्तर पर बदलाव किए जाएंगे।

पिछले 3 दशक में बिजली सुधार के जो भी कार्यक्रम सरकार ने तैयार किए हैं। वह सभी जमीनी स्तर पर फेल हुए हैं। बिजली चोरी रोकने के लिए इलेक्ट्रॉनिक और स्मार्ट मीटर लगाए गए। इलेक्ट्रॉनिक मीटर लगाए गए, लेकिन बिजली चोरी रुकने के स्थान पर और बढ़ती चली गई। लाइन लास खत्म करने के लिए खुले वायर के स्थान पर प्लास्टिक कोटेड वायर लगाए गए। जिसमें करोड़ों रुपए खर्च हर साल किए गए। इसके बाद भी लाइन लास कम नहीं हुआ। साल दर साल वह बढ़ता ही जा रहा है। अब सरकार दिन और रात में बिजली की दरें अलग-अलग तय करने जा रही है। इसके लिए अलग-अलग मीटर और अलग-अलग टैरिफ के बिल उपभोक्ताओं को देने के लिए बिजली कंपनियां, करोड़ों रुपए अतिरिक्त खर्च करेंगी। बिजली कंपनियों का खर्च इससे काफी बढ़ेगा। जिस तरह के नियम बनाए जा रहे हैं। विद्युत नियामक आयोग, बिजली कंपनियों के द्वारा प्रस्तुत खर्च के आधार पर बिजली की दरें लगातार बढ़ाती जा रही हैं। बिजली कंपनियों को तो नियामक आयोग से लाभ मिल जाता है। लेकिन आम उपभोक्ताओं की कोई भी सुनवाई नियामक आयोग में नहीं होती है। दोहरे टैरिफ का लाभ उपभोक्ताओं को मिलेगा या नहीं। यह तो पता नहीं है, लेकिन बिजली कंपनियां और सरकारी अधिकारी इसके लिए जो प्रावधान करेंगे। उसमें करोड़ों अरबों रुपए जरूर खर्च होंगे। यह अभी तक का अनुभव देखने को मिला है। सरकार जो भी नियम कानून संशोधन करती है। उसके पीछे जो कारण बताए जाते हैं। उसको देखते हुए ऐसा लगता है, कि यह बहुत जरूरी है। लेकिन सरकार ने आज तक यह जानने की कोशिश नहीं की। कि जिन कार्यों के लिए करोड़ों अरबों रुपए खर्च किए गए हैं। उनके परिणाम सार्थक रहे हैं, या नहीं। इलेक्ट्रॉनिक मीटर, स्मार्ट मीटर, एवं विद्युत व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए के नाम पर बिजली कंपनियों द्वारा अरबों रुपए खर्च किए गए। इसकी वसूली उपभोक्ताओं से की गई। बिजली आपूर्ति के लिए समय-समय पर जो भी कार्य किए गए हैं। उनका लाभ उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचा है। उपभोक्ताओं का बिजली का खर्च लगातार बढ़ता ही जा रहा है। समय पर बिजली मिलती नहीं है, बार-बार बिजली ट्रिप हो रही है। लोगों के उपकरण खराब हो रहे हैं। जिसको लेकर बिजली उपभोक्ताओं में लगातार नाराजगी बढ़ रही है। बिजली कंपनियों की कोई जिम्मेदारी नहीं है। केंद्र एवं राज्य सरकारों को फ्री बिजली या विभिन्न समुदायों के लिए बिजली में रियायत देने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। अभी तक का अनुभव यही है। बिजली कंपनियों के खर्चे लगातार बढ़ते जा रहे हैं। उपभोक्ताओं को महंगी बिजली खरीदना पड़ रही है। बिजली कंपनियों द्वारा जो नए नए प्रयोग किए जा रहे है। उसका खामियाजा बिजली उपभोक्ताओं को साल दर साल भुगतना पड़ रहा है। सरकार यदि कोई कानून और नियम बनाती है। तो उसका क्रियान्वयन सही तरीके से हुआ या नहीं। इसकी जिम्मेदारी भी तय की जाने की जरूरत है।

छात्रों को मिले डिजिटल शिक्षा

डा. वरिंदर भाटिया

स्कूली छात्रों के साथ-साथ सभी उम्र के शिक्षार्थियों के लिए डिजिटल साक्षरता एक आवश्यक कौशल बन चुका है। डिजिटल दुनिया हमें लगातार व्यापक पैमाने पर नई जानकारी को जोडे, सहयोग करने, नवाचार करने और खोजने की अनुमति देती है और सभी शिक्षार्थियों को अपनी शैक्षिक यात्रा की शुरूआत से ही प्रभावी रूप से प्रौद्योगिकी का उपयोग करने में सक्षम होना चाहिए। पिछले बीस-तीस वर्षों में दुनिया कितनी बदल गई है, यह बताने की आवश्यकता नहीं है और अगले कुछ वर्षों में यह कितनी बदल जाएगी, इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। हम जितनी तेजी से डिजिटल आउटडेटिड होते जा रहे हैं, यह हमारी सोच से परे है, पर हम जितने अपडेटेड रहेंगे उतने ज्यादा समय तक यहां टिके रहेंगे। आज की तेज-तर्रार और तकनीक से चलने वाली दुनिया में सही डिजिटल स्किल होना पहले से कहीं अधिक महत्त्वपूर्ण हो गया है। आज डिजिटल रूप से कुशल व्यक्तियों की मांग बढ़ती जा रही है और जो छात्र इन मांग वाले स्किल्स से खुद को लैस करते हैं, उन्हें नौकरी के बाजार में महत्त्वपूर्ण लाभ होता है। स्कूल शिक्षा में डिजिटल शिक्षा का पुट मजबूत किए जाने की जरूरत है। इनमें से कुछ स्किल्स का जिक्र करते हैं : सबसे पहले है सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन या एसईओ, जो कि एक फंडामेंटल स्किल है जो गूगल जैसे सर्च इंजनों पर वेबसाइट की दृश्यता बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जो छात्र एसईओ की पेचीदगियों को समझते हैं, वे व्यवसायों को उनकी ऑनलाइन उपस्थिति में सुधार करने, ऑर्गेनिक ट्रैफिक को आकर्षित करने और अधिक लीड उत्पन्न करने में मदद कर सकते हैं।

की-वर्ड रिसर्च, ऑन-पेज ऑप्टिमाइजेशन और लिंक बिल्डिंग रणनीतियों की कला में महारत हासिल करके छात्र अपने डिजिटल मार्केटिंग प्रयासों को बढ़ाने की मांग करने वाली कंपनियों के लिए खुद को मूल्यवान संपत्ति के रूप में स्थापित कर सकते हैं। दूसरे स्थान पर है कंटेंट मार्केटिंग। कंटेंट किसी भी सफल ऑनलाइन मार्केटिंग रणनीति की रीढ़ है। कंटेंट मार्केटिंग में कुशल छात्र आकर्षक, मूल्यवान और प्रासंगिक सामग्री बना सकते हैं जो लक्षित दर्शकों के साथ प्रतिध्वनित होती है। सम्मोहक ब्लॉग पोस्ट तैयार करने से लेकर सूचनात्मक वीडियो विकसित करने और सोशल मीडिया अभियानों को उलझाने तक, कंटेंट मार्केटिंग प्रोफेशनल के पास ब्रांड जागरूकता बढ़ाने, ग्राहक जुड़ाव बढ़ाने और रूपांतरण बढ़ाने की शक्ति है। इसके बाद डेटा अनालिस्ट का क्षेत्र है। डेटा का विश्लेषण और व्याख्या करने की क्षमता आज की डेटा-संचालित दुनिया में अत्यधिक मांग वाली स्किल है। डेटा एनालिटिक्स में दक्षता रखने वाले छात्र बड़े डेटासेट से सार्थक अंतर्दृष्टि निकाल सकते हैं, प्रवृत्तियों की पहचान कर सकते हैं और सूचित व्यावसायिक निर्णय ले सकते हैं। गूगल एनालिटिक्स और डेटा विजुअलाइजेशन प्लेटफॉर्म जैसे टूल में अपनी विशेषज्ञता के साथ, ये व्यक्ति संगठनों को उनकी डिजिटल रणनीतियों को अनुकूलित करने और समग्र प्रदर्शन में सुधार करने में सहायता कर सकते हैं। सोशल मीडिया मार्केटिंग का फोल्ड भी डिमांड में है। सोशल मीडिया ने व्यवसायों के अपने ग्राहकों के साथ बातचीत करने के तरीके को बदल दिया है। जिन छात्रों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, ऑडियंस टारगेटिंग और एंगेजमेंट तकनीकों की ठोस समझ है, वे कंपनियों के लिए एक मजबूत सोशल मीडिया उपस्थिति बना सकते हैं। प्रभावी सोशल मीडिया मार्केटिंग रणनीतियों को विकसित करके, ये व्यक्ति ब्रांड जागरूकता बढ़ा सकते हैं, ग्राहक वफादारी को बढ़ावा दे सकते हैं और लीड उत्पन्न कर सकते हैं। अंततः व्यवसाय के विकास में योगदान दे सकते हैं। इसके बाद है यूएक्स डिजाइन, डिजिटल परिदृश्य में, उपयोगकर्ता अनुभव ग्राहकों को आकर्षित करने और बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यूएक्स डिजाइन में कुशल छात्र सहज, उपयोगकर्ता के अनुकूल इंटरफेस बना सकते हैं और समग्र उपयोगकर्ता यात्रा को बढ़ा सकते हैं। उपयोगकर्ता अनुसंधान, प्रोटोटाइप और प्रयोज्य परीक्षण आयोजित करके, ये व्यक्ति व्यवसायों को असाधारण डिजिटल अनुभव बनाने में मदद कर सकते हैं जो उपयोगकताओं पर स्थायी प्रभाव डालते हैं। इसके बाद जिक्र करें तो स्मार्टफोन के उपयोग में तेजी से वृद्धि के साथ मोबाइल एप डेवलपमेंट एक अत्यधिक मूल्यवान कौशल के रूप में उभरा है।

26 जून विशेष नशा मुक्ति दिवस : नशा मुक्ति की दिशा में उठे बड़े कदम

यहां की बहुत बड़ी आबादी नशे की गिरफ्त में आ चुकी है। विशेषकर युवा वर्ग में बढ़ती नशाखोरी की प्रवृत्ति समाज व राष्ट्र के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। नशे की लत के कारण बहुत से नौजवानों का भविष्य बर्बाद हो चुका है।

हमारे देश में नशा करने वाले युवा पीढ़ी के लोग अब चरस, हेरोइन, कोकीन, अफीम जैसा खतरनाक नशा करने लगे। देश भर में नशे का सामान बेचने वाले बड़े-बड़े नशा माफिया पनप गए हैं। जो स्कूलों, कॉलेजों में कम उम्र के नौजवानों को नशे का सामान बेचते हैं। घर से बाहर रहकर पढ़ने वाले बहुत से छात्र इन नशा माफियाओं के चंगुल में फंसकर नशे की लत के शिकार हो जाते हैं। जब तक उनके घर वालों को असलियत का पता चलता है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। नशीले पदार्थों के निवारण के लिए प्रत्येक वर्ष 26 जून को अंतरराष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपने एक प्रस्ताव में 7 दिसम्बर 1987 से इसे मनाने का निर्णय लिया था।

रमेश सर्राफ धमोरा
स्वतंत्र लेखक

आज पूरी दुनिया नशे के चंगुल में फंसी हुई है। दुनिया का कोई भी ऐसा देश नहीं है जहां के लोगों को नशे की लत नहीं लगी हो। भारत में तो स्थिति और भी बदतर हो रही है। यहां की बहुत बड़ी आबादी नशे की गिरफ्त में आ चुकी है। विशेषकर युवा वर्ग में बढ़ती नशाखोरी की प्रवृत्ति समाज व राष्ट्र के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। नशे की लत के कारण बहुत से नौजवानों का भविष्य बर्बाद हो चुका है।

हमारे देश में नशा करने वाले युवा पीढ़ी के लोग अब चरस, हेरोइन, कोकीन, अफीम जैसा खतरनाक नशा करने लगे। देश भर में नशे का सामान बेचने वाले बड़े-बड़े नशा माफिया पनप गए हैं। जो स्कूलों, कॉलेजों में कम उम्र के नौजवानों को नशे का सामान बेचते हैं। घर से बाहर रहकर पढ़ने वाले बहुत से छात्र इन नशा माफियाओं के चंगुल में फंसकर नशे की लत के शिकार हो जाते हैं। जब तक उनके घर वालों को असलियत का पता चलता है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है।

नशीले पदार्थों के निवारण के लिए प्रत्येक वर्ष 26 जून को अंतरराष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस मनाया जाता हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपने एक प्रस्ताव में 7 दिसम्बर 1987 से इसे मनाने का निर्णय लिया था। इसका उद्देश्य लोगों को नशे की बुरी आदत से छुटकारा दिलाना तथा उन्हें नशे से होने वाले दुष्प्रभाव से बचाना हैं। यह अच्छी बात है कि इस दिन लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया जाता है। लोगों को सचेत किया जाता है, सावधान किया जाता है। मगर जब तक समाज व सरकार नशे को जड़ से समाप्त करने की दिशा में प्रभावी कार्रवाई नहीं करेगी तब तक नशे का व्यापार फैलता ही रहेगा। भारत में भी सरकार ने विभिन्न प्रकार के नशे के सामान की बिक्री पर रोक लगा रखी है। कई कानून भी बनाए हैं। मगर उन पर प्रभावी अमल नहीं हो पाता है। जिसके चलते खुलेआम नशे का कारोबार होता है।

आज देश में कहीं से कोई भी व्यक्ति नशे का कोई भी सामान खरीद सकता है। उसे न कोई रोकने वाला है न कोई टोकने वाला है। नशे का सामान बेचने वाले सौदागर दिनों दिन धनवान होते जा रहे हैं। जिस कारण से उनका पुलिस व प्रशासन पर पूरा प्रभाव रहता है। जिसकी बदौलत वह शासन, प्रशासन से मिलकर सरेआम धड़ल्ले से अपना धंधा करते रहते हैं। नशे की प्रवृत्ति के खिलाफ हमारा समाज भी जागरुक नहीं है। नशे की लत के चलते पंजाब जैसा संपन्न प्रांत नशेड़ियों का प्रदेश कहलाने लगा था। वैसी ही स्थिति आज देश के अधिकांश प्रदेशों की हो रही है। नशे को लेकर पंजाब जब सुर्खियों में आया तो पूरे देश का ध्यान उस तरफ गया और वहां नशे के कारोबार पर कुछ हद तक अंकुश लग पाया। वैसा ही हमें पूरे देश में करना होगा तभी नशे की तरफ जा रही हमारी युवा पीढ़ी को भटकने से रोका जा सकेगा।

कहते हैं कि नशा हर अपराध की जड़ होता है। नशेड़ी व्यक्ति कोई भी बुरे से बुरा काम करने से नहीं झिझकता सकता है। अधिकांश अपराध नशे की धुन में ही किए जाते हैं। बढ़ते नशे के प्रचलन को रोकने के लिए हमें सरकार के भरोसे ही नहीं रहना होगा। इसके लिए हमें स्वयं भी प्रयास करने होंगे। हमें देखना होगा कि हमारे परिवार का कोई सदस्य तो नशे की तरफ नहीं जा रहा है। यदि ऐसा है तो हमें समय रहते उस को नियंत्रित करना होगा। यदि सभी लोग ऐसा करने लगेंगे तो धीरे-धीरे नशे की प्रवृत्ति कम होती चली जाएगी और एक समय ऐसा आएगा जब हमारा समाज, हमारा क्षेत्र, हमारा प्रदेश, हमारा देश नशा मुक्त बन सकेगा।

ड्रग्स और अपराध पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (यूएनओडीसी) की विश्व ड्रग रिपोर्ट 2022 का अनुमान है कि दुनिया भर में 15-64 आयु वर्ग के लगभग 28.4 करोड़ लोगों ने मादक पदार्थों (ड्रग्स) का सेवन किया था। यह पिछले दशक की तुलना में 26 प्रतिशत अधिक है। हालांकि वैश्विक स्तर पर मादक पदार्थों का सेवन करने वाली महिलाओं की संख्या कम है। इसके बावजूद महिलाओं में मादक पदार्थों के सेवन में वृद्धि दर पुरुषों की तुलना में अधिक है। अवैध मादक पदार्थों पर निर्भर अर्थव्यवस्थाएं मुख्यतः कमजोर कानून व्यवस्था वाले देशों में फल-फूल सकती हैं। इससे देश में संघर्ष की स्थिति पैदा हो सकती है। मध्य-पूर्व और दक्षिण-पूर्व एशिया में संघर्ष की स्थिति सिंथेटिक मादक पदार्थों के निर्माण के लिए प्रेरक के रूप में कार्य करती है।

कोका की गैरकानूनी खेती के लिए वनों की कटाई की जाती है। इसके अलावा सिंथेटिक मादक पदार्थों के निर्माण के दौरान अत्यधिक मात्रा में अपशिष्ट पैदा होता है। ऐसे अपशिष्ट के कारण प्रत्यक्ष रूप से मृदा, जल और वायु पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। साथ ही इससे अप्रत्यक्ष रूप से सजीव प्राणी और खाद्य श्रृंखलाएं भी प्रभावित होती हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार भारत उपभोगकताओं के मामले में दुनिया के सबसे बड़े अफीम बाजारों में से एक है। साथ ही यहां इसकी आपूर्ति बढ़ने की भी संभावना है। इससे गैरकानूनी व्यापार और इससे जुड़े संगठित अपराधों के स्तर में बढ़ोतरी हो सकती है।

रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि भारत में युवा इस खतरे से सबसे अधिक प्रभावित हैं। भारत में जब्त की गई सभी अवैध दवाओं में से 60 प्रतिशत से अधिक पंजाब से हैं। एक अध्ययन के अनुसार अधिकांश नशेड़ी 15 से 35 वर्ष की आयु के बीच हैं और कई बेरोजगार हैं। नशीली दवाओं का दुरुपयोग समाज को प्रभावित करने वाला एक गंभीर खतरा है। नशीली दवाओं की लत से अनजाने में चोट लगने, दुर्घटनाएं, घरेलू हिंसा की घटनाएं, चिकित्सा समस्याएं और मृत्यु का उच्च जोखिम होता है। नशीली दवाओं का सेवन करने वालों की आर्थिक क्षमता बुरी तरह प्रभावित होती है। नशीली दवाओं पर निर्भरता से आत्म-सम्मान में भी कमी आती है। निराशा, आपराधिक गतिविधियों और यहां तक कि आत्मघाती प्रवृत्ति को भी जन्म दे सकती है।

भारत में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ नशा मुक्त भारत अभियान या ड्रग्स-मुक्त भारत अभियान 15 अगस्त 2020 से देश के उन 272 जिलों में शुरू किया गया था जो नशीली दवाओं के दुरुपयोग से सबसे अधिक असुरक्षित और प्रभावित पाए गए थे। इसका उद्देश्य शिक्षण संस्थानों के साथ सकारात्मक भागीदारी, जन शिक्षा और स्वच्छता के लिए सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रमों और उपचार, पुनर्वास और परामर्श सुविधाओं के एकीकरण के द्वारा भारत को एक नशा मुक्त देश बनाना है। भारत ने नशीली दवाओं की समस्याओं को दूर करने के लिए निर्णायक कदम उठाए हैं। हालांकि सरकार के पास व्यापक खाका, प्रतिबद्ध कार्यबल और कई समर्पित कार्यक्रम और नीतियां हैं। बावजूद इसके मौजूदा कार्यक्रमों में और अधिक सुधार करने की जरूरत है।

अखंड भारत की अंतर्ध्वनि के मध्य सुलगता मणिपुर?

यहां फैली अराजकता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कई सेनाधिकारी मणिपुर की तुलना सीरिया, लेबनान व नाइजीरिया जैसे अशांत देशों के हालात से कर रहे हैं। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के एक केंद्रीय मंत्री, मणिपुर राज्य की भाजपा सरकार के राज्य मंत्री, भाजपा के कार्यालय और भाजपा विधायकों के घर उपद्रवियों द्वारा आग के हवाले किये जा चुके हैं। खबरों के अनुसार एक हजार से अधिक घर फूंके जा चुके हैं जबकि 30 हजार से भी ज्यादा लोग शरणार्थी शिविरों में रहने को मजबूर हो चुके हैं। स्थानीय मैतीय व जनजातीय कुकी समुदाय के बीच एसटी का दर्जा दिए जाने को लेकर आये एक अदालती फैसले के बाद छिड़ी हिंसा इस स्तर तक पहुँच गयी कि वहां सत्ता से लेकर शासन प्रशासन, पुलिस आदि सभी जगहों पर जातीय स्तर पर विभाजन की रेखायें खिंच गयी हैं। खबरें तो यहाँ तक हैं कि सुरक्षा बलों व पुलिस ने अपनी अपनी जातियों के लोगों को संवेदनशील हथियार तक बाँट दिए हैं। कुछ चतुर राजनीतिज्ञ व विश्लेषक इस हिंसा को हिन्दू व ईसाई संघर्ष के रूप में भी परभाषित कर रहे हैं।

तनवीर जाफरी
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

उविगत लगभग दो महीने से भारत का प्रमुख पुर्वोत्तरीय सीमावर्ती राज्य मणिपुर हिंसा की अभूतपूर्व आग में जल रहा है। यहां फैली अराजकता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कई सेनाधिकारी मणिपुर की तुलना सीरिया, लेबनान व नाइजीरिया जैसे अशांत देशों के हालात से कर रहे हैं। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के एक केंद्रीय मंत्री, मणिपुर राज्य की भाजपा सरकार के राज्य मंत्री, भाजपा के कार्यालय और भाजपा विधायकों के घर उपद्रवियों द्वारा आग के हवाले किये जा चुके हैं। खबरों के अनुसार एक हजार से अधिक घर फूंके जा चुके हैं जबकि 30 हजार से भी ज्यादा लोग शरणार्थी शिविरों में रहने को मजबूर हो चुके हैं। स्थानीय मैतीय व जनजातीय कुकी समुदाय के बीच एसटी का दर्जा दिए जाने को लेकर आये एक अदालती फैसले के बाद छिड़ी हिंसा इस स्तर तक पहुँच गयी कि वहां सत्ता से लेकर शासन प्रशासन, पुलिस आदि सभी जगहों पर जातीय स्तर पर विभाजन की रेखायें खिंच गयी हैं। खबरें तो यहाँ तक हैं कि सुरक्षा बलों व पुलिस ने अपनी अपनी जातियों के लोगों को संवेदनशील हथियार तक बाँट दिए हैं। कुछ चतुर राजनीतिज्ञ व विश्लेषक इस हिंसा को हिन्दू व ईसाई संघर्ष के रूप में भी परभाषित कर रहे हैं और ईसाई मिशनरी द्वारा कथित तौर पर कराये जाने वाले धर्मांतरण को इस हिंसा का कारण बता रहे हैं। और इस तरह का विश्लेषण करने वाले लोग एक बार फिर पंडित नेहरू को वर्तमान मणिपुर संकट का जिम्मेदार बताने की कोशिश में भी जुट गए हैं। बहरहाल चीन व म्यांमार जैसे देशों के सीमावर्ती इस अशांत राज्य में अब तक दो सौ से अधिक लोगों के मारे जाने व तीन हजार से ज्यादा लोगों के जख़्मी होने का भी समाचार है।

परन्तु मणिपुर में तो डबल इंजन की सरकार है? केंद्र व राज्य दोनों ही जगह भारतीय जनता पार्टी सत्तारूढ़ है? भाजपा तो स्वयं राज्य के विकास के लिये ह्यडबल इंजन ह्य की सरकार यहाँ तक कि भाजपा स्थानीय स्वायत शासन, जिला परिषद् व नगर निगम /पालिकाओं के चुनाव में ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने की अपील जनता से यही बताकर करती है कि एक ही पार्टी की सरकारों से विकास होगा, कानून व्यवस्था सुधरेगी आम लोगों की सभी जरूरतें पूरी होंगी आदि। फिर क्या वजह है कि मणिपुर इतना जलने लगा कि उस की तुलना सीरिया, लेबनान व नाइजीरिया जैसे देशों के हालात से की जाने लगी? पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मणिपुर को जलता हुआ छोड़कर अमेरिका का दौरा किया। वहां संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग के द्वारा विश्वशांति स्थापित करने की बात की। प्रधानमंत्री द्वारा विश्वशांति की बातें करने से पहले क्या अपने ही देश के राज्य मणिपुर में शांति की अपील जरूरी नहीं थी? गौरतलब है कि 10 जून से ही भाजपा सहित राज्य के सभी विपक्षी दलों के नेता प्रधानमंत्री से मणिपुर के हालात पर चर्चा करने हेतु उनसे मिलने का समय मांग रहे थे। परन्तु वह बिना किसी से मिले व मणिपुर के लिये कोई सन्देश दिये बिना ही मणिपुर को जलता छोड़ अपनी अमेरिका यात्रा पर चले गये।

यह भी देखा गया है कि यदि ऑस्ट्रेलिया अथवा कनाडा में किसी मंदिर पर हमले के खबर आती है तो सरकार की ओर से अपना विरोध दर्ज कराया जाता है। इसी वर्ष मार्च में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर थे तो उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीज के साथ हुई अपनी द्विपक्षीय वार्ता के दौरान ऑस्ट्रेलिया में गत दिनों हिंदू मंदिरों पर हुए हमले का मुद्दा उठाया था। पीएम मोदी ने स्वयं कहा था कि - मैंने ऑस्ट्रेलिया में मंदिरों पर हमले की रिपोर्ट देखी है। मैंने इस मुद्दे को प्रधानमंत्री अल्बानीज के सामने उठाया। उन्होंने मुझे भरोसा दिलाया है कि ऑस्ट्रेलिया में भारतीय समुदाय की सुरक्षा और भलाई उनकी प्राथमिकता है।

ऐसे में मणिपुर के लोगों का यह सवाल क्या स्वाभाविक नहीं कि जब भारतीय राज्य मणिपुर में कथित तौर पर 600 से अधिक चर्च व मंदिर जलाये व तोड़े जा चुके हों इन हालात में क्या प्रधानमंत्री द्वारा राज्य के मुख्यमंत्री को तलब नहीं करना चाहिये? क्या उन्हें राज्य की जनता से शांति की अपील नहीं करनी चाहिये? कितना दुखद है कि राज्य में हिंसा शुरू होने के 26 दिनों बाद गृह मंत्री द्वारा राज्य का दौरा किया गया। वे वहाँ तीन दिन रुके भी। परन्तु स्थिति नियंत्रित होने के बजाये हिंसा और भी बढ़ गयी। पूरा राज्य बंद, ब्लॉकेड, प्रदर्शन, भीड़ तंत्र, आगजनी, लूट, हिंसा व रक्तपात की भेंट चढ़ गया।

मणिपुर में जारी इसी हिंसा के दौरान गत 18 जून को प्रधानमंत्री ने जनता से इकतरफा संवाद का अपना कार्यक्रम मन की बात पेश किया। मणिपुर में कई जगहों पर प्रदर्शनकारियों ने इस अवसर पर ह्यमन की बात प्रसारित करते हुये सैकड़ों ट्रांजिस्टर, रेडिओ व मोबाइल को सड़कों पर तोड़ कर प्रधानमंत्री के पसंदीदा कार्यक्रम मन की बात के प्रति अपना रोष जताया। उधर प्रधानमंत्री ने भी मन की बात में मणिपुर हिंसा का कोई जिक्र करना या मणिपुर की जनता से शांति की अपील करना तक मुनासिब नहीं समझा। जबकि कांग्रेस नेता सोनिया गाँधी व राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के नेताओं द्वारा राज्य की जनता से शांति की अपील भी की गयी।

मणिपुर की डबल इंजन की सरकार के मुखिया भाजपा नेता मुख्यमंत्री बीरेन सिंह स्वयं यह स्वीकार कह चुके हैं कि राज्य में फैली हिंसा इंटेलिजेंस व सुरक्षा एजेंसियों की नाकामी का परिणाम है। परन्तु मुख्यमंत्री की इस स्वीकारोक्ति के बावजूद केंद्र सरकार राज्य की सरकार को बर्खास्त करने व राष्ट्रपति शासन लगाने में अपनी तौहीन समझ रही है। हां गृह मंत्री अमितशाह ने गत 24 जून को मणिपुर के विषय पर एक सर्वदलीय बैठक जरूर बुलाई। इस बैठक में जहां सरकार की ओर से उठाए गये कदमों की जानकारी दी गयी वहीं विपक्षी दलों ने यह मांग की कि मणिपुर के वास्तविक हालात को समझने के लिये एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल मणिपुर भेजा जाना चाहिए।

इन परिस्थितियों में यह सवाल भी स्वभाविक है कि यदि यही स्थिति बंगाल में होती तो क्या केंद्र सरकार ममता बनर्जी को चैन से बैठने देती? जोकि राज्य के पंचायत चुनावों पर राजभवन के माध्यम से पूरी निगरानी रख रही है? यदि इसी तरह सरकारी शस्त्र कश्मीर, केरल या बंगाल में उपद्रवियों के हाथ लग गये होते तो सरकार सहित इस समय जलते मणिपुर पर चुप्पी साधे बैठा देश का ह्यगोदी मीडियाह्न कितना विलाप कर रहा होता? दरअसल मणिपुर की हिंसा मैतेई और कुकी समुदायों की जंग नहीं बल्कि भाजपा की नीतियों व मुख्यमंत्री की नाकामियों का परिणाम है। कहीं ऐसा न हो कि यह हिंसा राज्य के नागा व दूसरे समुदायों में व शेष पूर्वोत्तर राज्यों में न फैल जाये। यदि केवल सत्ता के लिए यहां भी बहुसंख्यवाद का खेल खेलने की कोशिश की जा रही है तो यह इस सीमावर्ती राज्य के लिये ही नहीं बल्कि पूरे पूर्वोत्तर के लिये खतरनाक साबित होगा। सरकार की पहली जिम्मेदारी है कि राज्य में परस्पर विश्वास बहाली स्थापित करे, राज्य से लगती सभी सीमाओं को सील करे। लोगों को निःशस्त्र करे और लूटे व बांटे गये हथियारों को वापस ले। राज्य की सरकार को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लगाये और कानून व्यवस्था सेना के हवाले करे। और यह स्वीकार करे कि उसका डबल इंजन फामूर्ला पूरी तरह फेल साबित हुआ है। अन्यथा देश में सुनाई दे रही अखंड भारत की अंतर्ध्वनि के मध्य सुलगता हुआ मणिपुर सरकार की मंशा और उसकी हकीकत को साफ परिलक्षित कर रहा है।

केंद्र सरकार की संजीदगी, बच्चियों की खुशहाल होती जिंदगी

डॉ. निवेदिता शर्मा

आधुनिक भारत में स्त्री शिक्षा के लिए नई शुरूआत महाराष्ट्र से सावित्री बाई फुले ने 19वीं सदी में आरंभ की थी। 1848 में उन्होंने बालिकाओं के लिए एक विद्यालय की स्थापना की थी। आधुनिक भारत के उस पहले खोले गए बालिका विद्यालय से लेकर आज तक देश भर में हजारों नहीं लाखों विद्यालय खुल चुक हैं। समय भी जैसे पंख लगाकर उड़ता रहा और देखते ही देखते 175 वर्ष भी बीत गए। पीढ़ियां गुजरने का अनुमान लगाएं तो इस बीच सात पीढ़ियों का नवागमन हुआ, किंतु इसके बाद भी वर्तमान समय में स्त्री शिक्षा एक बड़ा विषय बनी हुई है। क्योंकि वह अभी भी पुरुष साक्षरता की तुलना में पीछे ही हैं।

देश में अनेक स्थानों पर पाया गया है कि बेटियां 12वीं ही नहीं पास कर पाती हैं। कहीं, आर्थिक संसाधन रोड़ा हैं, कहीं स्कूल की दूरी और कहीं माता-पिता का रोजगार के लिए पलायन करते रहने की मजबूरी, किंतु इन सभी कारणों से यदि कोई सबसे अधिक प्रभावित होता है तो वे हैं बच्चे। इसमें भी एक बेटी शिक्षित होना क्यों जरूरी है? वास्तव में इसकी गहराई को हम सभी को समझने की आवश्यकता है। किसी भी देश की लगभग आधी जनसंख्या महिलाओं की होती है और यदि इस आधी आबादी को निरक्षर या अशिक्षित छोड़ दिया जाए तो उस देश की प्रगति क्या और कैसी होगी यह अंदाजा सहज लगाया जा सकता है।

इस विषय से संबंधित अब तक हुए सभी शोधों का निष्कर्ष एक ही है कि किसी भी परिवार में स्त्री के शिक्षित होने से संपूर्ण परिवेश बदल जाता है, परिवार में अच्छे गुणों का विकास होता है, बच्चों को छोटी-छोटी जानकारियों के लिए किसी अन्य पर निर्भर नहीं रहना होता। पिता के पास में नहीं होने की स्थिति में मां एक गुरु की भांति उसकी समस्त जिज्ञासाओं को शांत कर देती है। संभवतः यही कारण है कि एक बच्चे के लिए उसकी मां को उसके जीवन में प्रथम गुरु का स्थान परंपरा से दिया जाता रहा है। वैसे भी बच्चे किसी भी परिवार में पिता की तुलना में मां के पास ही ज्यादा रहते हैं, इसलिए भी एक स्त्री का शिक्षित होना आवश्यक है।

बच्चियों की शिक्षा को लेकर भारत में पिछले दशक की तुलना में इस बीते दशक में तेजी से परिवर्तन देखने को मिला है, यह परिवर्तन जैसे हर क्षेत्र में हो रहा है वैसे ही शिक्षा जगत में भी तेजी से होता हुआ दिखाई दे रहा है। परिवर्तन की इस बेला में निजी संस्थानों का जहां अपना महत्व है, वहीं नीतिगत रूप से शासकीय संस्थानों द्वारा समय-समय पर लिए ग

संक्षिप्त खबरें

बारिश के दौरान घर की छत गिरने से दो बच्चोंर की मौत, तीन अन्य लोग घायल

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले के न्यू मंडी थाना क्षेत्र के एक गांव में बारिश के दौरान मकान की छत गिरने से एक ही परिवार के दो बच्चों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मुजफ्फरनगर के उप जिलाधिकारी (एसडीएम) परमानंद झा ने रविवार को बताया कि न्यू मंडी थाना क्षेत्र के नसीरपुर गांव में एक घर की छत गिरने से उवैस (14) और असलम (13) की मौत हो गई, जबकि परिवार के तीन अन्य सदस्य-इदरीस (40), करीना (11) और समरीन (16) घायल हो गए। झा के मुताबिक, यह हादसा रविवार तड़के हुआ। उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों बच्चों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है।

सड़क पर खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराई कार, दो बच्चों समेत चार लोगों की मौत

उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात एक वैगन-आर कार मुरादाबाद-फरुर्खाबाद मार्ग पर खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गई, जिससे उसमें सवार दो बच्चों2 और दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए। सिविल लाइंस थाना के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) गौरव बिश्नोई ने रविवार को बताया कि शनिवार को देर रात लगभग एक बजे एक वैगन-आर कार मुरादाबाद-फरुर्खाबाद मार्ग पर दहेमी गांव के पास खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा टकराई। बिश्नोई के मुताबिक, इस हादसे में सूरजश्री (50), शशि यादव (25), हर्ष (10) और अरणव (छह) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नीतल, जितेंद्र आरू (2) गंभीर रूप से घायल हो गए। एसएचओ ने बताया कि सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां से दो घायलों को हायर सेंटर रेफर किया गया है। उन्होंने कहा कि हादसे के शिकार लोग अर्सिस बर्खिन गांव के रहने वाले हैं और एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद कार से अपने घर घट लौट रहे थे।

बिजली कटौती को लेकर लोगों ने सड़क जाम कर किया हंगामा

शहर में बेतहाशा बिजली कटौती से जनता परेशान है। बिजली समस्या को लेकर रविवार को भारी संख्या में लोगों ने सड़क जामकर हंगामा शुरू कर दिया। जाम की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने का प्रयास किया। सिटी मजिस्ट्रेट के आश्वासन पर लोगों ने जाम को खोल दिया है। उरई नगर में बिजली कटौती को लेकर मोहल्ला इंदिरा नगर के लोगों ने राठ रोड ओवर ब्रिज पर जाम लगा दिया। दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद भी पुलिस-प्रशासन जाम को नहीं खुलवा सकी। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने बिजली विभाग चोर... के नारे लगाए। हंगामे की सूचना पाकर मौके पर पुहंचे सिटी मजिस्ट्रेट रामप्रकाश के आश्वासन के बाद लोग शांत होकर सड़क से हट गए। स्थानीय लोगों ने सिटी मजिस्ट्रेट को अवगत कराया कि पिछले एक महीने से विद्युत की लगातार कटौती की जा रही है। भीषण गर्मी के मौसम में बिजली कटौती से जीना दुश्वार हो गया है। बेतहाशा बिजली कटौती से बच्चे-बूढ़े सब परेशान हैं।

भाजपा ने मनाया काला दिवस, याद किया भारतीय लोकतंत्र और राजनीति के सबसे दुःखद आपातकाल का काला दिन

जौनपुर, एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी जौनपुर का सीहीपुर स्थित भाजपा कार्यालय पर जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह के अध्यक्षता में आपातकाल पर काला दिवस मनाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में केन्द्रीय शिक्षा राज्यमंत्री अन्नपूर्णा देवी रही। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि एवं जिलाध्यक्ष के साथ मंचासीन लोगो ने डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पण्डित दीन दयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्पार्चन एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ की गई। उसके उपरान्त सामूहिक रूप से वंदे मातरम की गीत हुई। तसपश्चात जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह एवं कार्यकताओं द्वारा मुख्य अतिथि का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि इतिहास में 25 जून का दिन भारत के लिहाज से महत्वपूर्ण है। देश में 25 जून 1975 से 21 मार्च 1977 तक की 21 महीने की अवधि के लिए आपातकाल लागू था। तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार की सिफारिश पर भारतीय संविधान के अनुच्छेद 352 के तहत देश में आपातकाल की घोषणा की थी। आज का दिन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास के लिए किसी काले पन्नो से कम नहीं है। इस दिन को यादकर हर भारतीय का सिर शर्म से झुक जाता है। यह समय तत्काालीन इंदिरा गांधी सरकार की मनमानियों का दौर था। उस वक्त सरकार के खिलाफ उठने वाली हर आवाज को दबा दिया गया था। उन्होंने आगे कहा कि करीब साढ़े चार दशक पहले आज के ही दिन देश के लोगों ने रेडियो पर एक ऐलान सुना और पूरे मुल्क में खबर फैल गई कि भारत में आपातकाल की घोषणा कर दी गई है। सालों बाद भले ही देश के लोकतंत्र की गरिमामयी तस्वीर दुनिया को दिखाई देती है। लेकिन, आज भी अतीत में 25 जून का दिन लोकतंत्र के काले अध्याय के रूप में ही दर्ज है।

देश में 21 महीने तक इमरजेंसी लागू रही। इंदिरा गांधी का न्यायपालिका से टकराव ही इमरजेंसी की पृष्ठभूमि बना थाः सुरेन्द्र प्रताप सिंह सबसे कम उम्र के आपातकाल के बंदी एवं पूर्व विधायक सुरेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का कुछ कारणों से न्यायपालिका से टकराव शुरू हो गया था। यही टकराव इमरजेंसी की पृष्ठभूमि बना था। 1971 के चुनाव में इंदिरा गांधी की जीत पर सवाल उठाते हुये प्रतिद्वंद्वी राजनारायण ने 1971 में अदालत का दरवाजा खटखटाया था। उन्होंने अपनी याचिका में आरोप लगाया था कि इंदिरा गांधी ने चुनाव जीतने के लिए गलत तरीकों का इस्तेमाल किया है। मामले की सुनवाई हुई और इंदिरा गांधी के चुनाव को निरस्त कर दिया गया। इस फैसले से आक्रोशित होकर ही इंदिरा गांधी ने इमरजेंसी लगाने का फैसला किया। इंदिरा गांधी इतना क्रोधित हो गई थीं कि अगले दिन ही उन्होंने बिना कैबिनेट की औपचारिक बैठक के आपातकाल लगाने की अनुशंसा राष्ट्रपति से कर डाली। इस पर राष्ट्रपति ने 25 जून और 26 जून की मध्य रात्रि में ही अपने हस्ताक्षर कर डाले। इस तरह देश में पहला आपातकाल लागू हो गया। जेल में डाले गए जेपी, अटल और आडवाणी : पुष्पराज सिंह जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने कहा कि आपातकाल के ऐलान के साथ ही नागरिकों के मौलिक अधिकार निलंबित कर दिए गए थे। अभिव्यक्ति का अधिकार ही नहीं, लोगों के पास जीवन का अधिकार भी नहीं रह गया था। 25 जून की रात से ही देश में विपक्ष के नेताओं की गिरफ्तारियों का दौर शुरू हो गया था। जयप्रकाश नारायण, अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, जॉर्ज फनार्डीस सरीखे बड़े नेताओं को जेल में ठूंस दिया गया था। जेलों में जगह तक नहीं बची थी। आपातकाल के बाद प्रशासन और पुलिस के भारी उत्पीड़न की कहानियां सामने आई थी प्रेस पर सेंसरशिप लगा दी गई थी। हर अखबार में सेंसर अधिकारी बैठा दिया गया। उसकी अनुमति के बाद ही कोई समाचार छप सकता था सरकार विरोधी समाचार छापने पर गिरफ्तारी हो सकती थी। यह सब तब थम सका, जब 23 जनवरी, 1977 को मार्च महीने में चुनाव की घोषणा हो गई। कार्यक्रम का संचालन सुशील मिश्रा ने किया। कार्यक्रम में लोकत्रंत सेनानियों को सम्मानित करने वाले राज्य मंत्री गिरीश चन्द्र यादव, राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी, विधायक गण रमेश सिंह बृजेश सिंह प्रिन्सु ने किया। निम्न लोकतंत्र सेनानी सुरेंद्र प्रताप सिंह, लक्ष्मी शंकर, राजदेव यादव, हरिशंकर यादव, रामसागर तिवारी, मुरलीराम, राजाराम, मिश्रदयाल, लक्ष्मी नारायण, राजबहादुर यादव, रमेश चंद्र मौर्या, माता प्रसाद, पूल्लू राम यादव, आद्याप्रसाद मिश्रा, रमेश चंद्र उपाध्याय, ब्रह्मानंद ओझा, राम जियावन पाल, राम प्रसाद पाल, जनार्दन तिवारी, बलराम चौरसिया, जयप्रकाश तिवारी, इंद्रपाल सिंह, छोटे लाल यादव, गजराज मौर्या, मिठाई लाल, छोटे लाल शुक्ला, राधेश्याम प्रजापति, रामस्वारथ मौर्या, राम अनुज यादव, राजेंद्र प्रसाद, लल्लन यादव, रतिराम यादव, रामजतन, दयाराम, कैलाश नाथ सिंह, रामचेत चौधरी, श्रीमती मनराजी, हीरालाल यादव, दुखरन यादव, उदय भान सिंह, देवी प्रसाद मिश्र, रामामूरत तिवारी, श्रीमती लालती, त्रिभुवन नाथ मौर्या, शेष नारायण, उमाशंकर यादव, लालता प्रसाद यादव, वंशराज सिंह, श्रीमती विद्यावती सिंह, ज्ञानदेव तिवारी, जयंती प्रसाद मौर्या, सत्य प्रकाश श्रीवास्तव, विमल देव तिवारी, भगवती प्रसाद यादव, राम प्रसाद यादव, मदन मोहन यादव, सभाजीत यादव, राम शबद यादव, रामसिंगार यादव को सम्मानित किया गया।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसीआर सोमवार से महाराष्ट्र के दो दिवसीय दौरे पर जाएंगे

औरंगाबाद, एजेंसी

तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) सोमवार से महाराष्ट्र के दो दिवसीय दौरे पर जाएंगे। इस दौरान वह पंढरपुर और तुलजापुर की यात्रा करेंगे। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के एक पदाधिकारी ने यह जानकारी दी। बीआरएस अगले साल होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों से पहले महाराष्ट्र में पैठ बनाने की कोशिश में जुटी हैं। बीआरएस पदाधिकारी ने बताया कि राव सोमवार को उस्मानाबाद जिले के ओमेरगा पहुंचेंगे और फिर सोलापुर के लिए रवाना होंगे। इसके बाद, वह मंगलवार को सोलापुर के पंढरपुर शहर में भगवान विट्ठल के मंदिर जाएंगे और पूजा-अर्चना करेंगे। उन्होंने बताया कि राव, सोलापुर के सरकोली गांव में स्थानीय स्तर पर आयोजित एक कार्यक्रम में भी हिस्सा लेंगे और बाद में उस्मानाबाद के तुलजापुर के लिए प्रस्थान करेंगे, जहां वह मंगलवार दोपहर को प्रसिद्ध तुलजा भवानी मंदिर में दर्शन करेंगे। पदाधिकारी ने बताया कि राव ने तेलंगाना से बाहर संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से 15 जून को नागपुर में पार्टी के पहले कार्यालय का उद्घाटन किया था। गौरतलब है कि पिछले साल दिसंबर में, केसीआर के नेतृत्व वाली पार्टी ने अखिल भारतीय पार्टी बनने के उद्देश्य से पार्टी का नाम तेलंगाना राष्ट्र समिति से बदलकर भारत राष्ट्र समिति कर लिया था। इसके अलावा, राव ने हाल में महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में रैलियां की और किसानों और दलितों के मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार की आलोचना की।

वृन्दावन में मठ और मन्दिर की बिक्री रोकने में योगी ने मांगा संतों का सहयोग

मथुरा, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वृन्दावन में संतों के साथ जलपान ग्रहण करने के दौरान कहा है कि वृन्दावन में मठ और मन्दिर नहीं बिकने चाहिए। मुख्यमंत्री की संतों से हुई चर्चा का विवरण रविवार को देते हुए अखिल भारतीय चतुःसम्प्रदाय के अध्यक्ष फूलडोल महराज ने बताया कि मुख्यमंत्री ने संतों से इसकी जिम्मेदारी लेने का अनुरोध किया और कहा कि जो माफिया दबाव डालकर खरीदना चाहेगा, उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। उन्होंने बताया कि वृन्दावन कॉरीडोर पर भी मुख्यमंत्री से चर्चा हुई तथा उन्होने स्वयं कहा कि कॉरीडोर तो बनना ही चाहिए क्योंकि इससे तीर्थयात्रियों को सुविधा मिलेगी किंतु दुकानदारों को दुकान एवं मुआवजा तथा बांकेबिहारी मन्दिर के सेवादारों को मकान के लिए समुचित मुआवजा भी मिलना चाहिए। संत ने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री ने चौरासी कोस परिक्रमा के जीर्णोद्धार कार्यक्रम में संतों से सहयोग की अपेक्षा की और कहा कि सरकार तो कार्यक्रम करती है पर स्थानीय स्तर पर कोई अड़चन न हो तथा परिक्रमा के मूल स्वरूप में बदलाव न हो इसके लिए संतों को भी सहयोग करना चाहिए। बकौल संत फूलडोल महाराज योगी ने तो यहां तक कहा कि वे ब्रज के उत्थान के लिए समर्पित हैं। मुख्यमंत्री ने कुंभ क्षेत्र में वृक्षारोपण करने का भी आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने जहां दीनदयाल वेटेरिनरी यूनिवर्सिटी में वृक्षारोपण भी किया वहीं उन्होंने वृन्दावन में परिक्रमा मार्ग पर जल निगम अर्बन द्वारा बनाई जा रही सीवर लाइन का भी निरीक्षण किया। सीवरलाइन का प्रतिस्थापन 500 मिमी से 600 मिमी व्यास का है जो 1420 मीटर लम्बी होगी तथा जिसमें 40 मेनहोल बनाए जाएंगे। इस परियोजना में सीवर लाइन के कुल प्रतिस्थापन में से 1220 मीटर को परिक्रमा मार्ग पर बदला जाना है। निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री पर्यटक सुविधा केन्द्र गए जहां उन्होंने संतों से विचार विमर्श के साथ जलपान भी किया। मुख्यमंत्री ने शनिवार की देर शाम श्रीकृष्ण जन्मभूमि में भागवत भवन मन्दिर में पूजन अर्चन किया तथा बाद में उ0प्र0 व्रज तीर्थ विकास ट्रस्ट द्वारा श्रीकृष्ण जन्मभूमि परिसर में निर्मित हाल में ध्वनि एवं प्रकाश कार्यक्रम का लोकार्पण भी किया।

कांग्रेस ने मुझे भी 16 महीने जेल में डाला था : राजनाथ

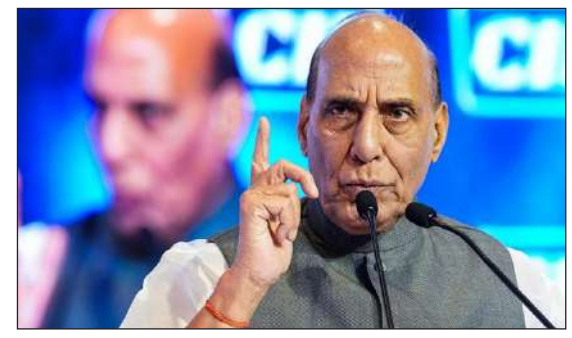

लखनऊ, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में कागारौल ग्रामीण क्षेत्र में रविवार को जनसभा में कांग्रेस को जमकर आड़े हाथों लेते हुए कहा कि आज ही के दिन कांग्रेस ने देश में आपातकाल लगाते हुए लोकतंत्र की हत्या की थी, यह काला अध्याय सदैव याद रखा जाएगा। केंद्र सरकार के नौ वर्ष पूरे होने पर भाजपा महा जनसंपर्क अभियान चला रही है। इस अभियान को और गति देने के लिए रविवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह यहां आए। उन्होंने अपनी पहली जनसभा फतेहपुरसीकरी लोकसभा क्षेत्र के कागारौल में करते हुए कहा कि आज 25 जून का दिन है। इसी दिन 1975 में आपातकाल लगाया गया था और लोकतंत्र का गला घोंट दिया गया था। मैंने भी 16 महीने जेल में बिताए थे। श्री सिंह ने कहा कि कांग्रेस पटना में प्रधानमंत्री नरेन्र्य मोदी को हटाने के लिए बैठक कर रही है। कहती है देश में लोकतंत्र नहीं तो हिमाचल, राजस्थान, कर्नाटक में उनकी सरकार कैसे बनी। प्रधानमंत्री मोदी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का मान बढ़ाया है। देश को आर्थिक रूप से भी सशक्त बनाया है। वर्ष 2014 में अर्थव्यवस्था में 11वें स्थान पर रहा देश आज पांचवें स्थान पर आ चुका है। रक्षामंत्री ने कहा कि देश की सीमाएं सुरक्षित है। पाकिस्तान ने उरी में कायराना हरकत की थी तो हमने सीमा के अंदर घुस के आतंकवाद का सफाया किया। गांव, गरीब, किसान के लिए काम हो रहा है मुफ्त राशन मिल रहा है कुछ लोग तो बेच भी ले रहे हैं। उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुरुस्त बनाया है। किसी भी राज्य के विकास के लिए यह सबसे जरूरी है। रक्षा मंत्री आज ही शाम को आगरा लोकसभा क्षेत्र में दूसरी जनसभा भी करने जा रहे हैं। यह जनसभा जीआईसी मैदान पर होनी है।

महिला की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या, छत के रास्ते घुसे बदमाश

प्रात : किरण संवाददाता

गजरौला। कोतवाली इलाके में भानपुर फाटक के पास एक महिला की दिन दहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। महिला का शव उसके ही घर में लहूलुहान हालत में पड़ा मिला। घटना के वक्त परिवार के लोग बाहर गए हुए थे। फिलहाल घटना के बाद एसपी, एएसपी, सीओ, फोरेंसिक टीम, एसओजी और सर्विलांस की मौके पर जांच पड़ताल में जुटी है।थाना क्षेत्र के गांव मीरपुर बल्दाना निवासी नरेंद्र सिंह नगर के मौहल्ला गंगानगर में आदर्श बेंकेट हॉल के सामने मकान है। नरेंद्र सिंह नगर में ही खल का काम करते हैं। रविवार की दोपहर नरेंद्र सिंह दुकान पर थे।जबकि सास राधा बाजार गईं थीं। साथ ही पति अमित अपनी दादी को लेकर गांव गया था।घर पर सिर्फ अमित की पत्नी कोमल थीं। दोपहर किसी समय अज्ञात बदमाश घर में घुसे और कोमल की गोली मारकर हत्या कर दी। उसका शव घर के एक कमरे में बेड पर लहूलुहान हालत में पड़ा मिला। जबकि पास के कमरे में समान बिखरा था। घटना के बाद मौके पर पहुंचे ससुराल के लोग महिला को गजरौला सीएचसी ले गए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गोली महिला के सिर पर लगी थी।घटना के बाद मौके पर पहुंचे मायके पक्ष के लोगों ने अज्ञात बदमाशों पर लूटपाट कर हत्या करने का आरोप लगाया है। फिलहाल मौके पर एसपी, एएसपी, सीओ समेत तमाम पुलिस बल मौजूद है।

यात्रीशेड से टकराई टाटा मैजिक, चालक की मौत

प्रात : किरण संवाददाता

डिडौली। दिल्ली से रुद्रपुर जाते समय चालक को नींद की झपकी आने की वजह से टाटा मैजिक अनियंत्रित होकर हाईवे किनारे बने यात्रीशेड से टकरा गई। हादसे में ऊधम सिंह नगर के चालक की मौत हो गई। जबकि परिचालक घायल हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायल को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। टाटा मैजिक में डबल बेड पर गद्दे भरे हुए हैं।जनपद ऊधम सिंह नगर के रणमंदिर शक्ति मार्ग निवासी दिनेश उर्फ विश्वास टाटा मैजिक चलाते थे। जनपद के सितारगंज निवासी माधव सरकार परिचालक है। पुलिस के मुताबिक दोनों शनिवार की रात छोटे हाथी में दिल्ली से बेड के गद्दे लादकर रुद्रपुर जा रहे थे। जैसे ही वह डिडौली कोतवाली क्षेत्र में डीएनएस कॉलेज के सामने पहुंचे तभी टाटा मैजिक को चला रहे दिनेश उर्फ विश्वास को नींद की झपकी आ गई। जिस कारण टाटा मैजिक अनियंत्रित होकर हाईवे किनारे बने यात्रीशेड से टकरा गई। हादसे में टाटा मैजिक पलट कर क्षतिग्रस्त हो गया।जबकि दिनेश उर्फ विश्वास व माधव सरकार गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और दोनों को कैबिन से निकालकर जोया के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने चालक दिनेश उर्फ विश्वास को मृत घोषित कर दिया।जबकि माधव सरकार का उपचार चल रहा है।सीओ सिटी विजय कुमार राणा ने बताया कि मृतक दिनेश उर्फ विश्वास के परिजनों को हादसे की जानकारी दे दी गई है।शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

राजीव गांधी के करीबी रहे पूर्व सांसद राजकरन सिंह का निधन

अमेठी, एजेंसी

कांग्रेस के वयोवृद्ध नेता और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के करीबी रहे पूर्व सांसद राजकरन सिंह का 90 साल की उम्र में निधन हो गया। कांग्रेस के एक नेता ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 1984 से 1989 तक सुलतानपुर से लोकसभा सांसद रहे सिंह ने शनिवार देर रात अमेठी जिले के मुसाफिरखाना तहसील स्थित अपने पैतृक गांव नेवादा में अंतिम सांस ली। सिंह के निधन से कांग्रेस में शोक की लहर है। पार्टी के जिला प्रवक्ता अनिल सिंह ने कहा, सिंह हम सब के संरक्षक की तरह थे। उनके निधन से पार्टी को बड़ी क्षति हुई है, जिसकी भरपाई नहीं की जा सकती। गौरीगंज से समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक राकेश प्रताप सिंह, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता एवं गौरीगंज के पूर्व विधायक तेजभान सिंह और कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष योगेंद्र मिश्रा ने भी राजकरन सिंह के निधन पर गहरा दुख जताया। उन्होंने पूर्व सांसद के निवास पर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की। वहीं, कांग्रेस महासचिव और उत्तर प्रदेश मामलों की प्रभारी प्रियंका गांधी वाद्रा ने ट्वीट कर सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने लिखा, ह्लसुल्तानपुर के पूर्व सांसद एवं श्री राजीव गांधी जी के सहयोगी रहे श्री राजकरन सिंह जी के निधन का दुखद समाचार मिला। श्री राजकरन सिंह जी ने अमेठी-सुल्तानपुर क्षेत्र में निस्वार्थ भाव से जनसेवा के कार्य किए। ईश्वर उन्हें श्रीचरणों में स्थान दे और इस दुख की घड़ी में उनके परिजनों को कष्ट सहने का साहस दे। विनम्र श्रद्धांजलि।

विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के संबंध में बैठक आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। माह जुलाई 2023 में प्रस्तावित विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान तथा संचारी रोगों व दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण एवं कार्यवाही हेतु शासन द्वारा विभिन्न विभागों को उक्त में कार्यवाही के क्रम में रविवार को नगर पालिका परिषद अमरोहा में विशेष संचारी रोग अभियान के संबंध में एक बैठक अधिशासी अधिकारी डॉ0 बृजेश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित हुई।जिसमें स्वास्थ विभाग के डॉक्टर,यूनिसेफ के अधिकारी,पालिका सभासद, आशा,आंगनवाड़ी,पालिका सफाई निरीक्षक, सफाई नायक आदि उपस्थित रहे।बैठक को संबोधित करते हुए पालिका अधिशासी अधिकारी ने बताया कि शासन के निदेर्शानुसार आगामी 1 जुलाई से 21 जुलाई तक विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान व 17 जुलाई से 31 जुलाई तक दस्तक अभियान चलाया जाएगा। 01जुलाई से आरंभ होने वाले विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान में पालिका द्वारा नालियों की विशेष सफाई एवं एंटी लार्वा का छिड़काव,मार्ग के किनारे उगी झाड़ियों की कटाई छटाई,फॉगिंग,विशेष सफाई अभियान आदि गतिविधियां संचालित की जाएंगी।17 जुलाई से आरंभ होने वाले दस्तक अभियान अंतर्गत पालिका कार्मिकों,आशा,आंगनबाड़ी, पालिका सभासदों के सहयोग से घर घर जाकर वर्षा ऋतु में घरों की साफ सफाई,घरेलू कूलरों में भरे पानी मे लार्वा की उत्पत्ति से रोकथाम की जानकारी,घरेलू पेड़ पौधों की साफ सफाई के संबंध में जानकारी साथ ही आशा आंगनबाडी द्वारा घर घर जाकर टी0बी0, बुखार, जुकाम,खांसी के रोगियों का सूचीकरण किया जाएगा जिस से उन्हें समुचित इलाज समय से किया जा सके।अधिशासी अधिकारी महोदय द्वारा इस कार्यक्रम में आम जनमानस से सहयोग की अपील की गई है।इस अवसर पर ए0सी0एम0ओ0/नोडल अधिकारी (नगरीय) डॉ0 जसकरन गंगवार,मलेरिया अधिकारी चरन सिंह यादव, अर्बन हेल्थ कोऑर्डिनेटर अहसान अली, पालिका सभासद, पालिका के सफाई निरीक्षक मोहम्मद इल्तेजा, जगत सिंह, वैशाली सोती, वरिष्ठ लिपिक छवि शर्मा, सफाई प्रभारी साजिद जिया,यूनिसेफ के बी0एम0सी0 कमर गुलरेज, सहित स्वास्थ्य विभाग व पालिका के कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

योग में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अनु चौधरी सम्मानित

प्रात : किरण संवाददाता

मुरादाबाद/अमरोहा। बेसिक शिक्षा विभाग की राज्य स्तरीय योग प्रतियोगिता में रामपुर की शिक्षिका अनु चौधरी को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया है। लखनऊ रउएफ्ळ में 15 और 16 जून को आयोजित हुई इस प्रतियोगिता में अनु ने रामपुर जिले का प्रतिनिधित्व किया था। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अनु को बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने पुरस्कृत किया है।अनु मूल रूप से अमरोहा जिले के जोया की रहने वाली हैं। इन दिनों रामपुर जिले में सैदनगर ब्लॉक के उच्च प्राथमिक स्कूल मोहम्मदपुर सुमाली में बतौर सहायक अध्यापिका पोस्टेड हैं। जनपद स्तर पर हुई योग प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के बाद उन्हें विभाग की राज्य स्तरीय योग प्रतियोगिता में रामपुर जिले का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया था।अनु अमरोहा के प्रतिष्ठित चोटीपुरा गुरुकुल महाविद्यालय की छात्रा रही हैं। उन्होंने योग गुरू बाबा रामदेव से योग की बारीकियां सीखी हैं। प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने सम्मानित किया है। इसके बाद चोटीपुरा गुरुकुल में भी उन्हें सम्मानित किया गया। बता दें कि प्राचीन आश्रम पद्धति से सिर्फ छात्राओं के लिए संचालित होने वाला चोटीपुरा गुरुकुल अलग-अलग खेलों में इंटरनेशनल लेवल की कई खिलाड़ी दे चुका है।

अमरोहा के बाजार कोट में यदुवंशी रेस्टोरेंट की ग्रांड ओपनिंग

- ब्रेकफास्ट,लंच ,डिनर उपलब्ध, बर्थडे पार्टी,किटी पार्टी के लिए एसी हाल की सुविधा

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। यदुवंशी रेस्टोरेंट का शुभारंभ (ग्रांड ओपनिंग) बाजार कोट सेंटल बैंक के सामने साई कांप्लेक्स में यदुवंशी रेस्टोरेंट के संचालक विमल यादव की माता जी श्रीमति शुशीला देवी यादव जी ने फीता काटकर किया।यदुवंशी रेस्टोरेंट के संचालक समाज सेवी विमल यादव ने कहा कि हमारे यदुवंशी रेस्टोरेंट में स्वादिष्ठ व्यंजन उपलब्ध है।तथा फास्ट फूड के साथ साथ ब्रेकफास्ट,लंच डिनर उपलब्ध है। तथा बर्थडे पार्टी किटी पार्टी आदि के लिए एसी हाल भी उपलब्ध है।यादव एकता मंच के अध्यक्ष समाज सेवी यदुवंशी रेस्टोरेंट के संचालक विमल यादव ने जानकारी देते हुए बताया।बर्थडे पार्टी किटी पार्टी के लिए हमारे यहां पर संपर्क कर सकते है।यदुवंशी रेस्टोरेंट के हवन एव पूजा अर्चना के साथ विधिवत शुभारंभ पर अतिथियों ने स्वादिष्ठ व्यंजनों का लुफ्त उठाया।इस अवसर पर शुशीला यादव, वंदना शर्मा (ईओ), इंदुबाला यादव, पारुल यादव, तनु यादव, वीरभान सिंह यादव, मस्तराम यादव, शशिकांत गोयल, योगेश जैन, धर्मेंद्र यादव, निर्मोज यादव, कपिल शर्मा, सरदार राजेंद्र सिंह छाबड़ा, डा० सी पी सिंह यादव, पूर्व बैंक प्रबंधक सी पी सिंह यादव,महेश यादव, कुंवर सिंह यादव, समर सिंह यादव, अनुराग यादव, राजवीर सिंह यादव, दिनेश यादव, राज कमल यादव, नील कमल यादव, अशोक यादव, कविंद्र सिंह लवलीन सिंह, जाने माने वरिष्ठ पत्रकार चौधरी महेंद्र सिंह, सचिन यादव, राकेश जैन, मास्टर आलोक यादव, पप्पू यादव, पिंटू यादव, बिट्टू यादव ,वाजिद अली, कसीम भाई इत्यादि सहित काफी संख्या में शहर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मुजफ्फरनगर में सड़क हादसे में दो युवकों की मौत, दो अन्य घायल

मुजफ्फरनगर, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले के ककरौली थाना क्षेत्र में रविवार सुबह एक तेज रफ्तार बस के मैजिक (छोटा ट्रक) से टकरा जाने से दो युवकों की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ककरौली थाना क्षेत्र में चोरेवाला गांव के पास दौलतपुर चौराहे पर एक तेज रफ्तार निजी यात्री बस के मैजिक (छोटा ट्रक) से टकरा जाने से दो युवकों-श्रीकृष्ण (18) और शुभम (27) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। ककरौली थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) सुनील कसाना ने पत्रकारों को बताया कि यह घटना तब हुई, जब पीड़ित जागरण कार्यक्रम में शामिल होने के बाद अपने गांव चोरेवाला लौट रहे थे। कसाना ने कहा कि हादसे में घायल दोनों युवकों की हालत गंभीर है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि बस चालक मौके पर बस छोड़कर भागने में सफल रहा। उसकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

कृषि पदाधिकारी द्वारा किसानों के साथ की गयी है घघर हकमारी : बमबम साह

कसबा(पूर्णिया) । अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के जिला अध्यक्ष सह जन चेतना क्रांति संघ के संयोजक बमबम साह ने कसबा प्रखण्ड के आम किसानों से मिलने के बाद बताया कि किसान सलाहकार टीम का हड़ताल में रहने के कारण कृषि पदाधिकारी द्वारा किसानों का घोर हकमारी किया गया है। बमबम साह ने बताया कि सरकार द्वारा किसानों को सब्सिडी पर देने वाले बीज को गलत तरीके से सिर्फ डाटा एंट्री कर ऊंचे दामों पर कालाबजारी करने की शिकायत मिला है जो हर हाल में उच्च स्तरीय जांच कराए जाने का मामला है। बमबम साह ने उक्त घोर लापरवाही को विस्तार पूर्वक बताते हुए कहा है कि अधिकृत खाज बीज दुकानदारों को सरकारी रॉब दिखाते हुए खरीफ 2023 के धान बीज वितरण में घोर लापरवाही बरतने का माध्यम बनाते हुए कृषि पदाधिकारी ने किसानों का डिमांड नंबर संग्रह कर चार से पांच क्विटल बीज का घोर कालाबजारी करने का खुलासा क्षेत्र के कई किसानों द्वारा सिर्फ कसबा प्रखंड से होने का शिकायत मिला है। जिला अध्यक्ष बमबम साह ने कहा कि सरकार द्वारा किसानों के हित में उक्त कल्याणकारी योजनाओं की घोर गड़बड़ी का तीन दिनों के अंदर यदि उच्च स्तरीय जांच कर दोषी पदाधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए वाजिब किसानो के बीच बीज वितरण नही किया गया तो 3 जुलाई से कसबा प्रखंड सहित पूरे जिले के किसानों के साथ जन आंदोलन शुरू कर दिया जाएगा। जिला अध्यक्ष बमबम साह ने निवेदन पूर्वक जिला पदाधिकारी से मांग करते हुए कहा है कि इस दिशा में स्वत संज्ञान लेते हुए 30 जून तक उचित करवाई करे ताकि किसानों का हक मारने वाले पदाधिकारियों को सबक मिल सके।

सूर्य की तपिश और गर्मी से लोग परेशान, 42 से उपर रह रहा तापमान

पूर्णिया । जिला में मानसून की अबतक पहुंच नहीं हो सकी है। पूर्णिया जिले में लगातार मौसम का पारा चढ़ा हुआ है। भीषण गर्मी और तेज धूप के कारण लोगों का घर से निकलना दूभर है। जिले में चल रहे हीट वेब के कारण तापमान 42 डिग्री के पार पहुंच गया है। दिन में न चलने वाली गर्म हवाओं के कारण से शरीर में पानी और नमी के कारण लोग डी-हाईड्रेशन के शिकार हो रहे हैं। पूर्णिया मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हर रोज करीब 10 के ज्यादा की संख्या में डी हाइड्रेशन के मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। भीषण गर्मी के कारण एक सप्ताह से मरीजों की संख्या अचानक बढ़ने लगी है, जबकि जिले के अन्य पीएचसी और प्राइवेट क्लीनिकों की संख्या अलग से हैं। इसमें सबसे अधिक डी हाइड्रेशन के मरीज रहते हैं। यदि समय पर लोग सावधानी नहीं बरते और बचाव नहीं करते हैं तो डी हाइड्रेशन का शिकार हो सकते हैं। चिकित्सकों की मानें तो यह एक ऐसी समस्या हैं जो अचानक हो जाता हैं। चिकित्सक बताते हैं कि सावधानी और समय पर इलाज से हीं जान बच सकती हैं। ज्यादातर कम उम्र के बच्चे प्रभावित पूर्णिया में इन दिनों लू जैसा हालात चल रहा हैं। तेज धूप के साथ गर्म हवा भी बह रहा हैं। ऐसे में कोई भी डी हाइड्रेशन से ग्रसीत हो सकते हैं। मानसून के आगमन तक ये परेशानी लोगों को सताती रहेगी।

सरकारी पैसा लूट कर खा रही है रुकमणी देवीः राजीव कुमार मांझी

मुंगेर। 61 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाली प्रतिभागी कोमल कुमारी महादलित परिवार से आती हैं, सड़क पर की धूल फांक रही है। जबकि 53% अंक प्राप्त करने वाली प्रतिभागी तत्कालीन सीडीपीओ के मेहरबानी और मोटी रकम के बदौलत 53% अंक के स्थान पर 63.6% अंक अंकित करवा कर आंगनबाड़ी सेविका बनकर 2013 से सरकारी राशि लूट कर खा रही है। इस तरह का एक मामला मुंगेर जिले के हवेली खड़गपुर के प्रखंड बाल विकास परियोजना कार्यालय से संबंधित होने का समाचार प्रकाश में आया है। इसकी जानकारी आरटीआई के माध्यम से प्रतिभागी कोमल कुमारी के पति राजीव कुमार द्वारा मांगी गई सूचना के आलोक में हवेली खड़गपुर के प्रखंड बाल विकास परियोजना पदाधिकारी ने दी है। राजीव कुमार मांझी ने बताया कि आरटीआई से प्राप्त जानकारी के आधार पर यह पता चला है कि वर्ष 2013 को प्रखंड बाल विकास परियोजना कार्यालय हवेली खड़गपुर से दरियापुर पंचायत 02 मांझी टोला स्थित आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 241 के लिए सेविका पद पर अभ्यार्थी के चयन के लिए सूचना प्रकाशित की गई थी। जिसमें संगीता कुमारी नीतू कुमारी रुक्मिणी देवी सुमन कुमारी कोमल कुमारी नूतन कुमारी रिमझिम कुमारी पूनम कुमारी मधु कुमारी वर्मा कृष्णा कुमारी एवं चंदा कुमारी ने सभी शैक्षणिक प्रमाण पत्र के साथ अपनी उम्मीदवारी दी थी। आरटीआई एक्टिव राजीव कुमार मांझी ने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 241 जो महादलित मांझी टोला में स्थित है, के लिए सेविका का चयन किए जाने को लेकर एक बैठक आयोजित तत्कालीन सीडीपीओ हवेली खड़गपुर द्वारा किया गया था।

बिजली गुम होते ही प्रधान डाकघर अंधेरे में तब्दील

प्रधान डाकघर की बिजली कट होते ही सभी कार्य पड़ जाते हैं ठप्प

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। सरकारी तफतरो की बिजली गुम होते ही दफ्तर का सारा कामकाज ठप पड़ जाता हैं और दफ्तर पहुंचे लोगों को बिजली आने का इन्तेजार करना पड़ता है। ये मामला जिले के सबसे बड़े डाकघर का है। जहां विभागीय कर्मी सहित आम लोगो को संबंधित कार्य के लिए तबतक इन्तेजार करना पड़ता है जबतक बिजली आ नही जाती आलम यह है कि शहर के बीच प्रधान डाकघर के विधुत व्यवस्था इतनी चरमरायी हुई हैं कि बिजली गुल होते ही सभी कार्य तबतक ठप्प रहते हैं, वहीं आम लोग कई घंटों तक लाइन में लग कर अपने जरूरी कामों को लेकर खड़े रहते हैं लेकिन भागलपुर के प्रधान डाकघर में बैठे सभी सक्षम अधिकारी का इस पर कोई संज्ञान नही लेता हैं। प्रधान डाकघर का बिजली गुम होते ही पूरा डाकघर कार्यालय अंधेरा में छा जाता है और आम लोग कई घंटों तक परेशान हो जाते हैं। वहीं डाक-कर्मी बिहार सरकार के बिजली आने का इंतजार करते दिखाई देते हैं, जबकि लाखों की लागत से तैयार सोलर प्लांट एवं जेनरेटर धूल फांक रही है, सोलर प्लांट एवं जेनरेटर रहने के बाबजूद प्रधान डाकघर का सभी काम बिहार सरकार के राम भरोसे पर चल रहा है, मामले को लेकर बताया जा रहा है कि प्रधान डाकघर में विगत कई महीनों से जनरेटर में खराबी आ जाने से रोजदिन की ये परेशानी बनी हुई है, बाबजूद अधिकारी ठीक करने के बजाय मुँह फेरे हुए हैं, वहीं आए दिन आम लोग लाईन में लगकर कई घंटों तक लोग परेशान चल रहे हैं, जबकि भागलपुर के प्रधान डाकघर में डाक महा-अध्यक्ष पूर्वी प्रक्षेत्र, डाक अधीक्षक, पोस्टमास्टर सहित सक्षम अधिकारी एक ही परिसर में पद पर मौजूद हैं, लेकिन संबंधित मामले को कोई भी सक्षम अधिकारी संज्ञान में नहीं ले रहे हैं। वहीं कार्यालय में बिजली की आँख मिचौनी से संबंधित मामले को लेकर पूछे जाने पर वरीय अधिकारी साफ तौर पर बोलने से इंकार कर देते है, और अधिकारी कैमरे में आने से बचना चाहते हैं। विगत माह पूर्व में भी उक्त मामले को प्रातः किरण की टीम ने जन समस्याओं पर ध्यान केंद्रित कर मामले को लेकर विभाग के उदासीन रवैया के विरुद्ध खबरों का प्रकाशन किया गया था, जिसको लेकर प्रधान डाक अधीक्षक ने अस्वाशन दिया था कि मामले को जल्द दरुस्त कर लिया जायेगा लेकिन आलम जस का तस अधर में लटका हुआ है।

पानी के रूप में जहर का पीने को है, मजबूर

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। जिले भर में जहां लोग पानी को लेकर त्राहिमाम हैं, वही दूसरी तरफ लोगो के बीच पानी के रूप में जहर सेवन करने को मजबूर हो रहे हैं। जिले के ग्रामीण क्षेत्र में लोगों को आसेर्नीक आयरन व गंदगी युक्त पानी का प्रयोग करना पड़ रहा है, नवगछिया पुलिस जिला अनुमंडल परिक्षेत्र के दर्जनों गांव में गंदगी युक्त पानी इस्तेमाल करने को बेवस है, मामले को लेकर बताया जा रहा है कि इलाके के गोसाईगाँव, तेतरी, भवानीपुर व नवगछिया अंतर्गत संचालित कई चापानलों से गन्दा आसेर्नीक व आयरन युक्त पानी निकल रहा है। जब इलाके के पानी की टीडीएस जाँच की गयी तो 754 पीपीएम मात्रा पानी मे पाया गया, जो शरीर के लिए बेहद खतरनाक माना जाता है, लेकिन लोग ऐसे पानी का मजबूरन सेवन कर रहे हैं। ज्ञात हो कि बिहार के मुखिया नीतीश कुमार के द्वारा संचालित सात निश्चय योजना के तहत हर घर नल का जल के तहत पानी घर घर तो पहुंचता है, लेकिन उसकी समय सीमा होती है और हजारों की आबादी को इतना पानी नहीं मिल पा रहा है। जिससे लोगों को चापाकलों के पानी का उपयोग न करना पड़े। लेकिन इलाके के कई चापाकलों के ऐसे हालात है कि उससे कीचड़ युक्त पानी निकल रहा, ऐसा पानी जो किसी काम के नहीं हैं। कई जगहों पर पिला पानी निकल रहा है। जिससे खाना बनाने पर खाना खराब हो जाता है, साथ ही कपड़ा धोने के बाद वो भी पिला हो जाता है, बर्तनों में पीलापन आ जाता है। खासकर गंगा किनारे सटे गांवों में ये हालात देखने को मिल रही हैं। वही सरकारी स्तर पर तो कई बार पीएचईडी विभाग पहल करने की बात करता है लेकिन भागलपुर में इसको लेकर योजना धरातल पर दिखाई नहीं दे रही है। जिसके कारण आए दिन जल संकट से घिरे लोगों को समय समय पर मजबूर सकड़ पर उतरने के साथ आंदोलन करने को बाध्य हो जाते हैं वही जिला व पुलिस प्रशासन अपनी नाकामी को छुपाने को लेकर उनकी आवाज बल पूर्वक दबाने की महारथ हासिल कर लेती हैं, आखिर ऐसे में न्याय की गुहार व फरियाद ले कहा जाये ये सबसे बड़ा सवाल खड़े कर रहे हैं।

एकदिवसीय सांकेतिक धरना प्रदर्शन किया आयोजन

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। निगम में दो खेमें में बट चुका है एक तरफ नगर निगम प्रशासन और दूसरी तरफ निगम के महापौर, उपमहापौर और पार्षद चल रहे है, दोनों के बीच में लगातार 36 का आंकड़ा जैसी स्थिति देखा जा रहा है, इन दिनों नगर आयुक्त और महापौर की लड़ाई में शहर वासियों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मामले को लेकर बताया जा रहा है कि विगत दो दिन पूर्व शांति समिति की बैठक की गई थी, जिसमें नगर आयुक्त ने महापौर, उपमहापौर के गैर मौजूदगी में ही आयोजित शांति समिति की बैठक नगर आयुक्त ने सम्पन्न किया था, जिससे महापौर, उपमहापौर और पार्षद काफी नाखुश चल रहे हैं। नगर आयुक्त के इस रवैया से परेशान होकर निगम भागलपुर परिसर में पार्षद एकता मंच के बैनर तले एक दिवसीय सांकेतिक धरना सह विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया गया। प्रदर्शन के दौरान शहर के सभी वार्ड के पार्षदों ने जमकर नगर आयुक्त के खिलाफ हल्ला बोल प्रदर्शन किया। वही प्रदर्शनकारी पार्षदों का कहना है कि नगर आयुक्त हमलोगों को कुछ समझते ही नहीं है, हमलोगों की किसी बातों पर अमल नहीं करते, हमलोग जनता के द्वारा चुनकर निगम उनके विकास अधिकार के लिए आए हैं, और पार्षद बने हैं। जनता के बीच जो वायदे हम लोगों ने किए हैं, हम लोग उन वादों को पूरे नहीं कर पा रहे हैं, उसका मुख्य कारण है, निगम के आलाधिकारी सह हिटलर नगर आयुक्त वी अपने हिसाब से नियम तय करना और मेयर, उप मेयर और पार्षदों की बातों को अनसुना कर चल रहे हैं, जिसके चलते ना तो शहर में सफाई हो पा रही है और न ही मूलभूत सुविधा ढंग से मिल पा रही है, साथ ही साथ प्रदर्शनकारी पार्षदों ने कहा होल्डिंग टैक्स में भी जनता को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, सभी पार्षदों ने एक सुर में कहा कि नगर आयुक्त की हिटलर शाही नहीं चलने देंगे, अगर नगर आयुक्त हम लोगों की बातों को नहीं सुनेंगे तो हम लोग सड़क से सदन तक आवाज पहुंचाएंगे, और उनके विरुद्ध प्रदर्शन बड़ा रूप लेगा, हम लोग निगम के सारे कामकाज ठप कर देंगे।

अपनी मांग को लेकर छात्रों ने प्रदर्शन करते हुए कुलपति का किया पुतला दहन

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। टीएमबीयू में विगत दिनों से स्नातकोत्तर सेमेस्टर थर की परीक्षा तिथि बढ़ाने या फिर परीक्षा के बीच गैप बढ़ाने की मांग को लेकर छात्रों का लगातार आंदोलन का दौर जारी है, जबकि सोमवार से विश्वविद्यालय द्वारा जारी तिथी के अनुसार परीक्षा होनी है और आंदोलनकारी छात्रों के द्वारा विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन के सामने कुलपति का पुतला दहन किया, साथ ही प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने मांग की गई है कि अगर परीक्षा में गैप नहीं दी गई तो छात्र संघ के समर्थन में आयोजित परीक्षा का बहिष्कार करेंगे।

वही छात्र छात्राओं का आरोप है कि कुलपति के द्वारा छात्रावास में रह रही छात्र छात्राओं को छात्रावास से बाहर निकालने की धमकी तक दी जा रही है, वही छात्रों का कहना है कि कुलपति के द्वारा तालिबानी रवैया अपनाया जा रहा है। वही छात्रों के आंदोलन को देखते हुए स्थानीय पुलिस प्रशासन सहित कई थानों की पुलिस के अलावा सीआईटी की टीम भी विश्वविद्यालय परिसर में मौजूद रही है। वही छात्रों के आंदोलन को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा प्रतिनियुक्त मजिस्ट्रेट की भी तैनाती कर दी गई है, लेकिन मौजूद पुलिस प्रशासन के द्वारा आक्रोशित छात्रों को काफी समझाने के बाद भी छात्र मानने को तैयार नहीं थे, छात्र काफी उग्र है और मांग पूरी नहीं होने पर परीक्षा बहिष्कार करने की बात कह रहे हैं। वही सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन की टीम विश्वविद्यालय परिसर में मौजूद दिखी है। अब देखने वाली बात है कि विश्वविद्यालय प्रशासन छात्रों की समस्या का निवारण करने के किस रणनीति के तहत कार्य करती हैं।

16वें दिन शिक्षकों और कर्मचारियों का रहा प्रदर्शन जारी

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। वित्त रहित अनुदानित शिक्षक कर्मचारी संघ के द्वारा टीएमबीयू के प्रशासनिक भवन में लगातार 16वें दिन भी प्रदर्शन जारी है। टीएमबीयू के अंतर्गत जितने भी एफिलिएटिड कॉलेज हैं, उन कॉलेजों के शिक्षकों व कर्मियों के लिए 3 महीने पहले आवंटित मानदेय भुगतान राशि आ चुकी है, लेकिन विश्वविद्यालय द्वारा अभी तक किसी भी शिक्षकों व कर्मचारियों को उक्त राशि का भुगतान नहीं किया गया है, जिसकी मांग को लेकर शिक्षक व कर्मचारियों का लगातार विश्वविद्यालय प्रशासन कार्यशैली के विरुद्ध प्रदर्शन जारी है। वही मामले को लेकर प्रदर्शनकारी वित्त रहित अनुदानित शिक्षक कर्मचारी संघ के अध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि कुलपति डॉ./प्रो. जवाहर लाल सिर्फ टालमटोल कर रहे हैं, उन्हें शिक्षकों के वेतन से कमीशन चाहिए, इसलिए इस तरह की बातें कर रहे हैं, उन्होंने यह भी बताया कि कुलपति का कहना है कि विश्वविद्यालय में वित्त पदाधिकारी नहीं है उनके आने के बाद ही यह आवंटित राशि मुहैया कराई जाएगी, लेकिन यह आज की बात नहीं है, विगत 3 महीने से यह टालमटोल किया जा रहा है। जिससे शिक्षकों की स्थिति काफी दयनीय हो बद से बत्तर स्थिति में गुजर रही है, वह घर परिवार चलाने में असमर्थ स्थिति में चल रहे हैं। वहीं विश्वविद्यालय के रवैये को लेकर शिक्षको व कर्मचारियों ने हल्ला बोल प्रदर्शन शुरू कर दिया है।सभी एफिलिएटिड कॉलेज शिक्षकों ने कुलपति के विरुद्ध अपनी मानदेय राशि भुगतान की मांग को लेकर हल्ला बोल प्रदर्शन करते हुए कहा है कि अगर हम लोगों की बातों को जल्द से जल्द नहीं माना गया तो विश्वविद्यालय में तालाबंदी करेंगे, और यहां के सारे कामकाज ठप कर देंगे। गौरतलब हो कि वित्त रहित अनुदानित शिक्षक कर्मचारी संघ के इस प्रदर्शन में दर्जनों शिक्षक लगातार 16 दिन से धरना प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन कुलपति का रवैया पूर्णरूपेण उदासीन बना हुआ है, जिससे अनुदानित शिक्षक कर्मचारी काफी आक्रोशित दिख रहे है।

बम ब्लास्ट की घटना में 17 वर्षीय युवक की हुई मौत ,तीन घायल

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। एक बार फिर जिले में बम ब्लास्ट की घटना घटित होने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि बबरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत हुसैनाबाद के कुरैशी इलाके में हुई बम धमाके से पूरा दक्षिण इलाका सिहर उठा है, वही बम विस्फोट की घटना में एक 17 बर्षीय युवक मो. तौसीफ की मौत मौके पर ही हो गई है। जबकि इस घटना में तीन घायल होने की जानकारी सामने आई है। जिसमें मकान के मालिक अब्दुल गनी की पत्नी सुल्ताना खातून और अब्दुल मन्नान शामिल हैं।सभी घायलों को स्थानीय लोगों व पुलिस के सहयोग से बेहतर इलाज के लिए मायागंज अस्पताल लेजाया गया है। बम विस्फोट इतना जबरदस्त था कि आसपास इलाके के 5 किलोमीटर से अधिक दूरी तक विस्फोट की गूंज सुनाई दी।

वही घर के मालिक अब्दुल गनी का साफ कहना है कि यह बम विस्फोट था और बम कहां से आया था उन्हें नहीं पता, वह मोहल्ले वाले से पूछ रहे हैं। वही इलाके के वार्ड पार्षद के पति का कहना है कि यहां पर बम का जखीरा रखा हुआ था जैसे उन्हें सूचना प्राप्त हुई है, और उसी में विस्फोट हुआ है, बम क्यों रखा गया था अभी तक कोई पुख्ता जानकारी नहीं बता पा रहा है। वही घटना को लेकर सिटी डीएसपी अपनी पुलिस टीम के साथ साथ कई थानों की पुलिस टीम घटना स्थल पर पहुंच कर मामले की जांच में लगी हुई है। वही घटनास्थल की जांच को लेकर बम स्क्वायड, एफएसएल सहित डॉग स्क्वायड टीम को मौके पर बुलाया गया है। वही इस बम विस्फोट की घटना में आसपास के घरों में भी काफी क्षति पहुंची है। वही अभी इस मामले पर पुलिस कुछ भी बोलने से बच रही है। ज्ञात हो कि उक्त इलाके में अपराधियों की वारदात को अंजाम देते रहे हैं। इलाके में चलने वाले बुच्छर खाना संचालन करने वाले लोगों से रंगदारी मांग तो, कभी बर्चस्व को लेकर तो कभी पुरानी रंजिश को लेकर गोलीबारी व बम विस्फोट की घटना घटित सामने आती रही है, लेकिन इलाके में इतनी अत्यधिक मात्रा में बम विस्फोट की घटना घटित होने किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की कोशिश चल रही थी इसके पूर्व ही बम विस्फोट की घटना ने पूरे इलाके को अचंभित कर दिया है।

अपनी मांगों को लेकर किया हल्ला बोल प्रदर्शन

भागलपुर। टीएमबीयू के विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त शिक्षक व कर्मचारी ने अपनी मांगों को लेकर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में धरना करते हुए हल्ला बोल प्रदर्शन शुरू कर दिया है। वही प्रदर्शन कर रहे सेवानिवृत्त शिक्षक व कर्मचारियों ने कहा हम लोगों को सेवांत भुगतान का लाभ नहीं दिया जा रहा है जबकि राज्य सरकार ने सारा पैसा विश्वविद्यालय को आवंटित कर दिया गया है, जबकि हम लोगों को लगातार कुलपति बरगलाने के साथ वेतनमान को लटकाने का काम कर रहे हैं। जिससे सभी सेवानिवृत्त शिक्षक व कर्मचारियों की हालत काफी दयनीय स्थिति में चल रही हैं, साथ ही प्रदर्शनकारियों ने कहा है कि हम लोगों को विगत 20 वर्षों से विश्वविद्यालय से मिलने वाली कई लाभ हम शिक्षक व कर्मचारियों को नहीं मिल पा रहा हैं। विगत 20 वर्षों में जो भी शिक्षक व कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए हैं उन सबों का कुछ न कुछ राशि बकाया है, यह तरीका विश्वविद्यालय का बिल्कुल सही नहीं है। कई कर्मी बीमार से ग्रसित है,जिन्हें ग्रेजुएटी नहीं मिला और उनका पेंशन भी अबतक चालू नहीं हुआ है, इससे आहत हो त्रस्त चल रहे हैं। वही बहुत से शिक्षक व कर्मचारी अपनी लंबी बीमारी के चलते स्वर्गवास भी हो गए है, जिनके परिवार के बीच आर्थिक स्थिति बहुत ही खराब चल रही हैं, लंबी अवधि तक विश्वविद्यालय में योगदान देने के बाद भी हम लोगों के साथ सेवानिवृत्त होने के बाद दुर्व्यवहार रवैया अपनाने के साथ शोतेला पन व्यवहार किया जाना गलत है, विश्वविद्यालय प्रशासन के इस तरह का भ्रष्टाचार अब सहन नहीं होगा, हम लोगों के हक को देना होगा, अगर हम लोगों की बातों को विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा नहीं मानी गई तो हम लोग सरकार तक आवाज उठाएंगे, वहीं सेवानिवृत्त शिक्षक संघ के संयोजक सह भूस्टा के महासचिव पवन सिंह ने कहा कुलपति से हम लोगों ने कई बार इस बारे में बात की लेकिन सामने बहुत अच्छी बातें करते हैं, लेकिन उसके बाद कागजी प्रक्रिया में वह शून्य हैं, कुलपति हम लोगों को अनदेखी करने का काम रहे हैं।

गंगा में डूबने पर एक किशोर की हुई मौत

शाहकुंड (भागलपुर)। अकबरनगर थाना क्षेत्र के कासमाबाद दियरा इलाके में गंगा स्नान के दौरान एक किशोर डुबने से मौत होने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर ग्रामीणों ने बताया कि नागलोई दिल्ली कॉलोनी शिव मंदिर के रहने वाले शांतिलाल मंडल के 15 बर्षीय पवन कुमार है, जो अपने मामा बासुदेव मंडल कसमाबाद गांव घूमने आया हुआ था। मृतक पवन कुमार कसमाबाद दियरा में सुबह के करीब आठ बजे गंगा में स्नान करने के क्रम में पवन के डूबने की जानकारी प्राप्त हुई जिसके बाद ग्रामीणों ने गंगा में काफी खोजबीन के बाद मृतक पवन के शव को गंगा नदी के पानी से बाहर निकाला लेकिन पवन की तबतक मौत हो चुकी थी।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र में कुल 35 मामले की हुई सुनवाई, 10 का किया गया निष्पादन

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया । पूर्णिया पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर आयोजित होने वाले पुलिस परिवार परामर्श केंद्र में 6 उजड़े हुए घरों को समझा-बुझाकर फिर से बसा दिया गया। प्रत्येक सप्ताह आयोजित होने वाले पुलिस परिवार परामर्श केन्द्र में कुल 35 मामले सुनवाई हुई जिसमें से 10 मामलों को निष्पादित किया गया। डगरूआ थाना क्षेत्र से आयी एक महिला ने शिकायत की कि उसके पति ने दूसरी शादी कर ली है। पति ने बताया कि उसकी बीबी बार-बार मायके चली जाती थी।

इससे तंग आकर उसने दूसरी शादी कर ली है। फिर भी पहली पत्नी अपने पति के साथ रहना चाहती है, लेकिन सौतन के साथ नहीं रहना चाहती है। इस पर पति ने तीन महीने का समय मांगते हुए कहा कि नया घर बनाने के बाद वह पहली पत्नी को अपने साथ लेकर जाएगा। तब तक 3 हजार रूपए प्रति महीना गुजारा भत्ता के रूप में दूंगा। इसका बाउंड बनाया गया। वहीं मरंगा थाना क्षेत्र के हरदा बस्ती से आयी एक महिला ने केन्द्र के सदस्यों को बताया कि उसके पति हमेशा गाली गलौज व मारपीट करता रहता है। इसको लेकर पंचायत भी बैठी फिर भी कोई फैसला नहीं हो सका। केन्द्र के सदस्यों के समझाने बुझाने के बाद दोनों एक साथ रहने को राजी हो गए।

बंध पत्र बनाकर खुशी-खुशी अपने घर को विदा हुए। कसबा थानाक्षेत्र के मजगामा बस्ती से आयी एक पति की दो बीबीयां का मामला भी केन्द्र के सदस्यों ने सुनकर निदान किया। केन्द्र के सदस्यों के समझाने के बाद छोटी बीवी ने केंद्र को विश्वास दिलाया की वह अपनी बड़ी सौतन को बड़ी दीदी की तरह मानेगी और कभी कोई शिकायत का मौका नहीं देगी। इसके बाद पति ने दोनों बीबी को रखने को तैयार हो गया। इस मौके पर पुलिस परिवार परामर्श केन्द्र की संयोजिका सह महिला थानाध्यक्ष किरण बाला, सदस्य दिलीप कुमार दीपक, स्वाती वैश्यंत्री, प्रमोद कुमार जायसवाल, रविन्द्र साह आदि उपस्थित थे।

पूर्णिया पूर्व के 45 फाइलेरिया मरीजों में एमएमडीपी किट वितरित

पूर्णिया । वेक्टर जनित गंभीर रोगों में शामिल फाइलेरिया संक्रमित मरीजों को नियमित रूप से आवश्यक उपचार की जरूरत होती है। इसके लिए उन्हें आवश्यक दवाइयों के साथ संक्रमित अंग का पूरा ध्यान रखना होता है। अच्छी तरह से ध्यान रखने पर फाइलेरिया संक्रमण को गंभीर होने से रोक जा सकता

है। इसी कार्यक्रम के तहत जिले के पूर्णिया पूर्व प्रखंड के हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर रानीपतरा में कार्यक्रम आयोजित कर 45 फाइलेरिया ग्रसित मरीजों में मोरबिडिटी मैनेजमेंट एंड डिसेबिलिटी प्रिवेंशन (एमएमडीपी) किट का वितरण किया गया। किट में लाभुकों को तौलिया, साबुन, मग, टब आदि सामग्री दी गई। सभी मरीजों को फाइलेरिया ग्रसित अंगों की देखभाल करने और आवश्यक दवाइयों का नियमित उपयोग करने की जानकारी दी गई। इस दौरान जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. आर. पी. मंडल, पूर्णिया पूर्व के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ शरद कुमार, भीडीसीओ रवि नंदन, डीभीबी डीसी सोनिया मंडल, केयर के बीसी शिव शंकर कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम में सभी फाइलेरिया मरीजों को ग्रसित अंगों के नियमित रूप से देखभाल की जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया है फाइलेरिया ग्रसित होने पर उसका सम्पूर्ण इलाज नहीं किया जा सकता। ऐसे में ग्रसित अंगों की सही तरीके से देखभाल जरूरी है। ज्यादातर लोगों के पांव फाइलेरिया से ग्रसित होते हैं जिसे आमतौर पर हाथीपांव भी कहा जाता है। ग्रसित होने पर लोगों को इसका विशेष ध्यान रखना जरूरी है। पांव को नियमित रूप से डेटॉल साबुन से साफ करने के साथ उसमें एंटीसेप्टिक क्रीम लगानी चाहिए। इससे ग्रसित अंगों का आवश्यक नियंत्रण किया जा सकता है।

जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. आर. पी. मंडल ने बताया कि फाइलेरिया मच्छरों द्वारा फैलता है। विशेष रूप से परजीवी क्यूलैक्स मादा मच्छर के काटने से। जब यह मच्छर किसी फाइलेरिया से ग्रस्त व्यक्ति को काटता है तो वह संक्रमित हो जाता है। फिर जब यह मच्छर किसी स्वस्थ व्यक्ति को काटता है तो फाइलेरिया के विषाणु रक्त के जरिए उसके शरीर में प्रवेश कर उसे भी फाइलेरिया से ग्रसित कर देते हैं। फाइलेरिया को खत्म करने के लिए कोई विशेष इलाज नहीं हैं लेकिन जागरूक रहकर बचाव करने से इससे उबरा जा सकता है। फाइलेरिया न सिर्फ व्यक्ति को विकलांग बनाता है बल्कि इससे मरीज की मानसिक स्थिति पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। यह ऐसी गंभीर बीमारी है जो किसी की जान तो नहीं लेती है, लेकिन जिंदा आदमी को मृत समान बना देती है। संक्रमित मच्छर के काटने से बहुत छोटे आकार के कृमि शरीर में प्रवेश करते हैं। ये कृमि लसिका तंत्र की नलियों में होते हैं और उन्हें बंद कर देते हैं। इस बीमारी को हाथीपांव के नाम से भी जाना जाता है। अगर समय रहते फाइलेरिया की पहचान कर ली जाए तो जल्द ही इसका इलाज शुरू कर इसे खत्म किया जा सकता है।

उक्त कार्यक्रम में चांदी पेशेंट सपोर्ट ग्रुप की सदस्य टुन्नी देवी ने स्थानीय ग्रामीणों को बताया कि फाइलेरिया बीमारी से ग्रसित लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। क्योंकि जब भी मौसम में बदलाव होता है, उस दौरान उनकी परेशानी काफी बढ़ जाती है। यदि, उन्हें शुरूआती दौर में ही फाइलेरिया की जानकारी होती तो शायद आज उन्हें इस परेशानियों से जूझना नहीं पड़ता। एक बार जब फाइलेरिया बीमारी के कारण हाथी पांव या हाइड्रोसील में सूजन हो जाती, तब उसका कोई मुकम्मल इलाज नहीं है। लेकिन हां, नियमित दवाओं के सेवन और साफ सफाई मात्र से इस बीमारी को बढ़ने से रोका जा सकता है। उन्होंने लाभुकों से अपील करते हुए कहा कि आप सभी को फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन अनिवार्य रूप से करना चाहिए। ताकि माइक्रो फाइलेरिया के परिजीवी होने से उनको नष्ट किया जा सकता है।

पुलिस को मिली बडी सफलता, सिरदर्द बना वाहन लूटकांड का हुआ भंडाफोड

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया । चार पहिया वाहन लूट कांड का पूर्णिया पुलिस ने सफल उद्भेदन किया। पूर्णिया सदर एसडीपीओ पुष्कर कुमार ने प्रेसवार्ता कर जानकारी देते हुए बताया कि लूटी गई टाटा टियागो कार एवं एक मोबाईल फोन के साथ घटना में संलिप्त दो कुख्यात अपराधकर्मी को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही घटना में प्रयुक्त टाटा टैगोर कार को भी बरामद कर लिया गया है। गौरतलब है कि तीन अज्ञात अपराध कर्मियों के द्वारा गोकुलपुर नहर सरसी, केनगर बॉर्डर के पास एक उजले रंग के टाटा टैगोर गाड़ी से एक ग्रे रंग का टाटा टियागो गाड़ी लूट लेने की घटना को अंजाम दिया गया था। घटना की सूचना मिलते ही केनगर थाना पुलिस के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना में कांड दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर पुष्कर कुमार के नेतृत्व में एक पुलिस टीम का गठन किया गया जिसके सदस्य थानाध्यक्ष केनगर मुकेश कुमार मिश्रा, थानाध्यक्ष मधुबनी टीओपी

अश्विनी अय्यर तिवारी की अगली फिल्म में फिर से साथ आने को तैयार करीना-कियारा !

अभिनेत्री करीना कपूर और कियारा आडवाणी को पहली बार 2019 की फिल्म गुड न्यूज में एक साथ देखा गया था, जिसे राज मेहता ने निर्देशित किया था। दोनों अभिनेत्रियां अश्विनी अय्यर तिवारी द्वारा निर्देशित अपनी अगली फिल्म के लिए फिर से साथ आने के लिए तैयार हैं। करीना कपूर, कियारा आडवाणी अपनी अगली फिल्म के लिए फिर साथ आए यह फिल्म एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनेगी। गौरतलब है कि अश्विनी अय्यर तिवारी अब बरेली की बर्फी, शादी में आना जरूर और पंगा सरीखी फिल्मों का निर्देशन लेखन कर चुकी हैं। पिंकविला के अनुसार, अश्विनी अय्यर तिवारी ने एक फीचर फिल्म के लिए एक्सेल एंटरटेनमेंट के साथ अनुबंध किया है। पिछले 2 वर्षों में, अश्विनी ने कई विषय विकसित किए हैं और उनमें से दो क्रमश : एक्सेल एंटरटेनमेंट और बालाजी एंटरटेनमेंट के साथ बनाने के लिए पहले से ही तय हैं। एक्सेल एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन, अश्विनी ने करीना कपूर खान और कियारा आडवाणी के साथ बातचीत शुरू की। दोनों अभिनेत्रियों ने इस विषय में रुचि दिखाई है। रिपोर्ट में आगे कहा गया, पूरी स्क्रिप्ट सुनने के बाद दोनों फैसला करेंगे। हालांकि, वे सहयोग के विचार से उत्साहित हैं, क्योंकि स्क्रिप्ट दोनों की मौजूदगी की गारंटी देती है। अश्विनी ने अभी तक अपनी फिल्म की स्क्रिप्ट को अंतिम रूप नहीं दिया है, जिसे फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी के प्रोडक्शन हाउस का समर्थन प्राप्त है। उम्मीद है कि करीना और कियारा जल्द ही इस प्रोजेक्ट पर हस्ताक्षर करेंगे। कियारा अपनी आगामी रिलीज सत्यप्रेम की कथा के प्रमोशन की तैयारी कर रही हैं। फिल्म के लिए, वह भूल भुलैया 2 के सह-अभिनेता कार्तिक आर्यन के साथ फिर से जुड़ीं। वह राम चरण के साथ गेम चेंजर और ऋतिक रोशन और एनटीआर जूनियर के साथ वॉर 2 में भी नजर आएंगी। करीना कपूर की झोली में भी कई प्रोजेक्ट हैं। वह 2005 के सबसे ज्यादा बिकने वाले जापानी उपन्यास द डिवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स पर आधारित सुजॉय घोष की थ्रिलर की रिलीज का इंतजार कर रही हैं। फिल्म में वह जयदीप अहलावत और विजय वर्मा के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। यह करीना का ओटीटी डेब्यू होगा। राजेश कृष्णन की द करू में करीना के साथ तब्बू, कृति सेनन और दिलजीत दोसांझ भी अहम भूमिकाओं में होंगे।

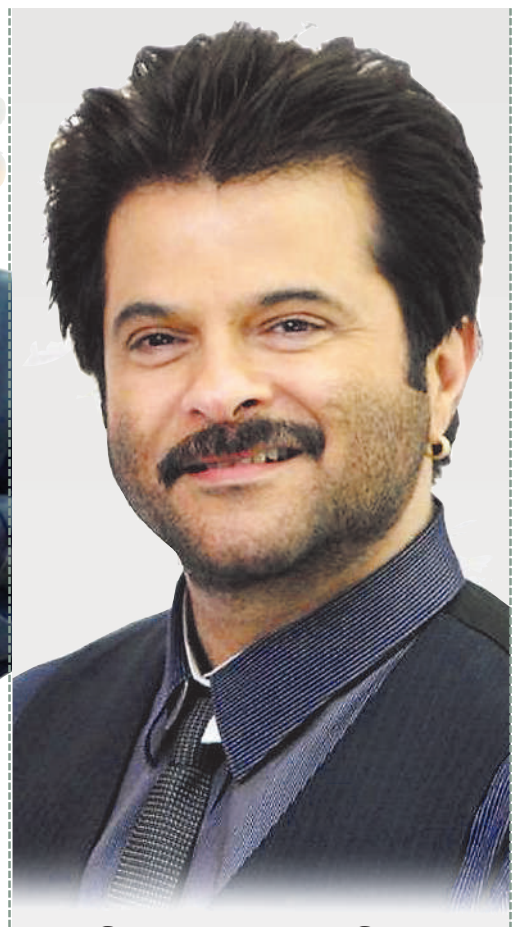

अनिल कपूर ने फिल्म इंडस्ट्री में पूरे किए 40 साल, वो सात दिन से किया था डेब्यू

बॉलीवुड के बेहतरीन अभिनेता अनिल कपूर ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने 40 साल पूरे कर लिए हैं। इस खास मौके पर अनिल कपूर ने इंडस्ट्री में अपनी जर्नी को एक पोस्ट के माध्यम से शेयर किया है। अनिल कपूर ने सोशल मीडिया पर अपनी डेब्यू फिल्म वो सात दिन की एक क्लिप शेयर की। इसके साथ अनिल कपूर ने एक इमोशनल नोट शेयर करते हुए लिखा, आज बतौर एक्टर और एंटरटेनर मैंने 40 साल पूरे कर लिए हैं। दर्शकों द्वारा स्वीकार किए जाने और प्यार पाने के 40 साल। कहते हैं कि जब आप कुछ ऐसा करते हैं जिसे आप प्यार करते हैं तो वक्त बहुत तेजी से गुजर जाता है। मेरे लिए कोई हैरानी की बात नहीं है कि इंडस्ट्री में मेरे 4 दशक पलक झपकते ही निकल गए। मैं जानता हूं कि मैं इसी के लिए बना हूं और यही मुझे करना है। अनिल कपूर ने लिखा, इस मुकाम तक पहुंचने में कई लोगों ने मेरी मदद की। मैं खास तौर पर अपने बापू साहब, मेरे भाई बोनी कपूर और मेरे पिता सुरिंदर कपूर को मुझ पर विश्वास करने और मुझे पहला मौका देने के लिए धन्यवाद देना चाहूंगा। मैं नसीरुद्दीन शाह और पद्मिनी कोल्हापुरे का भी हमेशा आभारी रहूंगा जिन्होंने एक न्यू कमर का इंडस्ट्री में स्वागत किया था। उन्होंने लिखा, आज मैं जो कुछ भी हूं उसका श्रेय इन दिग्गजों और आप सभी से मुझे मिले प्यार और असेप्टेंस को जाता है। इन 40 साल के पूरा होने के मौके पर मैं द नाइट मैनेजर पार्ट 2 और एनिमल के साथ दो बेहद खास अवतारों में आपके पास आ रहा हूं। उम्मीद है कि आप मुझे वैसे ही प्यार और सपोर्ट करेंगे जैसे हमेशा से करते रहे हैं।

मुझे सलमान खान की कैटेगरी में मत लाओ

हमारी सोसाइटी में सफलता को जरूरत से ज्यादा अहमियत दी जाती है, जबकि ऐसा नहीं है। कई ऐसे एक्टर्स होंगे जो सफल एक्ट्रेस से ज्यादा बेहतर होंगे अपनी कला में। लेकिन आज उसके पास काम नहीं है और वह सफल नहीं है तो इसका मतलब यह नहीं कि उनके अंदर टैलेंट नहीं है। टीकू वेड्स शेरू में ऐसे ही लोगों की कहानियां है। जो शायद सोसाइटी में कहीं भी मिल सकते हैं। समाज के तौर पर मुझे बहुत बुरा लगता है कि ऐसे लोगों को समाज ने वह मौका ही नहीं दिया जहां पर वह अपने टैलेंट को दिखा सके। अगर आजकल कि पीढ़ी की में बात करती हूं वो बहुत ज्यादा अधीर है। हर चीज चाहिए होती है और वो जल्दी चाहिए होती है। लेकिन सच तो यह है कि आपको सफल होने के लिए कई सारी असफलताओं का सामना करना पड़ता है। ये कहना है कंगना रनौट का जो टीकू वेड्स शेरू के साथ बतौर प्रोड्यूसर डेब्यू कर रही हैं। कंगना ने कहा, आप सच में बहुत ही अच्छा सोच रही है कि आप मुझे इस फिल्म में पर्दे पर देखना चाह रही हैं, लेकिन सच तो यह है कि ये एक सोची-समझी बात थी। इस फिल्म को जब आप देखेंगी तो आप मुझसे सहमति रखेंगे कि इस फिल्म में हमें एकदम नई लड़की चाहिए थीं। जैसे लोगों ने लगभग नहीं देखा हो और ऐसे में हमें अवनीत बहुत अच्छा ऑप्शन लगी। हमारी पहली कास्टिंग जो शेरू की थी, वह तो तय ही थी और वह हो गई थी और फ्रेश फेस के लिए यानी कि टिकू के लिए हम लोग बहुत सारी लड़कियों के ऑडिशंस भी ले रहे थे। लेकिन कोई भी दिल में उतर नहीं रही थी। फिर मुझे किसी ने अवनीत का फोटो भेजा और मुझे लगा कि बस इसी को कास्ट कर लेना चाहिए।

आप और नवाजुद्दीन एक नया ही कॉम्बिनेशन निकल कर आ रहा है। कैसे इस फिल्म का शुभारंभ हुआ?

मैंने हमेशा से सोच कर रखा था कि जो शेरू का किरदार करेगा वह एक मंझा हुआ कलाकार होना चाहिए जिसे लोग कई बार देख चुके हो और उससे उनका रिश्ता भी हो। नवाजुद्दीन हमेशा से दिल और दिमाग में था और सोच कर रखा था। फिर मैंने नवाजुद्दीन से फोन पर बात की और मिलने के लिए बेंगलुरु पहुंच गई। हमारी एक मुलाकात हुई। और तभी तय हो गया कि नवाज हमारे साथ फिल्म कर रहे हैं।

कंगना इस फिल्म में स्ट्रगलर्स को दिखाया गया है। क्या आप मानती हैं कि आपके पास टैलेंट तो है लेकिन किस्मत भी जरूरी है?

देखिए कठिन परिश्रम से तो कहीं कोई बच नहीं सकता है। वह करना ही पड़ता है। लेकिन हां, मैं यह भी मानती हूं कि कुछ तो होता है जिसे जादू कहा जा सकता है। मैंने मेरी जिंदगी में बहुत बार ऐसे जादू या मैजिक को देखा है और मैं इन पर विश्वास करती हूं तो किस्मत पर विश्वास करती हूं। अब सोचिए ना मेरे साथ साथ पहली बार मैजिक तब हुआ था जब अनुराग बसु ने अपनी फिल्म के लिए हजारों लड़कियों में से सिर्फ मुझे चुना था। फिर वह दौर भी आया जब मैंने थोड़ा स्ट्रगल भी की आठ नौ साल तक मैं काम के लिए इधर उधर बहुत से लोगों से मिलती रही।

आप और नवाजुद्दीन क्या कभी किसी फिल्म में साथ में नजर आएंगे और यदि हां तो किस तरीके की फिल्म होगी।

मुझे तो नवाज सर की हर फिल्म पसंद आती है। जितना भी देखती हूं उनको बहुत बेहतरीन ही पाती हूं। वैसे तो सब रोल में पसंद आए हैं, लेकिन खासतौर पर से वह गैंग्स ऑफ वासेपुर जैसी फिल्मों में जिस तरीके के रोल निभाते हैं, मुझे वह खास तौर पर पसंद आते हैं। उनके जो डायलॉग भी हैं कि अपुन को लगता है अपुन हीच भगवान है। यह तो हमारे फैमिली व्हाट्सएप ग्रुप का फेवरेट डायलॉग है। कभी हम किसी होटल की रिजर्वेशन अगर कर लेते हैं या किसी को कपड़े अपने साइज के मिल जाते हैं या कोई भी छोटी बड़ी सफलता मिल जाती है तो यह वाला डायलॉग हमारे यहां व्हाट्सएप पर हम लोग डाल देते हैं। लेकिन हां मुझे नवाजुद्दीन सर के साथ उन्हें एक लव स्टोरी में देखने की बड़ी इच्छा है।

कंगना आपको इस फिल्म में शादी पर बात हो रही है तो क्या कहीं आपने कोई सोसाइटल प्रेशर महसूस किया है कि आप शादी कर लो।

मैंने तो बचपन से महसूस किया है। मेरी मां तो हर वक्त मुझ पर डांटा करती थी कि अगर तुमने ऐसे काम किए तो आगे चलकर कोई लड़का मिलने नहीं वाला है तो मैं तो बचपन से ही सोसाइटल प्रेशर का शिकार रही हूं। शायद मेरी मां को पहले ही समझ में आ गया कि इस लड़की का तो कुछ नहीं हो सकता है। लेकिन हां, यह सोसाइटी का प्रश्न होता है लड़कियों के ऊपर ये प्रेशर होता है कि शादी कर लो। लेकिन सच तो यह है कि शादी उसी से करनी चाहिए जो आप की खूबियों को महसूस करें और उसे बढ़ावा दे उसकी प्रशंसा करें।

सलमान खान और आप से दोनों से एक ही सवाल पूछा जाता है कि आप शादी कब कर रहे हैं।

अरे भाई मुझे सलमान खान के कैटेगरी में मत लेकर आओ जहां तक मेरी शादी का सवाल है। जब होनी है, सही लड़का मिलना है वह समय आएगा तब हो जाएगी।

बिग बॉस ओटीटी 2 में नजर आएंगी रकुल

सलमान खान का शो बिग बॉस ओटीटी 2 खूब पसंद किया जा रहा है। इस शो से अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह जुड़ती नजर आएंगी। अभिनेत्री बिग बॉस में अपनी फिल्म आई लव यू का प्रमोशन करती दिखेंगे। इसे लेकर रकुल बेहद उत्साहित हैं। बता दें कि रकुल शो के वीकएंड का वार एपिसोड में नजर आएंगी।

सलमान से मुलाकात को उत्साहित

रकुल का कहना है, मैं बिग बॉस ओटीटी 2 पर पहले वीकेंड का वार एपिसोड का हिस्सा बनकर बेहद उत्साहित हूं। मैं इस शो की बहुत बड़ी प्रशंसक हूं और हमेशा वीकएंड शो को देखने की कोशिश करती हूं। मैं सलमान सर के साथ शानदार वक्त बिताने और सभी प्रतिभागियों से मुलाकात करने के लिए बेसब्र हूं। रकुल ने आगे कहा, सलमान सर को एक्शन में देखना बहुत मजेदार होने वाला है और मैं स्पेशल ट्विस्ट के साथ वीकएंड के वार में आऊंगी। रकुल प्रीत सिंह की फिल्म आई लव यू एक रोमांटिक थ्रिलर है। इसमें प्यार के भावुक और अंधेरे पक्ष को दर्शाया गया है। रकुल के अलावा इस फिल्म में पावेल गुलाटी, अक्षय ओबेरॉय और किरण कुमार भी अहम रोल में हैं। आपको बता दें कि बिग बॉस ओटीटी का दूसरा सीजन 17 जून से शुरू हो चुका है। इसे जियो सिनेमा पर देखा जा सकता है।

अरशद वारसी ने मुन्ना भाई 3 की संभावनाओं पर बात की

फिल्म मुन्ना भाई और लगे रहो मुन्ना भाई में सर्किट का किरदार निभाकर लोगों के दिलों पर छा जाने वाले एक्टर अरशद वारसी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज वेब सीरीज असुर 2 के सक्सेस को एन्जॉय कर रहे हैं। एक्टर ने इसी बीच मुन्ना भाई के तीसरे पार्ट को लेकर बड़ा खुलासा किया है। हालांकि, अरशद का बयान फिल्म का इंतजार कर रहे फैंस का दिल तोड़ सकता है। संजय दत्त और अरशद वारसी स्टारर मुन्ना भाई सीरीज बॉलीवुड की सबसे सफल फ्रेंचाइजी में से एक है। फैंस फिल्म के तीसरे पार्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इन सबके बीच अरशद ने एक इंटरव्यू में मुन्ना भाई 3 की संभावनाओं पर खुलकर बात की है। साथ ही यह खुलासा किया है कि उन्हें नहीं लगता कि इसकी तीसरी किस्त बन पाएगी। अरशद वारसी ने साझा किया, मुन्ना भाई 3 न बने यह तो सबसे अजीब बात है। एक्टर ने आगे कहा, हमारे पास एक डायरेक्टर है जो इसे बनाना चाहता है, एक निर्माता है जो इसे निर्मित करना चाहता है, एक दर्शक है जो इसे देखना चाहता है, सितारे हैं जो इसमें एक्टिंग करना चाहते हैं, और फिर भी यह नहीं हो रहा है। अरशद वारसी ने यह भी बताया कि फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त बनने में इतना समय क्यों लग रहा है। एक्टर ने कहा, बात यह है कि, राजू हिरानी बेहद पूर्णतावादी हैं। उनके पास तीन स्क्रिप्ट है जो शानदार है, लेकिन कुछ गड़बड़ियां भी हैं। इसलिए, जब तक वह स्क्रिप्ट को लेकर 100-200 फीसदी आश्वस्त नहीं हो जाते, तब तक वह इस पर काम शुरू नहीं करेंगे।

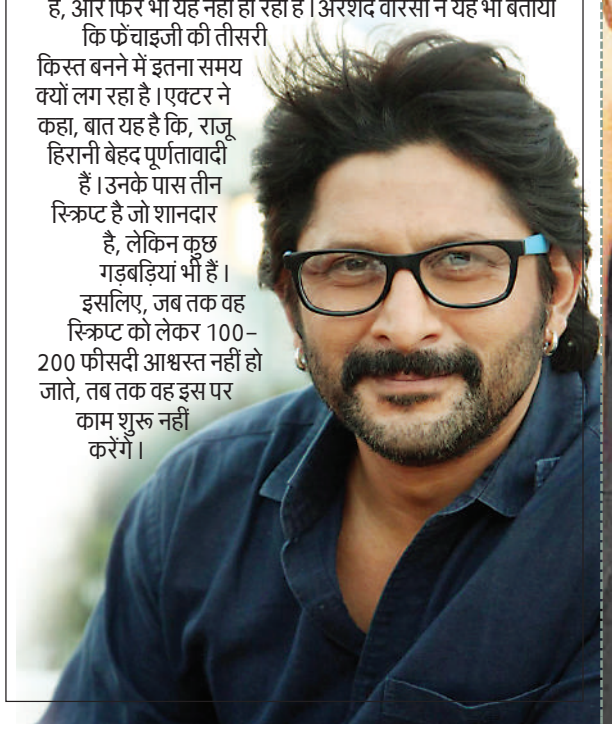

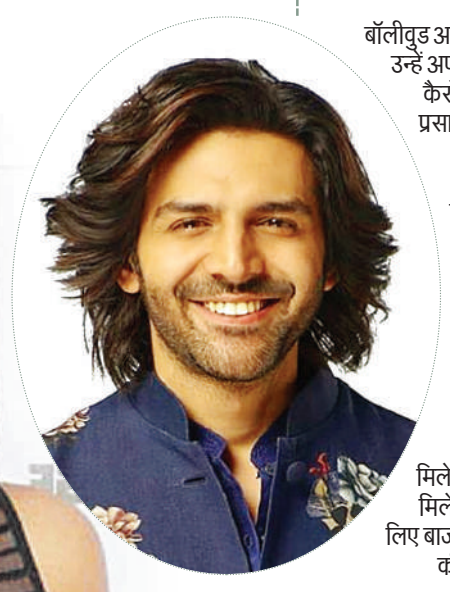

कार्तिक आर्यन ने किया खुलासा, सत्यप्रेम की कथा में कैसे मिला रोल

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन ने खुलासा किया कि उन्हें अपनी लेटेस्ट फिल्म सत्यप्रेम की कथा में रोल कैसे मिला। द कपिल शर्मा शो पर शनिवार रात प्रसारित होने वाले एपिसोड में फिल्म सत्यप्रेम की कथा की टीम नजर आएगी, जिसमें कार्तिक, कियारा आडवाणी, सुप्रिया पाठक, गजराज राव, शिखा तल्सानिया, सिद्धार्थ रांदेरिया और अनुराधा पटेल शामिल होंगे। मजेदार बातचीत के बीच, कार्तिक ने बताया कि फिल्म निर्माता साजिद नाडियाडवाला को भूल भुलैया 2 और कियारा के साथ उनकी जोड़ी पसंद आई। उन्होंने कहा, फिल्म में ज्यादा रोमांटिक सीन तो नहीं थे लेकिन रोमांस के कुछ पल थे। मुझे याद है जब वह कास्टिंग के सिलसिले में मुझसे पहली बार मिले थे और मेरा मानना है कि वह कियारा से भी मिले थे, उन्होंने कहा था कि भूल भुलैया 2 हमारे लिए बाजीगर की तरह है और यह फिल्म डीडीएलजे की तरह होगी। मुझे यह सुनकर अच्छा लगा।

हुमा कुरैशी की फिल्म तरला 7 जुलाई को ओटीटी पर होगी स्ट्रीम

बॉलीवुड एक्ट्रेस हुमा कुरैशी की अपकमिंग फिल्म तरला का ट्रेलर रिलीज हो गया है। यह फिल्म तरला शेफ और कुकबुक लेखक तरला दलाल की बायोपिक है। इस फिल्म में हुमा तरला दलाल की भूमिका निभा रही हैं, फिल्म में शारिब हाशमी उनके पति नलिन दलाल की भूमिका में दिखाई देंगे। ट्रेलर की शुरुआत तरला दलाल यानी हुमा से होती है, जिन्हें शादी के लिए लड़के वाले देखने आते हैं। तरला शारिब से शादी कर लेती हैं। शादी के बाद तरला अपनी एक पहचान बनाना चाहती हैं और वह सफलता की राह पाने का रास्ता खोज लेती हैं। फिर वह अपनी कुकिंग क्लास शुरू करती हैं और देखते ही देखते वह सेलिब्रिटी शेफ बन जाती हैं। बता दें, सेलिब्रिटी शेफ तरला दलाल ने सौ से ज्यादा कुकिंग पर किताबें लिखी हैं, जिन्हें महिलाओं द्वारा काफी पसंद किया जाता है। फिल्म तरला में हुमा कुरैशी के अलावा भारती अचरेकर, अमरजीत सिंह, शारीब हाशमी, और राजीव पांडे भी अहम भूमिका निभाएंगे। इस फिल्म को पीयूष गुप्ता ने निर्देशित किया है। नितेश तिवारी, रोनी स्कूरवाला और अश्विनी अय्यर ने फिल्म तरला को प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 7 जुलाई को ओटीटी प्लेटफार्म जी 5 पर रिलीज होगी।

इंतजार का बंपर फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले एक दशक में शेयर बाजार में कई ऐसे स्टॉक हैं जिन्होंने निवेशकों को मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। ऐसा ही एक स्टॉक फेज थ्री लिमिटेड का है। इस स्टॉक ने पिछले 10 वर्षों में निवेशकों को लगभग 5,700 प्रतिशत का बंपर रिटर्न दिया है। वहीं, पिछले पांच वर्षों में स्टॉक ने निवेशकों को 302 प्रतिशत का रिटर्न दिया होगा। अगर किसी निवेशक ने 10 साल पहले स्टॉक में 10,000 रुपये का निवेश किया था।

1 साल में 4 गुना रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप भी उन निवेशकों में से एक हैं जो बोनस शेयर पर दांव लगाना पसंद करते हैं तो आपके लिए गुड न्यूज है। कंपनी ने इस बोनस इस बोनस इश्यू के लिए रिकॉर्ड डेट का भी ऐलान कर दिया है। इनवेस्टर्स के नजरिए से अच्छी बात यह है कि कंपनी शेयर बाजार में भी दमदार प्रदर्शन कर रही है।

गो फर्स्ट को फिर से उड़ान भरने के लिए चाहिए 425 करोड़ रुपये, दावा- कर्जदाताओं की मंजूरी का है इंतजार

नई दिल्ली, एजेंसी। गो फर्स्ट के समाधान पेशेवर शैलेंद्र अजमेरा ने एयरलाइंस फाइनेंसरों से अंतरिम वित्त में 425 करोड़ रुपये की मांग की है, ताकि एक पुनरुद्धार योजना बनाई जा सके और एयरलाइन का परिचालन फिर से शुरू करने में मदद मिल सके। बता दें कि गो फर्स्ट के दिवालिया मामले में शैलेंद्र अजमेरा को समाधान पेशेवर (आरपी) के रूप में नियुक्त किया गया है। संकट में फंसी विमानन कंपनी के कर्जदाताओं की समिति (सीओसी) ने यह फैसला किया है। ऋणदाताओं ने उन्हें गो फर्स्ट के लिए आरपी (समाधान पेशेवर) बनाने के लिए एनसीएलटी से मंजूरी ली है।

सूत्रों ने हवाले से मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि भविष्य में विमानों के लिए दुरुस्त इंजनों की उपलब्धता और टिकट रद्द

होने जैसी कुछ आकस्मिकताओं के आधार पर वित्तपोषण की जरूरत और बढ़ सकती है। बताया गया है कि सप्ताह की शुरुआत में हुई एक बैठक में गो फर्स्ट के लेनदारों की समिति के समक्ष वित्त पोषण से जुड़ा यह प्रस्ताव रखा गया। बता दें कि गो फर्स्ट के कर्जदाताओं की समिति में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, आईडीबीआई बैंक और ड्यूश बैंक शामिल हैं। अजमेरा जो कर्जदाताओं की समति की ओर से समर्थित है ने अब तक इस मामले में आधिकारिक तौर पर कोई टिप्पणी नहीं है। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया समेत अन्य बैंकों ने भी इस पर फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं की है। गो फर्स्ट को देश के विमानन क्षेत्र के नियामक नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) से एयरलाइन का परिचालन फिर से शुरू करने के लिए अपनी मंजूरी लेनी है। पर यह मंजूरी एयरलाइन के लिए वित्तपोषण की उपलब्धता सुनिश्चित होने के बाद ही मिल पाएगी।

गो फर्स्ट को फिर से परिचालन शुरू करने के लिए नियामक की सहमति हासिल करने से पहले लेनदारों से वित्तपोषण प्रस्ताव पर मंजूरी लेना है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि एयरलाइंस के लेनदारों ने वित्तपोषण के लिए अपनी सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है, जबकि कुछ लेनदारों का कहना है कि वे अंतरिम वित्त प्रस्ताव को मंजूरी देने से पहले विमानन नियामक से स्पष्टता हासिल करने का इंतजार कर रहे हैं।

बता दें गो फर्स्ट ने दिवाला व ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) की धारा 10 के तहत दिवाला प्रक्रिया के लिए याचिका दायर की है, जो किसी कंपनी को कर्ज समाधान के लिए स्वेच्छा से अदालती प्रक्रिया में पेश होने की अनुमति देता है। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने 10 मई को गो फर्स्ट की दिवाला याचिका स्वीकार कर ली थी

गो फर्स्ट पर बैंकों और वित्तीय संस्थानों का करीब 6,000 करोड़ रुपये बकाया है। एनसीएलटी में स्वैच्छिक दिवाला के लिए अपने आवेदन में गो फर्स्ट ने कहा कि उसने विमान पट्टेदारों को 2,600 करोड़ रुपये और वेंडरों को 1,200 करोड़ रुपये का भुगतान करने में चूक की है। कंपनी ने कहा कि उसने दिवालिया प्रक्रिया के लिए याचिका इसलिए दायर की है क्योंकि अमेरिका की एयरोस्पेस निर्माता कंपनी प्रैट एंड व्हिटनी की ओर से उसे आपूर्ति किए गए खराब इंजनों के कारण उसके कई विमान परिचालन से बाहर हैं।

इस हफ्ते ओपन होंगे 2 आईपीओ

साइएंट डीएलएम और आइडियाफोर्ज टेक्नोलॉजी में निवेश का मौका, मिनिमम इन्वेस्टमेंट 14,784 रुपए

नई दिल्ली, एजेंसी। इस हफ्ते शेयर मार्केट में लिस्टिंग के लिए 2 इनिशियल पब्लिक ऑफर ओपन होंगे। इसमें साइएंट डीएलएम और आइडियाफोर्ज टेक्नोलॉजी शामिल हैं। साइएंट डीएलएम इलेक्ट्रिक मैन्युफैक्चरिंग सर्विस उपलब्ध कराने वाली कंपनी है। वहीं, आइडियाफोर्ज ड्रोन बनाने वाली कंपनी है। आइए इन दोनों आईपीओ के बारे में एक-एक करके जानते हैं।

साइएंट डीएलएम इस आईपीओ के जरिए कंपनी 567 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। इस इश्यू के लिए कंपनी ने 250-265 रुपए प्राइस बैंड तय किया है। रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 27 जून से 30 जून तक अप्लाई कर सकेंगे। इसमें रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 56 शेयरों के लिए अप्लाई कर सकते हैं। यदि वह आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 265 रुपए के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाई करते हैं, तो उनको 14,840 रुपए इन्वेस्ट करने होंगे। साइएंट डीएलएम के आईपीओ के लिए रिटेल निवेशक मैक्सिमम 13 लॉट यानी 728 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं, जिसके लिए उन्हें अपर प्राइज बैंड के हिसाब से 192,920 रुपए खर्च करने होंगे। आइडियाफोर्ज टेक्नोलॉजी लिमिटेड इस आईपीओ के जरिए 592 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है।

इस इश्यू के लिए कंपनी ने 638-672 रुपए प्राइस बैंड तय किया है। रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 26 जून से 29 जून तक अप्लाई कर सकेंगे। इसमें रिटेल निवेशक एक लॉट यानी 22 शेयरों के लिए अप्लाई कर सकते हैं। यदि वह आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 672 रुपए के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाई करते हैं तो उनको 14,784 रुपए लगाने होंगे। आइडियाफोर्ज टेक्नोलॉजी लिमिटेड के आईपीओ के लिए भी रिटेल निवेशक मैक्सिमम 13 लॉट यानी 286 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें अपर प्राइज बैंड के हिसाब से 192,192 रुपए खर्च करने होंगे।

टॉप-10 कंपनियों में से 6 ने मार्केट कैप से 1 लाख रुपये घटा

नई दिल्ली, एजेंसी। 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह का संयुक्त बाजार मूल्यांकन पिछले सप्ताह 83,637.96 करोड़ रुपये की संयुक्त गिरावट का सामना करना पड़ा। इसमें टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज टीसीएस सबसे बड़ी हिट रही। आइए जानते हैं कि इस कारोबारी हफ्ते में टॉप-10 फर्म कौन-से हैं? रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 40,695.15 करोड़ रुपये घटकर 17,01,720.32 करोड़ रुपये रह गया। इस कारोबारी सप्ताह के समाप्त होने पर रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 40,695.15 करोड़ रुपये घटकर 17,01,720.32 करोड़ रुपये रह गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 17,222.5 करोड़ रुपये घटकर 6,20,797.26 करोड़ रुपये रह गया। वहीं, स्टेट बैंक का बाजार पूंजीकरण 14,814.86 करोड़ रुपये घटकर 4,95,048.22 करोड़ रुपये और इंफोसिस का 11,204.66 करोड़ रुपये घटकर 5,25,228.89 करोड़ रुपये रह गया। आईटीसी का एम कैप 10,625.95 करोड़ रुपये कम होकर 5,52,611.81 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 7,717.39 करोड़ रुपये घटकर 6,46,262.77 करोड़ रुपये रह गया।

एचडीएफसी बैंक ने 23,525.6 करोड़ रुपये जोड़े, जिससे उसका बाजार मूल्यांकन 9,18,984.17 करोड़ रुपये हो गया। इसी के साथ टीसीएस का एम कैप 15,441.19 करोड़ रुपये बढ़कर 11,77,281.48 करोड़ रुपये हो गया। एचडीएफसी का मूल्यांकन 13,821.74 करोड़ रुपये बढ़कर 5,03,318.08 करोड़ रुपये और भारती एयरटेल का मूल्यांकन 11,297.68 करोड़ रुपये बढ़कर 4,77,710.47 करोड़ रुपये हो गया। टॉप-10 फर्मों की रैंकिंग में रिलायंस इंडस्ट्रीज अभी भी पहले स्थान पर है। इसके बाद टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, इंफोसिस, एचडीएफसी, भारतीय स्टेट बैंक और भारती एयरटेल रहे। इस हफ्ते आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, इंफोसिस और भारतीय स्टेट बैंक को अपने बाजार पूंजीकरण में गिरावट का सामना करना पड़ा।

बंगाल के लूप लाइन में मालगाड़ी टकराई, यात्री ट्रेनों का बदला मार्ग

जमशेदपुर, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के आद्रा खड़गपुर मार्ग में रविवार सुबह 4 बजे फिर दो मालगाड़ियों में टक्कर हो गई। घटना आद्रा रेल मंडल के ओंडाग्राम स्टेशन के पास लूप लाइन की है। मालगाड़ियों की टक्कर में एक इंजन समेत 11 वैगन क्षतिग्रस्त हो गए। इससे रेलकर्मियों और अधिकारियों में अफरातफरी का माहौल है जबकि मालगाड़ियों के टक्कर से 8 यात्री ट्रेनों का परिचालन प्रभावित हुआ है। आद्रा खड़गपुर मार्ग की आनंद विहार पुरी एक्सप्रेस और रांची हावड़ा एक्सप्रेस को आद्रा के बजाय टाटानगर होकर चलाने का दक्षिण पूर्व जोन से हुआ है। वहीं, आधा दर्जन लोकल ट्रेनों का परिचालन रद्द करने के साथ टाटा आसनसोल ट्रेन को दूसरे स्टेशनों पर रोकने की तैयारी है। बताया जाता है कि लूप लाइन पर खड़ी मालगाड़ी की टक्कर से आसपास के खंभे भी उखड़ गए हैं।

इस हफ्ते सोने-चांदी में बड़ी गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। इस हफ्ते सोने-चांदी के दामों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार सर्राफा बाजार में इस हफ्ते की शुरुआत, यानी 19 जून को सोना 59370 रुपए पर था, जो अब, यानी 24 जून को 58,395 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 985 रुपए कम हुई है।

इस हफ्ते चांदी में 4 हजार रुपए से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है। इस हफ्ते की शुरुआत में ये 72,626 रुपए पर थी जो अब 68,304 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 4,322 रुपए कम हुई है।

इस महीने यानी जून में अब तक सोने में गिरावट देखने को मिली है। इस महीने की शुरुआत यानी 1 जून को ये 60,113 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो अब 58,395 रुपए पर है। यानी इसके दाम में 1,718 रुपए की गिरावट आई है।

आइआइएफएल सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट अनुज गुप्ता कहते हैं कि सोने में ये गिरावट स्थाई नहीं हैं। आने वाले दिनों में इसकी कीमत में फिर बढ़त देखने को मिल सकती है। अनुज गुप्ता के अनुसार साल के आखिर तक सोना फिर 62 हजार तक जा सकता है।

अगर आप इन दिनों सोना खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो, ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। नए नियम के तहत एक अप्रैल से छह डिजिट वाले अल्फान्यूमेरिक हॉलमार्किंग के बिना सोना बेचने पर रोक लगा दी गई है।

जैसे आधार कार्ड पर 12 अंकों का कोड होता है, उसी तरह से सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड होगा। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी हुड कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- 4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव हो गया है कि कोई सोना कितने कैरेट का है।

आइआइएफएल सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट अनुज गुप्ता कहते हैं कि सोने में ये गिरावट स्थाई नहीं हैं। आने वाले दिनों में इसकी कीमत में फिर बढ़त देखने को मिल सकती है। अनुज गुप्ता के अनुसार साल के आखिर तक सोना फिर 62 हजार तक जा सकता है। अगर आप इन दिनों सोना खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो, ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। नए नियम के तहत एक अप्रैल से छह डिजिट वाले अल्फान्यूमेरिक हॉलमार्किंग के बिना सोना बेचने पर रोक लगा दी गई है।

जैसे आधार कार्ड पर 12 अंकों का कोड होता है, उसी तरह से सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड होगा। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी हुड कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है-ए 4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव हो गया है कि कोई सोना कितने कैरेट का है।

डीसीबी बैंक नए आयकर संग्रह पोर्टल पर हुआ लाइव

करदाताओं को अब कर भुगतान और कर रिटर्न की ई-फाइलिंग के लिए मिलेगा एक ही प्लेटफॉर्म

मुंबई एजेंसी। नई पीढ़ी के निजी क्षेत्र के बैंक डीसीबी बैंक ने घोषणा की कि उसने भारत सरकार के आयकर पोर्टल (टीआईएन 2.0) के साथ एकीकृत एक नई प्रत्यक्ष कर संग्रह प्रणाली को सफलतापूर्वक लागू किया है। यह एकीकरण करदाताओं को कर भुगतान और कर रिटर्न की ई-फाइलिंग दोनों के लिए सुविधाजनक एक ही प्लेटफॉर्म प्रदान करेगा। डीसीबी बैंक के ग्राहक तीन प्राथमिक चैनलों - व्यक्तिगत और व्यावसायिक इंटरनेट बैंकिंग या डीसीबी बैंक शाखा में जाकर नकद, चेक या डिमांड ड्राफ्ट जैसे भुगतान विकल्पों का लाभ उठाकर आसानी से प्रत्यक्ष कर का भुगतान कर सकते हैं। ग्राहक आयकर विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल पर एक अकाउंट बनाकर टैक्स कलेक्शन प्लेटफॉर्म का उपयोग कर सकते हैं। इस प्लेटफॉर्म के जरिये ग्राहक कुछ ही क्लिक के साथ कभी भी, कहीं भी अपने कर भुगतान के लिए पैन/टैन विवरण के साथ एक चालान संदर्भ संख्या प्राप्त कर सकते हैं। इसके बाद चालान संदर्भ संख्या का उपयोग करके भुगतान करने के लिए अधिकृत चैनलों का उपयोग किया जा सकता है। डीसीबी बैंक, हेड रिटेल बैंकिंग, श्री प्रवीण कुट्टी ने कहा, डीसीबी बैंक करदाताओं को त्वरित, सुरक्षित और कुशलता पूर्वक तरीके से प्रत्यक्ष कर के भुगतान की सुविधा प्रदान करता है। यह ऑनलाइन तरीका बहुत सुविधाजनक है और इससे करदाताओं को अपने घर या कार्यालय से भुगतान जमा करने की सुविधा मिलती है, और इस तरह समय और लागत में काफी बचत होती है। इस प्रक्रिया में तत्काल भुगतान पावती और चालान रसीद जारी करने का लाभ शामिल है, यह सब बिना किसी खर्च के किया जाता है। इस प्रयास में समर्थन के लिए हम भारत सरकार के केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के बहुत आभारी हैं।

167 पर जाएगा यह शेयर, एक्सपर्ट बोले- जल्दी खरीदो रेखा झुनझुनवाला के पास भी हैं 4.83 करोड़ शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले शुक्रवार को प्राइवेट सेक्टर के फेडरल बैंक के शेयरों में बड़ी गिरावट आई थी। हालांकि, इस शेयर को लेकर एक्सपर्ट बुलिश नजर आ रहे हैं। करीब 44 एक्सपर्ट में से ज्यादातर ने इस शेयर को खरीदने की सलाह दी है। इस शेयर का औसत टारगेट प्राइस 167 रुपये है। अभी की कीमत के लिहाज से शेयर में 37 प्रतिशत तक की तेजी आने की उम्मीद की जा रही है। बता दें कि रेखा झुनझुनवाला के पास कंपनी में 2.31 पर्सेंट हिस्सेदारी है। रेखा झुनझुनवाला के पोर्टफोलियो में फेडरल बैंक के 4,82,13,440 शेयर हैं। शुक्रवार को फेडरल बैंक के शेयर की कीमत बीएसई इंडेक्स पर 122.15 रुपये थी। यह एक दिन

पहले के मुकाबले 1.33 प्रतिशत की गिरावट को दिखाता है। 23 जून 2022 को शेयर की कीमत 85.60 रुपये पर थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का निचला स्तर है। वहीं, जनवरी 2023 को शेयर की कीमत 143.35 रुपये थी। यह शेयर का 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर है। हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने फेडरल बैंक के कार्यकारी निदेशक के रूप में हर्ष दुगर की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। दुगर 23 जून, 2023 से 23 जून, 2026 तक तीन साल का कार्यकाल पूरा करेंगे। अप्रैल 2021 से फेडरल बैंक में ग्रुप प्रेसिडेंट और होलसेल बैंकिंग प्रमुख थे। दुगर अक्टूबर 2016 में बैंक से जुड़े थे। मार्च, 2023 को समाप्त तिमाही में फेडरल बैंक का प्रॉफिट 67 प्रतिशत बढ़कर 902.61 करोड़ रुपये रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष 2021-22 की जनवरी-मार्च तिमाही में बैंक का प्रॉफिट 540.54 करोड़ रुपये रहा था।

टेलिकॉम सेक्टर में टूटेगा चीन का दबदबा, भारत और अमेरिका के रिश्तों को नई उड़ान देगा आरोन

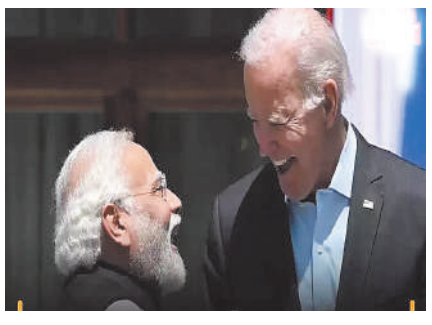

- चीन की कंपनियों से राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे की आशंका
- भारत और अमेरिका का जोर ओपन रेडियो एक्सेस नेटवर्क पर

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका दौरे में कई बिजनस डील की हैं। भारत और अमेरिका टेलिकॉम सेक्टर में चीन के दबदबे को तोड़ना चाहते हैं। इसके लिए ओपन रेडियो एक्सेस नेटवर्क को सबसे अहम माना जा रहा है। इसका मकसद सेल्युलर नेटवर्क में इस्तेमाल होने वाले हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर को इंटरऑपरेट की सुविधा देना है, चाहे वेंडर कोई भी हो। कई देशों में इस पर काम हो रहा है। इससे भारत और अमेरिका जैसे देशों को मिलकर मल्टी-वेंडर नेक्स्ट जेनरेशन टेलिकॉम सॉल्यूशन विकसित करने में मदद मिल सकती है। इससे दोनों देशों की कंपनियों को फायदा होगा। अभी 4जी, 5जी और 6जी टेक्नोलॉजी में चीन और कुछ यूरोपीय देशों का दबदबा है।

भारत ओरान मॉडल के के तहत टेलिकॉम सॉल्यूशन के लिए एक अलग अप्रोच लेकर चल रहा है। इसके तहत अलग-अलग कंपनियां कॉम्प्लेक्स, इंटिग्रेटेड नेटवर्क्स बनाती हैं। भारत और अमेरिका के बीच हाई लेवल मीटिंग्स में ओरान पर चर्चा हो चुकी है। हाल में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और अमेरिका के जैक सुलीवन के बीच हुई बैठक में भी यह मामला उठा था। साथ ही क्वाड की बैठक में भी इस पर चर्चा हुई थी। चीन के टेलिकॉम कंपनियों को कई देशों ने अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया है। इसलिए टेलिकॉम सेक्टर में चीन की बादशाहत को तोड़न के लिए कई देश सक्रियता दिखा रहे हैं। सिस्को जैसी अमेरिका की कई कंपनियों ने 4जी और 5जी सॉल्यूशन के रोलआउट और 6जी के विकास में भारतीय कंपनियों के साथ काम करने की इच्छा जताई है। जनवरी में भारत और अमेरिका के बीच लॉन्च क्रिटिकल एंड एमर्जिंग टेक्नोलॉजीज की प्राथमिकता लिस्ट में भी इसे जगह मिली है। इसका मकसद एआई, टेलिकॉम, ओरान, स्पेस, क्वांटम कंप्यूटिंग और सेमीकंडक्टर्स जैसे सेक्टर्स में दोनों देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है। भारत को ओरान के तहत कुछ शुरुआती फायदा मिला है। इसके लिए देसी कंपनियों ने एक कंसोर्टियम बनाया है। इसने 4जी और 5जी सॉल्यूशंस के विकास में अहम भूमिका निभाई थी। साथ ही देश में अपना टेलिकॉम स्टैक बनाने की भी कोशिश की जा रही है। भारत सरकार का मानना है कि भारत की सस्ती और सुरक्षित टेक्नोलॉजी दुनिया की उभरती इकॉनमीज और अमेरिका जैसे बड़े देशों के लिए आकर्षक हो सकती है।

बोनस शेयर देगी रेमेडियम लाइफकेयर, खबर सुन रॉकेट बना शेयर, 7 महीने में 136 से 3949 पर आया भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। रेमेडियम लाइफकेयर लिमिटेड अपने निवेशकों को तगड़ा मुनाफा दिया है। पिछले सात महीने में ही कंपनी के शेयरों ने 2800 प्रतिशत से ज्यादा का मुनाफा कराया है। शेयर के 52 हफ्ते का निचला स्तर 136.15 रुपये है। शेयर का यह स्तर 23 सितंबर 2022 को पहुंचा था। शुक्रवार को इसकी कीमत 3949 रुपये के हाई पर पहुंच गई थी। अब कंपनी के बोर्ड मेंबर ने बोनस शेयर देने का ऐलान किया है। 23 जनवरी को हुई बैठक में कंपनी ने 9:5 के रेशियो में बोनस शेयर देने की घोषणा की है। इसके लिए रिकॉर्ड डेट 29 जुलाई तय किया गया है। बीएसइ पर दी गई जानकारी, सेबी के विनियम 42 (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं), विनियम 2015, संशोधित के अनुसार, हम आपको सूचित करते हैं कि रेमेडियम लाइफकेयर लिमिटेड (कंपनी) ने रिकॉर्ड डेट शनिवार, 29 जुलाई, 2023 तय की है। कंपनी ने 9-5 के रेशियो में बोनस इक्विटी शेयरों को अप्रूवल दिया है। यानी हर 5 शेयर पर कंपनी के 9 शेयर बोनस के तहत दिए जाएंगे। एक दिसंबर, 2022 के मुकाबले रेमेडियम लाइफकेयर लिमिटेड का शेयर सिर्फ सात महीने में 2800 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ चुका है। आपको बता दें कि 1 दिसंबर 2022 को सेंसेक्स ने ऑल टाइम हाई को टच किया था। इसके बाद अब 23 जून 2023 को बाजार ने अपने पिछले ऑल टाइम हाई के स्तर को पीछे छोड़ दिया है। हाल ही में बीएसई-सूचीबद्ध कंपनी रेमेडियम लाइफकेयर ने एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस या एपीआई के निर्माण में प्रवेश किया है। इसने फार्मा और हेल्थकेयर क्षेत्र में एकीकरण और विविधता लाने के लिए हैदराबाद में मैन्युफैक्चरिंग फैसलिटीज का रणनीतिक अधिग्रहण किया है।

तकनीकी शिक्षा सुधार के लिए 20 अरब रुपये देगा विश्व बैंक, साढ़े तीन लाख विद्यार्थियों को होगा फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व बैंक ने भारत के सरकारी तकनीकी शिक्षण संस्थानों में तकनीकी शिक्षा में सुधार के लिए 20.94 अरब रुपये कर्ज देने की मंजूरी दी है। योजना के तहत अगले पांच सालों में सभी राज्यों से चुने गए करीब 275 सरकारी तकनीकी संस्थानों के 3.50 लाख छात्रों को लाभ मिलेगा। विश्व बैंक के अनुसार, परियोजना के जरिये इन संस्थानों में शोध को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके साथ-साथ छात्रों के कौशल विकास और उन्हें रोजगार परक बनाने में मदद मिलेगी। इसके अलावा उद्यमिता और नवाचार को भी बढ़ावा मिलेगा। परियोजना के हिस्से के रूप में विद्यार्थियों की उन्नत पाठ्यक्रम, नई तकनीक और संचार में पहुंच बढ़ेगी।

अमेरिका स्थित विश्व बैंक के कंट्री निदेशक ऑगस्टे तानो कौमे ने कहा कि परियोजना की सहायता से अगले पांच वर्षों के दौरान 275 सरकारी तकनीकी संस्थानों के साढ़े तीन लाख से अधिक छात्रों को लाभ मिलेगा। भारत में तकनीकी शिक्षा का धीरे-धीरे विस्तार हो रहा है। 2011-12 में भारत के 40,000 कॉलेजों में 29 मिलियन छात्र पंजीकृत थे। जबकि, 2019-20 में 40,000 विश्वविद्यालयों में 39 मिलियन छात्र पंजीकृत हैं। भारतीय शिक्षा प्रणाली में हाल ही में तकनीकी और गैर-तकनीकी क्षमताओं में बढ़त पाई गई है।

भारत शिक्षा के क्षेत्र में लगातार बढ़ रहा है। तकनीकी संस्थानों में अनुसंधान, उद्यमिता और नवाचार के साथ-साथ बेहतर प्रशासन पर अधिक जोर दिया गया है। परियोजना के तहत छात्रों को संचार और जलवायु लचीलेपन में उभरती प्रौद्योगिकियों सहित उन्नत पाठ्यक्रम तक पहुंच मिलेगी। छात्रों को इंटर्नशिप और प्लेसमेंट में भी लाभ मिलेगा। परियोजना भारत की नई शिक्षा नीति, 2020 का समर्थन करेगी। परियोजना नौकरियों और व्यावसायिक अवसरों के लिए छात्र को तैयार करती है। छात्रों को अपने पाठ्यक्रम समाप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके अलावा महिला छात्रों से भी आग्रह किया जाएगा कि वह सलाहकारों और पूर्व छात्रों के साथ जुड़े। वर्तमान में स्नातक इंजीनियरिंग छात्रों की संख्या कुल छात्रों के मुकाबले 30 प्रतिशत से भी कम है। साथ ही अनुसूचित जाति और जनजाति की महिलाएं की महिलाएं अब भी वंचित है।

सहल और महेश ने सैफ चैंपियनशिप में छोड़ी छाप

बेंगलुरू (एजेंसी)। करिश्माई सुनील छेत्री के शानदार प्रदर्शन के बीच दो युवा फुटबॉलरों ने सैफ चैंपियनशिप में भारत के अपने अब तक के अभियान के दौरान प्रभावी प्रदर्शन किया है। सहल अब्दुल समद और महेश सिंह भारतीय फुटबॉल जगत में अपरिचित नाम नहीं हैं लेकिन उन्होंने भारतीय फुटबॉल की विरासत को आगे ले जाने की क्षमता दिखाई है। इन दोनों ने नेपाल के खिलाफ विशेष रूप से अच्छा प्रदर्शन किया जिसे श्री कांतीर्वा स्टेडियम में भारत ने शनिवार रात 2-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

नेपाल के डिफेंस ने एक घंटे तक भारत को गोल से महरूम रखा जिसके बाद 61वें मिनट में महेश ने बाएं छोर से मूव बनाया। महेश ने गेंद को सहल की ओर बढ़ाया जिन्होंने उन्हें वापस पास दिया। महेश ने इसके बाद सटीक क्रॉस से गेंद को छेत्री के पास पहुंचाया जिन्होंने गोल करने में कोई गलती नहीं की। भारत के सहायक कोच महेश गवली ने 24 साल के महेश की जमकर तारीफ की।

गवली ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'मुझे लगता है कि महेश का क्रॉस टर्निंग प्वाइंट था। वह भारत का भविष्य का स्टार है। वह स्तरीय खिलाड़ी है और अपने खेल को लेकर काफी जुनूनी है। मुझे लगता है कि वह भविष्य में अच्छा खिलाड़ी बनेगा। सहल ने भी प्रभावित किया। वह अपने ड्रिब्लिंग कौशल से नेपाल की रक्षा पंक्ति को छकाने का प्रयास कर रहे थे लेकिन अधिक सफलता नहीं मिल रही थी। गवली ने कहा कि मध्यांतर के समय हुई बातचीत के बाद केरल के 26 साल के सहल ने व्यक्तिगत रवैया बदला। पूर्व भारतीय डिफेंडर गवली ने कहा, 'सहल को निर्देश दिया गया कि वह गेंद को अधिक समय अपने पास नहीं रखे और अधिक ड्रिब्लिंग करके इसे आसानी से विरोधी टीम को नहीं दे। उसने दूसरे हाफ में ऐसा ही किया। भारत को इस बदलाव का फायदा 70वें मिनट में जब सहल ने नेपाल के डिफेंडर को पछाड़कर गेंद कब्जे में ली। उन्होंने गेंद को छेत्री की ओर बढ़ाया जो इस बार नेपाल के गोलकीपर किरण लिंबू को छकाने में नाकाम रहे।

महेश ने हालांकि डिफलेक्ट होकर मिली गेंद को गोल में पहुंचा दिया। सहल को हालांकि मलाल रहेगा कि वह पहले हाफ में गोल नहीं दाग सके। सहल और महेश की जोड़ी ने अच्छा मूव बनाया। महेश ने बॉक्स के अंदर सहल को पास दिया लेकिन वह गोल करने में नाकाम रहे।

5 सबसे अनलकी भारतीय क्रिकेटर

दमदार रिकॉर्ड के बाद भी कभी नहीं मिला इंटरनेशनल डेब्यू का मौका

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत की आबादी 100 करोड़ से ज्यादा है। लाखों बच्चे इंटरनेशनल क्रिकेटर बनने का सपना देखते हैं। उसके लिए बचपन से जान लगाकर तैयारी करते हैं। दिन रात प्रैक्टिस करने के बाद उन्हें कहीं जाकर घरेलू क्रिकेट में खेलने का मौका मिलता है। वहां पसीना बहाने के बाद जाकर भारत के लिए इंटरनेशनल मैचों में मौका मिलता है। लेकिन कुछ ऐसे अनलकी क्रिकेट हैं, जो घरेलू मैचों कमाल करते हैं। इसके बाद भी कभी भारत के लिए खेलने का मौका नहीं मिलता। हम आपको आज 5 ऐसे खिलाड़ियों के बारे में बताने जा रहे हैं।

अमरजीत कायपी

80 और 90 के दशक में पंजाब में जन्मे अमरजीत कायपी घरेलू क्रिकेट के सबसे बड़े बल्लेबाजों में शामिल थे। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनके नाम 52.27 की औसत से 7894 रन हैं। इसमें 27 शतकीया पारियां शामिल रहीं। संन्यास लेने के समय वह रणजी ट्रॉफी में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड उनके नाम ही दर्ज था।

राजिंदर गोयल

हरियाणा और दिल्ली के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने वाले राजिंदर गोयल सबसे अनलकी क्रिकेटर में शामिल हैं। 1958/59 सीजन में उन्होंने रणजी डेब्यू किया था। वह रणजी इतिहास में आज भी सबसे ज्यादा 639 विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। बाएं हाथ के इस स्पिनर ने 1985 तक घरेलू क्रिकेट खेला लेकिन कभी भारत के लिए डेब्यू नहीं कर पाए।

जलज सक्सेना

36 साल के जलज सक्सेना अभी घरेलू क्रिकेट खेल रहे हैं लेकिन भारत के लिए डेब्यू की उम्मीद पूरी तरह खत्म हो चुकी है। 133 फर्स्ट क्लास मैच में इस ऑलराउंडर ने 410 विकेट लेने के साथ ही 6567 रन भी बनाए हैं। लिस्ट ए में भी ऑफ स्पिन से उन्होंने 104 मैच में 117 विकेट लिए हैं। बल्लेबाज में भी 3 शतक की मदद से 2035 रन बनाए हैं। इस रिकॉर्ड के बाद भी भारत के लिए उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला।

अमोल मजूमदार

मुंबई के अमोल मजूमदार दुनिया के सबसे अनलकी क्रिकेटर में शामिल हैं। उन्हें मुंबई के लिए अपने डेब्यू मैच में ही 260 रन ठोक दिए थे। 171 मैच के फर्स्ट क्लास करियर में मजूमदार ने 11167 रन बनाए। लिस्ट ए में भी 38 की औसत से 3286 रन उनके बल्ले से निकले। मजूमदार को सचिन तेंदुलकर जैसा प्रतिभावान बल्लेबाज माना जाता था, लेकिन कभी भारत के लिए नहीं खेल पाए।

मिथुन मन्हास

दिल्ली के मिथुन मन्हास का घरेलू रिकॉर्ड दमदार था। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनके बल्ले से 45.82 और लिस्ट ए में 45.84 की औसत से रन निकले। उनके नाम 15 हजार से ज्यादा रन हैं। 2017 तक उन्होंने घरेलू क्रिकेट में हिस्सा लिया। आईपीएल में चेन्नई, दिल्ली और पुणे वॉरियर्स के लिए खेले। लेकिन कभी भारत के लिए मौका नहीं मिला।

विश्व कप क्वालीफायर

हम जीत के हकदार नहीं थे, जिम्बाब्वे से हार के बाद बोले वेस्टइंडीज के कोच

हरारे (जिम्बाब्वे) (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डेरेन सैमी ने अपने क्षेत्ररक्षकों को उनके खराब प्रदर्शन के लिए फटकार लगाई, जिससे जिम्बाब्वे के हाथों निराशा हाथ लगी और उन्होंने अपनी टीम के प्रयास से 'बेहद निराश' होने की बात स्वीकार की। वेस्टइंडीज ने सिकंदर रजा को दो बार छोड़ा, पहले 1 पर और फिर 7 रन पर और उन्होंने इसका फायदा उठाकर 58 गेंदों पर 68 रन बनाए। वेस्टइंडीज ने कुल मिलाकर चार कैच छोड़े, जिनमें से तीन के लिए अल्जारी जोसेफ जिम्मेदार थे।

सैमी ने कहा, बेहद निराश हूं। टॉस में हमें वही करना पड़ा जो हम करना चाहते थे, यानी पहले गेंदबाजी करना। देखिए, अगर हम इस तरह की फील्डिंग जारी रखते हैं जिसकी हमने पिछले कुछ मैचों में इसके बारे में बात की है और अगर आप विपक्षी टीम के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों को मौके देते रहेंगे, अंततः क्रिकेट के देवता आपको पकड़ लेंगे।

उन्होंने कहा, और यह आज हमारे साथ हुआ, लेकिन उस सतह पर 269 रन का लक्ष्य... फिर, ये वो चीजें हैं जिन्हें हम बदलने की कोशिश कर रहे हैं। हमने पहले भी ऐसा होते देखा है और वह दिशा जो मैं चाहता हूं इस टीम को आगे बढ़ना है...आज का दिन वास्तव में खराब था और यह जिम्मेदारी लेने के बारे में है और हमने आज ऐसा नहीं किया। इसलिए हम आज बिल्कुल भी जीतने के लायक नहीं थे।

वेस्टइंडीज श्रीलंका के साथ भारत में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने के लिए टूर्नामेंट से पहले पसंदीदा था, लेकिन जिम्बाब्वे से उनकी हार ने अब इस साल के अंत में मुख्य कार्यक्रम में उनकी प्रतिस्पर्धा की उनकी संभावनाओं को खतरे में डाल दिया है। वेस्टइंडीज उन दो अंकों से चूक गया जो उसे सुपर सिक्स में मिल सकते थे। लेकिन सैमी ने दावा किया कि यह अभी अंत नहीं है।

सैमी ने कहा, मैं यह नहीं कहूंगा कि इससे [हमारी योग्यता] बाधा पहुंचती है, लेकिन यह इसे और अधिक कठिन बना देता है। आप चार अंकों के साथ सुपर सिक्स में जाना पसंद करेंगे। हम घर से निकलते समय ही जानते थे कि यह खेल हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण होगा। और फिर, जैसा कि मैंने कहा, जिस तरह से हमने खेला है.. . मैं लोगों से कहता रहा कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट नहीं खेलकर गेम जीतते रहे। आज फिर, हमने खुद से बहुत कुछ पूछा। जब आप इस तरह क्षेत्ररक्षण का प्रदर्शन करते हैं और आप खुद को अच्छी स्थिति में पाते हैं और खेल को हल्के में लें, क्रिकेट के देवता आपको भुगतान करेंगे और यही मैं ड्रेसिंग रूम में उन्हें बताने जा रहा हूं। हम जीतने के लायक नहीं थे, और हम आज जीतने के लिए नहीं खेले और अब हमारे पास बहुत काम करना है - सबसे पहले सुपर सिक्स में पहुंचना और दूसरी टीमों से मुकाबला करना, जिनका हम सामना कर रहे हैं।

सैमी ने नीदरलैंड के खिलाफ वेस्टइंडीज को पटरी पर लौटने के लिए भी प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, हमें जितनी जल्दी हो सके उस खेल में पहुंचना होगा।

पिता की मौत के बाद ऐसी थी कोहली की हालत

ईशान ने कहा- मैं होता तो मैदान पर नहीं जाता

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के वरिष्ठ तेज गेंदबाज इशांत शर्मा ने स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के जीवन के सबसे कठिन दौर को याद किया। ईशांत और कोहली अपनी क्रिकेट यात्रा की शुरुआत से ही अच्छा दोस्त रहे हैं। दोनों खिलाड़ी एक-दूसरे को अंडर-17 के दिनों से जानते हैं और दिल्ली और भारत के लिए एक साथ खेले हैं। इशांत ने कोहली के पिता की मृत्यु के बाद खिलाड़ी के कठिन दौर के बारे में खुलकर बात की। तेज गेंदबाज ने कहा कि भारत का पूर्व बल्लेबाज 17 साल की उम्र में बल्लेबाजी करने और मैच जीतने से पहले अकेला और दुखी था। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि कोहली ने ऐसा कैसे किया और अगर मैं होता तो मैदान पर नहीं जाता।

ईशांत ने एक यूट्यूब चैनल पर कहा, जिस दिन विराट कोहली के पिता का निधन हुआ, वह अकेले और उदास थे, उन्हें नहीं पता था कि कैसे प्रतिक्रिया दें, लेकिन फिर उन्होंने बल्लेबाजी की और 17 साल की उम्र में मैच जीत लिया - आज तक मुझे समझ नहीं आया कि अगर मेरे साथ ऐसा होता तो कैसे होता? मैं मैदान पर नहीं गया होता।

इशांत ने इसके बाद कोहली के अन्य चरणों को याद किया और स्वीकार किया कि भारत का यह स्टार बल्लेबाज अपने करियर में महत्वपूर्ण बदलावों से गुजरा है। उन्होंने कहा, मैंने उनके सभी चरण देखे हैं। पार्टी से लेकर टैटू तक, फिटनेस फ्रीक से लेकर एक टॉप परफॉर्मर तक, उन्होंने अपने करियर में बड़े पैमाने पर बदलाव किया है। उन्हें पार्टियों का शौक था और कोलकाता में एक टूर्नामेंट के दौरान उन्होंने पूरी रात पार्टी की लेकिन अगले दिन उन्होंने 250 रन बनाए। वह पिछले दिन नाबाद थे और हम अंडर-19 क्रिकेट में दिल्ली का प्रतिनिधित्व कर रहे थे।

हॉकी इंडिया ने एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी से पहले

सीनियर पुरुष टीम के कोर समूह की घोषणा की

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने बेंगलुरू के भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र (साइ) में 26 जून से 19 जुलाई तक होने वाले राष्ट्रीय शिविर के लिए सीनियर पुरुष टीम के 39 सदस्यीय कोर समूह (मुख्य खिलाड़ियों) की घोषणा की। शिविर के बाद टीम स्पेन के टेरासा जाएगी जहां वह स्पेन हॉकी महासंघ की 100वीं वर्षगांठ के मौके पर अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में 25 से 30 जुलाई तक हिस्सा लेगी। भारत और मेजबान स्पेन के अलावा इंग्लैंड और नीदरलैंड इस टूर्नामेंट में चुनौती पेश करेंगे।

चार देशों के टूर्नामेंट के बाद एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी चेन्नई में तीन अगस्त से खेली जाएगी जिसमें भारत का सामना खिताब के लिए कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान, जापान और चीन से होगा। भारत के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, ''एफआईएच पुरुष हॉकी प्रो लीग 2022-23 के बेल्जियम और नीदरलैंड में हुए मुकाबलों में हमने अच्छा प्रदर्शन किया और अब हमें यही निरंतरता बनाए रखने की उम्मीद है विशेषकर इस साल दूसरे हाफ में होने वाले में होने वाले महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों को देखते हुए।

उन्होंने कहा, 'शिविर हमारे लिए कुछ क्षेत्रों में खुद को बेहतर बनाने और एक बार फिर एक इकाई के रूप में मिलकर काम करने का अवसर होगा। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2023 चेन्नई में अगस्त में होने वाली है जिसके बाद चीन के हांगझोउ में एशियाई खेल 2023 होंगे। यह हमारे लिए आगामी महीनों के लिए अपनी तैयारी शुरू करने और जिस तरह की हॉकी हम खेलना चाहते हैं उसे प्रदर्शित करने के लिए एक महत्वपूर्ण शिविर है।

भारत का 39 सदस्यीय कोर संभावित समूह इस प्रकार है

गोलकीपर – कृष्ण बहादुर पाठक, पीआर श्रीजेश, सूरज करकेरा, पवन मलिक, प्रशांत कुमार चौहान।

डिफेंडर – जरमनप्रीत सिंह, सुरेंदर कुमार, हरमनप्रीत सिंह, वरुण कुमार, अमित रोहिदास, गुरिंदर सिंह, जुगराज सिंह, मनदीप मोर, नीलम संजीप सेस, संजय, यशदीप सिवाच, दिपसन टिर्की, मनजीत।

मिडफील्डर – मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, मोइरांगथेम रबिचंद्र सिंह, शमशेर सिंह, नीलाकांत शर्मा, राजकुमार पाल, सुमित, आकाशदीप सिंह, गुरजंत सिंह, मोहम्मद राहील मौसीन, मनिंदर सिंह।

फारवर्ड – एस कार्थी, मनदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, अभिषेक, दिलप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, सिमरनजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा और पवन राजभर।

भारतीय टीम ने स्पेशल ओलंपिक विश्व खेलों में 150 पदक के आंकड़े को किया पार

बर्लिन (एजेंसी)। रोलर स्केटर्स के दो स्वर्ण और तीन रजत पदक से भारत ने यहां स्पेशल ओलंपिक विश्व खेलों में अपने पदकों की संख्या को 150 पदक के आंकड़े के पार पहुंचाया। भारत इन खेलों में अब तक कुल 157 पदक, (66 स्वर्ण, 50 रजत, 41 कांस्य) जीत चुका है।

खेलों में अब सिर्फ एक दिन की प्रतियोगिताएं बची हैं। आर्यन (300 मीटर) और दीपन (1000 मीटर) ने रोलर कोस्टर में स्वर्ण पदक जीते। भारत की फाइव ए साइड मिश्रित बास्केटबॉल टीम ने भी पुर्तगाल को 6-3 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इससे पहले शनिवार को भारत की महिला टीम को फाइनल में स्वीडन के खिलाफ हार के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा था। रविवार को प्रतियोगिताओं के अंतिम दिन भारत एथलेटिक्स, लॉन टेनिस और साइकिलिंग में पदक जीतने के इरादे से उतरेगा।

दो करारी हार, फिर पलटवार...

1983 वर्ल्ड कप में पहले मैच से फाइनल तक कैसा था टीम इंडिया का सफर

नई दिल्ली (एजेंसी)। 40 साल पहले भारत ने आज ही के दिन नामुमकिन को मुमकिन कर दिया है। कपिल देव की कप्तानी में भारत ने वेस्टइंडीज को हराकर 1983 वर्ल्ड कप को अपने नाम किया था। 1983 से पहले 1975 और 1979 वर्ल्ड कप खेला गया था। इन दोनों टूर्नामेंट को मिलाकर भारत ने सिर्फ एक ही मैच जीता था। वहीं वेस्टइंडीज पहले दो वर्ल्ड कप की चैंपियन थी और तीसरे में भी जीत की प्रबल दावेदार। इसके बाद भी भारत ने सभी को चौंकाते हुए टूर्नामेंट को अपने नाम किया। इसी वर्ल्ड कप के बाद से भारत में क्रिकेट की सूरत बदल गई। हम आपको टूर्नामेंट में भारत के सफर के बारे में बताते हैं।

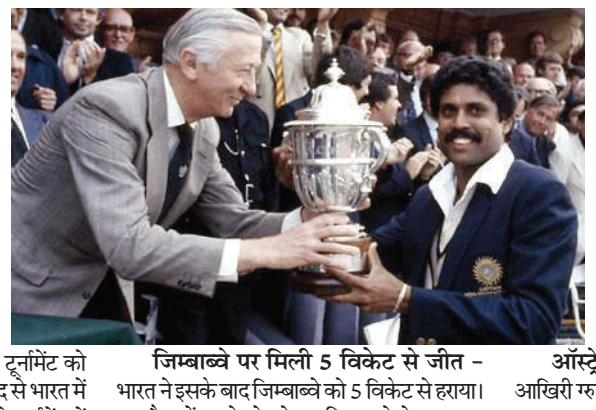

वेस्टइंडीज को हराकर शुरुआत – भारत ने अपने पहले ही मुकाबले में वेस्टइंडीज को हरा दिया था। मैनचेस्टर में खेले गए मुकाबले में टीम इंडिया ने यशपाल शर्मा की 89 रनों की पारी की मदद से 262 रन बनाए। तब वनडे मुकाबले 60 ओवर के होते थे। रोजर बिन्नी और रवि शास्त्री ने 3-3 विकेट लेकर भारत को 34 रनों से जीत दिला दी।

जिम्बाब्वे पर मिली 5 विकेट से जीत – भारत ने इसके बाद जिम्बाब्वे को 5 विकेट से हराया। इस मैच में पहले खेलते हुए जिम्बाब्वे ने 155 रन बनाए। मदन लाल को तीन विकेट मिले। भारत ने 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। संदीप पाटिल ने अर्धशतकीय पारी खेली।

लगातार दो मैचों में हार मिली – भारत को इसके बाद लगातार दो मैचों में हार मिली। ऑस्ट्रेलिया ने 162 रनों के बड़े अंतर से हराया। फिर वेस्टइंडीज के खिलाफ 66 रनों की हार मिली। ऑस्ट्रेलिया वाले मुकाबले में ट्रेवर चैपल ने 110 और वेस्टइंडीज वाले मुकाबले में विव रिचर्ड्स ने 119 रनों की पारी खेली।

कपिल देव की पारी से जिम्बाब्वे से जीते – जिम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबले में भारतीय टीम ने 17 रन पर 5 विकेट खो दिए थे। इसके बाद कपिल देव ने ऐतिहासिक 175 रनों की पारी खेली। यह वनडे में किसी भी भारतीय बल्लेबाज का पहला शतक था। इस शतक ने भारत को 266 रनों तक पहुंचा दिया। जिम्बाब्वे की पारी 235 रनों पर ही सिमट गई।

ऑस्ट्रेलिया से लिया बदला – अपने आखिरी ग्रुप मुकाबले में भारत ने ऑस्ट्रेलिया से हार का बदला ले लिया। पहले बैटिंग करते हुए भारत ने 247 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की मजबूत बैटिंग लाइन सिर्फ 129 रनों पर सिमट गई। बीसीसीआई के वर्तमान अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने 29 रन देकर 4 विकेट लिए।

सेमीफाइनल में इंग्लैंड पर जीत – सेमीफाइनल मुकाबले में भारत के सामने मेजबान इंग्लैंड की चुनौती थी। इंग्लिश पारी 213 रनों पर सिमट गई।

जॉन सीना ने शेयर की पीएम मोदी की फोटो

यूजर ने लिखा- आप अच्छे दिन नहीं देख सकते

न्यूयार्क (एजेंसी)। अमेरिका की अपनी पहली राजकीय यात्रा पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार (20 जून) को अमेरिका के न्यूयॉर्क पहुंचे, जहां पूरी दुनिया की नजरें उनके ऊपर टिकी हुई थी। अपनी यात्रा के दूसरे दिन मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और उनकी पत्नी जिल बाइडेन से भेंट की। इस पल की जो तस्वीरें कैप्चर की गईं वो काफी पसंद की जा रही हैं। ऐसे में डब्ल्यूडब्ल्यूई स्टार जॉन सीना ने एक खूबसूरत तस्वीर शेयर की, जिसमें पीएम मोदी के साथ जो बाइडेन और उनकी पत्नी जिल बाइडेन बात करते नजर आए। जॉन सीना द्वारा इंस्टाग्राम पर जो तस्वीर शेयर की गई है, वो पीएम मोदी के एक एक्शन के कारण सुर्खियों में बनी हुई है। मोदी जब जिल बाइडेन से बात कर रहे थे तो वह हाथों से कुछ इशारा करते हुए कुछ समझाने का प्रयास कर रहे थे। बस इसी पल को जॉन सीना ने अपनी ओर खींच लिया।

सुनील गावस्कर ने कहा

शुबमन गिल और अक्षर पटेल बन सकते हैं भारतीय टीम के कप्तान

नईदिल्ली (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत के उप-कप्तान के रूप में अजिंक्य रहाणे की दोबारा नियुक्ति ने काफी सवाल खड़े कर दिए हैं। कुछ पूर्व क्रिकेटरों ने यह भी बताया कि टीम भविष्य के संभावित नेताओं को तैयार नहीं कर रही है और इस प्रकार, यह आने वाले समय में राष्ट्रीय टीम को प्रभावित कर सकता है। इस बीच, भविष्य के कप्तान के बारे में बात करते हुए, भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा कि शुबमन गिल और अक्षर पटेल आने वाले वर्षों में राष्ट्रीय टीम का नेतृत्व कर सकते हैं।

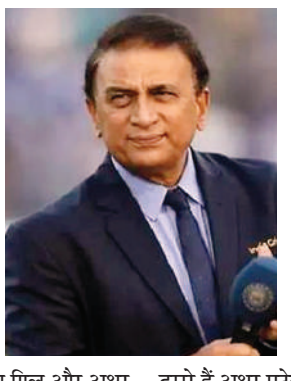

अक्षर को हाल ही में आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स का उप-कप्तान नियुक्त किया गया था, जबकि गिल के पास नेतृत्व का कोई अनुभव नहीं है। हालाँकि, वह अंडर-19 स्तर पर भारतीय टीम के उप-कप्तान थे, लेकिन उन्होंने कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं निभाई क्योंकि तत्कालीन कोच राहुल द्रविड़ और पृथ्वी शॉ निर्णय लेने के प्रभारी थे। इस बीच, गावस्कर ने यह भी कहा कि स्टंपर-बल्लेबाज ईशान किशन भी नेतृत्व की दौड़ में शामिल हो सकते हैं, लेकिन इसके लिए युवा खिलाड़ी को प्लेइंग इलेवन में अपनी जगह पक्की करनी होगी।

गावस्कर ने स्पोर्ट्स टुडे से बात करते हुए कहा, भविष्य के कप्तानों के रूप में एक हैं शुबमन गिल और दूसरे हैं अक्षर पटेल। अक्षर हर मैच में बेहतर होता जाता है। उन्हें उप-कप्तान की जिम्मेदारी देना उन्हें सोचने पर मजबूर करेगा। तो, मेरी नजर में ये दो उम्मीदवार हैं। अगर कोई और है, तो ईशान किशन जैसा कोई, एक बार टीम में अपनी जगह पक्की कर लेगा। वह भी गिनती में आ सकते हैं।

नौकरी के नाम पर महिला के साथ दुष्कर्म; ऑफिस से जान बचाकर भागी, रोड पर हुआ हादसा

नई दिल्ली, एजेंसी। नौकरी दिलाने का झांसा देकर महिला से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। आरोपी ने महिला को अपने कार्यालय में बुलाया था। आरोपी के चंगुल से भागते समय पीड़िता सड़क हादसे में चोटे लगने से घायल हो गई। पुलिस ने भोंडसी थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सोहना क्षेत्र में रहने वाली विवाहित महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि निजी कंपनी में नौकरी के लिए एक युवक ने अपने कार्यालय पर बुलाया। वह गुरुवार दोपहर बाद वहां पहुंची थी। आरोपी ने कार्यालय में दरवाजे बंद करके उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोप है कि युवक ने अश्लील वीडियो भी बनाया। किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी तक दी थी।

आरोपी ने पीड़िता को नौकरी जल्द दिलाने का आश्वासन देकर कार्यालय से बाहर निकाल दिया। विवाहिता घबराट में अपने घर की तरफ दौड़ रही थी। दौड़ते समय पीड़िता एक वाहन की चपेट में आ जाने से घायल भी हो गई। घर पहुंचकर आपबीती अपने पति को बताई।

देह व्यापार कराने वाला 50 हजार का इनामी गिरफ्तार, नाबालिग दो सगी बहनों को किया था अगवा

नई दिल्ली, एजेंसी। क्राइम ब्रांच ने युवतियों और किशोरियों से जबरन देह व्यापार कराने वाले शख्स को गिरफ्तार किया है। साढ़े तीन साल से फरार आरोपी विशाल सिंह की गिरफ्तारी पर दिल्ली पुलिस ने 50 हजार रुपये का इनाम रखा था। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि 2019 में मयूर विहार फेज वन थाना इलाके में नाबालिग सगी बहनों के अपहरण का मुकदमा दर्ज हुआ था। एक किशोरी उत्तम नगर से बरामद हुई तो उसने आपबीती बताई थी। फिर इस एफआईआर में सामूहिक दुष्कर्म, मारपीट, जबरन देह व्यापार कराना और मानव व्यापार आदि की धाराएं भी जोड़ी गईं।

पुलिस ने नरेश, राजू, शशि और किरन को गिरफ्तार किया था। बाद में बड़ी बहन भी कोलकाता से बरामद हुई, लेकिन गिरोह का सरगना विशाल फरार था। दोनों बहनों ने बताया कि उन्हें बेचा गया और देह व्यापार कराया गया था। क्राइम ब्रांच के अधिकारी ने बताया कि डीसीपी अमित गोयल की टीम विशाल की गिरफ्तारी के लिए नेपाल, भूटान एवं देश के विभिन्न इलाकों में छापेमारी की थी। सूचना मिली कि वह आगरा में है, जिसके आधार पर उसे शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया।

इस पर मानव व्यापार, दुष्कर्म एवं अन्य धाराओं के तहत कानपुर में भी एफआईआर दर्ज है। आरोपी ने बताया कि मयूर विहार से अपहृत एक बहन को उसने दो लाख रुपये में राजू से खरीदा था। उस किशोरी को कोलकाता स्थित महिला के पास बेच दिया था। वह दूसरी बहन को खरीदने के लिए आया, लेकिन राजू ने अधिक कीमत मांगी तो वह लौटकर चला गया था। आरोपी ने बताया कि वह किशोरियों और युवतियों से दुष्कर्म करता था। फिर उन्हें जबरन देह व्यापार में ढकेल देता था।

पुलिस ने बताया कि बाद में बड़ी बेटी का भी पता चल गया। मुख्य आरोपी विशाल सिंह की गिरफ्तारी पर 50,000 रुपये का इनाम घोषित किया गया था। इस मामले के अलावा, विशाल सिंह उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में दो अन्य मामलों में भी वांछित था। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह भारत, नेपाल और भूटान का भ्रमण कर रहा था। दिल्ली पुलिस के विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध) रवींद्र यादव ने कहा कि बाद में उसे आगरा से गिरफ्तार कर लिया गया।

फर्जी तरीके से कनाडा भेजने का वादा; 2 लाख रुपए में करते थे सौदा, दिल्ली में पकड़े गए 10 विदेशी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के रास्ते अवैध रूप से कनाडा भेजने के बहाने श्रीलंकाई नागरिकों को कथित रूप से ठगने को लेकर दो एजेंट को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, दोनों की पहचान श्रीलंकाई नागरिक महेंदिराराजा (63) और तमिलनाडु के निवासी सेल्वाकुलेंद्रन (56) के रूप में हुई है। गश्त करने के दौरान पुलिस को 10 लोग दिखे। शक होने पर पूछताछ की गई तो पहचान पत्र नहीं दिखा पाए। सभी श्रीलंकाई निकले।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक निरीक्षक की शिकायत पर इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा थाने में एक मामला दर्ज किया गया है। उनके अनुसार निरीक्षक को महिपालपुर चौकी के समीप गश्ती के दौरान 10 लोग संदिग्ध रूप से खड़े मिले थे और जब उन्होंने उनसे अपना पहचान पत्र दिखाने को कहा तो वे नहीं दिखा पाये। उन्होंने बताया कि इन सभी 10 व्यक्तियों को सत्यापन के लिए थाने ले जाया गया तो वे सभी श्रीलंकाई निकले। उनके अनुसार उनमें एक महेंदिराराजा उप एजेंट है जो सेल्वाकुलेंद्रन के निर्देश उस समूह के लिए गाइड का काम कर रहा था। पुलिस के अनुसार इन सभी लोगों से कनाडा भेजे जाने का वादा किया गया था।

पुलिस उपायुक्त (हवाई अड्डा) देवेश कुमार महला ने बताया कि जांच में सेल्वाकुलेंद्रन का ठिकाना तमिलनाडु का त्रिची मिला और उसने पूछताछ के दौरान बताया कि वह दिल्ली के रास्ते कनाडा भेजने का प्रति व्यक्ति दो लाख रुपये लेता है। महला के अनुसार इन दस लोगों को श्रीलंका में उसके परिचित विजय कुमार ने उसके पास भेजा था।

दिल्ली में रिंग रोड का जाम होगा खत्म, यहां बनाए जाएंगे दो फुटओवर ब्रिज

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में रिंग रोड पर वाहन चालकों को जल्द ही ट्रैफिक जाम से निजात मिलने की उम्मीद है। रिंग रोड पर जल्द दो फुटओवर ब्रिज (एफओबी) बनने जा रहे हैं। पहला सराय काले खां रेलवे स्टेशन के पास बनाया जाएगा, जबकि दूसरा इंद्रप्रस्थ और मिलेनियम पार्क के बीच बनेगा। लगातार सड़क पार करने वाले लोगों की संख्या बढ़ने और भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए इन एफओबी का निर्माण किया जाएगा।

बताया जा रहा है कि बीते दिनों सड़क सुरक्षा को लेकर बैठक हुई, जिसमें एनएचएआई, पीडब्ल्यूडी, मेट्रो और एनसीआरटीसी व अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे, जिसमें एफओबी बनाए जाने पर सहमति बनी।

बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि लोगों के आवागमन के लिए भविष्य में सराय काले खां बड़ा सेंटर होगा, जिसे ध्यान में रखकर पुख्ता इंतजाम भी करने होंगे। लोग बिना किसी बाधा के मेट्रो, रेल, रैपिड रेल और बस अड्डे तक पहुंच सकें, यह पहली प्राथमिकता होनी चाहिए, इसलिए सबसे पहले जरूरी है कि रिंग रोड पर यमुना की तरफ से उतरकर स्टेशन की तरफ आने-जाने वाले लोगों बिना सड़क पार कर

पहुंचे। अभी तक रिंग रोड पर उन्हें बत्ती पर खड़ा होना पड़ता है। जब बत्ती बंद होती है तो फिर कुछ सेकंड में सड़क पार करनी पड़ती है। रिंग रोड पर वाहनों की संख्या अधिक रहती है, जिसमें कई बाहर वाहन चालक बत्ती का समय पूरा होने से पहले ही चल देते हैं, जिससे सड़क हादसा होने का खतरा रहता है। जाम की समस्या हो रही = उधर, पैदल यात्रियों को सड़क पार करने के लिए बत्ती पर ट्रैफिक को रोकना पड़ता है, जिससे व्यस्त समय में जाम की स्थिति बनी रहती है। अधिकारियों ने सुझाव दिया कि अगर यहां पर एफओबी बनाया जाता है तो उससे कई फायदे होंगे। वाहनों को लालबत्ती पर रुकना नहीं पड़ेगा। यात्रियों को बिना किसी बाधा के सड़क पार करने में आसानी रहेगी। इससे सड़क हादसे होने का खतरा पूरी तरह से टल जाएगा। इन सुझावों पर सहमति बनी है और एनसीआरटीसी-लोक निर्माण विभाग मिलकर एफओबी बनाने को तैयार भी हो गए हैं।

अंडरपास का निर्माण होगा: सराय काले खां पर मौजूदा वक्त में एक तरफ अंडरपास है, जिस पर आश्रम की तरफ से आईटीओ की ओर जाने वाला ट्रैफिक गुजरता है, लेकिन पीडब्ल्यूडी आईटीओ से आश्रम की तरफ जाने वाले ट्रैफिक को अंडरपास बनाकर गुजारना चाहता है। इसके लिए अंडरपास बनाया जा रहा है, जो दिसंबर तक पूरा हो सकता है। इसके तैयार होने पर रिंग रोड का ट्रैफिक ऊपर से निकल जाएगा, जबकि रेलवे स्टेशन, मेट्रो स्टेशन व बस अड्डे जाने वाले वाहन अंडरपास के नीचे से गुजर सकेंगे। जैसे ही अंडरपास को बनाने का काम पूरा होगा तो उसके बाद एफओबी भी बनना शुरू हो जाएगा।

पीडब्ल्यूडी ने सहमति दी: रिंग रोड पर सराय काले खां से आईटीओ की तरफ जाते वक्त पहले मिलेनियम पार्क पड़ता है। उसके बाद इंद्रप्रस्थ पार्क है। इसके साथ ही रेलवे के भी कई दफ्तर हैं, जिनमें हर रोज बड़ी संख्या में लोग आते-जाते हैं। रिंग रोड के इस हिस्से में दोनों तरफ दो-दो जगहों पर बस स्टॉपेज के लिए शेल्टर बने हुए हैं, लेकिन कोई एफओबी या भूमिगत पैदल पथ नहीं है। अब पीडब्ल्यूडी ने इस हिस्से में भी एफओबी बनाने पर सहमति दी है। इस पर सर्वे किया जा रहा है कि किसी जगह पर निर्माण किया जा सकता है।

दिसंबर तक तैयार होगी पंजाबी बाग में पार्किंग: वहीं, दिल्ली नगर निगम के पंजाबी बाग श्मशान घाट भूमि पर बनाई जा रही ऑटोमेटेड पजल कार पार्किंग दिसंबर तक बनकर तैयार हो जाएगी। इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारियों का कहना है कि पार्किंग कि डिजाइनिंग की स्वीकृति मिलने के बाद निर्माण शुरू किया गया था। बहुस्तरीय पार्किंग में 225 कारों के खड़े होने की व्यवस्था होगी, जबकि श्मशान घाट की भूमि पर 80 वाहन खड़े हो पाते हैं। पार्किंग स्थल छोटा होने से सड़क पर खड़े वाहनों की वजह से यातायात जाम रहता है। उपराज्यपाल विनय सक्सेना ने पार्किंग के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया था। पार्किंग पांच हजार वर्गमीटर पर बन रही है। यह भूतल के अलावा पांच मंजिल होगी। करीब 14.5 मीटर ऊंचाई होगी। इसके निर्माण पर करीब 31 करोड़ रुपये की लागत का अनुमान है। इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारियों का कहना है कि पार्किंग की डिजाइन आईआईटी दिल्ली से स्वीकृत हुई थी।

अमित शाह की बुलाई मीटिंग में नहीं पहुंचे एकनाथ शिंदे, शरद पवार के मराठा मंदिर के कार्यक्रम में दिखे साथ-साथ

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे शनिवार को मणिपुर के हालात पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बुलाई सर्वदलीय बैठक में शामिल नहीं हुए। इसकी बजाय वह मुंबई में एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार के साथ उनकी अध्यक्षता वाली गैर सरकारी संस्था मराठा मंदिर की 75वीं वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम में दिखे। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने 45 दिनों से ज्यादा समय से हिंसा की आग में जल रहे मणिपुर के हालात पर सर्वदलीय बैठक बुलाई थी।

यह घटनाक्रम एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के राज्य जल आपूर्ति और स्वच्छता मंत्री गुलाबराव पाटिल द्वारा पिछले गुरुवार को एनसीपी सुप्रीमो के साथ मुंबई से जलगांव तक ट्रेन यात्रा करने के एक सप्ताह बाद आया है। इस बीच, मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा है कि खराब मौसम के कारण मुख्यमंत्री शिंदे को अपनी यात्रा रद्द करनी पड़ी। सीएमओ के एक अधिकारी ने कहा, खराब मौसम के कारण सीएम को अपना दौरा रद्द करना पड़ा और इस तरह वह दिल्ली नहीं जा सके।

अधिकारियों ने बताया कि योजना के मुताबिक, मुख्यमंत्री शिंदे, जो पिछले तीन दिनों से सतारा जिले के अपने पैतृक गांव दारे में थे, को पुणे से सुबह करीब 10.30 बजे दिल्ली के लिए उड़ान भरनी थी, लेकिन खराब मौसम के कारण ऐसा नहीं हो सका। अधिकारी ने कहा कि राज्य के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हो रही है। समारोह में सीएम शिंदे के साथ राज्य के उद्योग मंत्री उदय सामंत और भाजपा नेता व उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल भी मौजूद थे।

शरद पवार ने मुंबई सेंट्रल के मराठा मंदिर सभागार में आयोजित कार्यक्रम में आमंत्रित करने के लिए 1 जून को मुख्यमंत्री शिंदे से उनके आधिकारिक आवास पर जाकर मुलाकात की थी। पवार का चैरिटेबल ट्रस्ट कई शैक्षणिक संस्थानों और एक अस्पताल के अलावा मुंबई में प्रतिष्ठित थिएटर मराठा मंदिर भी चलाता है।

बता दें कि अप्रैल और मई में शिंदे गुट के शिवसेना नेता उदय सामंत ने शरद पवार से दो बार मुलाकात की थी और उन्हें पुलिस कार्रवाई और रत्नागिरी में प्रस्तावित तेल रिफाइनरी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन पर सरकार के रुख से अवगत कराया था। कल की सर्वदलीय बैठक में एनसीपी का प्रतिनिधित्व करने के लिए पवार ने राष्ट्रीय महासचिव नरेंद्र वर्मा और मणिपुर एनसीपी अध्यक्ष सोराम इबोयिमा सिंह को नियुक्त किया था। उधर, शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने बताया कि पार्टी प्रमुख ने सर्वदलीय बैठक में भाग लेने के लिए राज्य के स्कूल शिक्षा मंत्री दीपक केसरकर को नियुक्त किया था। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के प्रवक्ता किरण पावस्कर ने कहा, मुख्यमंत्री दिल्ली नहीं जा सके लेकिन स्कूली शिक्षा मंत्री दीपक केसरकर ने उनकी ओर से सर्वदलीय बैठक में हिस्सा लिया है।

भीषण गर्मी से परेशान, बारिश के देवता को खुश करने के लिए लड़कों की आपस में करा दी शादी

मांड्या, एजेंसी। बारिश के देवता को खुश करने के लिए प्रतीकात्मक तौर पर दो लड़कों की एक-दूसरे से शादी कराने का मामला सामने आया है। यह घटना कर्नाटक के मांड्या जिले की है, जहां ग्रामीणों ने शुक्रवार की रात 2 लड़कों की शादी करा दी। रिपोर्ट के मुताबिक, बारिश के देवता को प्रसन्न करने और इलाके में बारिश लाने के मकसद से यह विवाह कराया गया। साथ ही, इस दौरान दावत का भी आयोजन किया गया। शादी अनुष्ठान मांड्या जिले के कृष्णराजपेट तालुका के गगेनहल्ली गांव में आयोजित हुआ।

राज्य के कई हिस्सों में पिछले साल की तुलना में इस बार ज्यादा बारिश नहीं हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वे भीषण गर्मी से परेशान हैं। उन्होंने इस स्थिति में पुरानी परंपराओं का सहारा लिया। उन्होंने बारिश के देवताओं को खुश करने के लिए इस अजीब परंपरा का पालन किया। इस विवाह समारोह की तस्वीरें सामने आई हैं। इनमें पारंपरिक पोशाक पहने दो लड़कों को दूल्हा और दुल्हन के रूप में विवाह समारोह में भाग लेते देखा जा सकता है। मौके पर भारी संख्या में स्थानीय लोग भी जमा हैं।

विशेष दावत का भी आयोजन: शादी समारोह के हिस्से के रूप में गांव वालों के लिए विशेष दावत का आयोजन किया गया। इस दौरान इन्होंने वर्षा की कमी को पूरा करने के लिए बारिश के देवता से प्रार्थना की। स्थानीय लोगों का कहना है कि लड़कों की आपस में शादी और प्रार्थना का आयोजन उनकी परंपरा का हिस्सा है। इलाके में बारिश नहीं होने पर अक्सर ऐसा किया जाता है। स्थानीय लोगों ने कहा, राज्य में मानसून की बारिश कमजोर हो गई है। पिछले साल की तुलना में बरसात की कमी है। ऐसे में राज्य के लोगों ने पुरानी परंपराओं का जश्न मनाने का सहारा लिया।

सितंबर में चीन यात्रा का प्लान बना रहे नेपाली प्रधानमंत्री 'प्रचंड

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड सितंबर में चीन की आधिकारिक यात्रा करने की योजना बना रहे हैं। विदेश मंत्री एन.पी. सऊद ने शनिवार को यह जानकारी दी। इसे नेपाल के भारत और चीन के साथ संबंधों में संतुलन बनाए रखने के प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है। पिछले साल दिसंबर में पद संभालने के बाद प्रचंड की यह दूसरी विदेश यात्रा होगी। इससे पहले, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी -माओवादी (सीपीएन-एम) के 68 वर्षीय नेता ने तीसरी बार प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा के रूप में भारत का दौरा किया था।

सऊद ने बताया, ''प्रचंड सितंबर में चीन की आधिकारिक यात्रा करेंगे। सऊद ने कहा कि प्रधानमंत्री की पड़ोसी देश की यात्रा के संबंध में तैयारियां चल रही हैं और सटीक तारीख अभी तय नहीं हुई है। विदेश मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, नेपाली विदेश मंत्रालय फिलहाल प्रधानमंत्री की यात्रा की तारीख और कार्यक्रम तय करने में लगा हुआ है।

सूत्रों के अनुसार प्रचंड ने सीपीएन-एम के एक वरिष्ठ नेता के माध्यम से चीनी नेतृत्व को चीन यात्रा की अपनी इच्छा से अवगत कराया है। प्रधानमंत्री प्रचंड ने बृहस्पतिवार को 'कांतिपुर टेलीविजन से कहा था कि उनकी चीन यात्रा की तारीख तय हो गई है। हालांकि, उन्होंने इसका खुलासा करने से परहेज किया। अपनी भारत यात्रा को बेहद सफल करार देते हुए प्रचंड ने कहा, ''मेरी राय में, यात्रा ऐतिहासिक रूप से सफल रही और मुझे विश्वास है कि मेरी प्रस्तावित चीन यात्रा भी सफल होगी।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ 37 साल पुराने 'रिश्वत मामले में बरी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की एक अदालत ने शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को 37 साल पुराने एक ''रिश्वत मामले में बरी कर दिया। यह मामला देश के एक प्रमुख मीडिया हाउस मालिक को ''रिश्वत के रूप में ''कीमती सरकारी भूमि हस्तांतरित करने से संबंधित था। अदालत का यह फैसला नवाज शरीफ के छोटे भाई और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली संघीय सरकार द्वारा राजनेताओं पर लगे आजीवन प्रतिबंध हटाने के लिए कानून में महत्वपूर्ण संशोधन करने के कुछ दिनों बाद आया है। उच्चतम न्यायालय ने वर्ष 2017 में नवाज शरीफ को प्रधानमंत्री पद के लिए अयोग्य ठहराया था।

वर्ष 2018 में 'पनामा पेपर्स मामले में उच्चतम न्यायालय ने नवाज को जीवन भर सार्वजनिक पद संभालने के लिए अयोग्य ठहराया था। अदालत के एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा को बताया, ''लाहौर की एक अदालत ने तीन बार के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को लाहौर में जंग/जियो मीडिया समूह के मालिक मीर शकील-उर-रहमान को 54-कनाल (6.75 एकड़) कीमती सरकारी भूमि के अवैध हस्तांतरण से संबंधित मामले में बरी कर दिया है। यह भूमि करीब 37 साल पहले तब दी गई थी, जब नवाज शरीफ पंजाब के मुख्यमंत्री थे।

अधिकारी ने कहा, ''न्यायाधीश राव अब्दुल जब्बार ने नवाज शरीफ को तब बरी कर दिया, जब देश के भ्रष्टाचार-रोधी निकाय (राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो) ने अदालत को सूचित किया कि उसके कानून (शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार द्वारा) में हाल के संशोधनों के बाद मामला उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है। अदालत इस मामले में मीर शकील-उर-रहमान को पहले ही बरी कर चुका है। सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के वरिष्ठ नेता नवाज शरीफ नवंबर 2019 से ब्रिटेन में स्व-निर्वासन में रह रहे हैं।

मोदी का ऐलान-भारत से चुराई 100 से ज्यादा प्राचीन वस्तुएं लौटाएगा अमेरिका

काहिरा एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी राजकीय यात्रा के दौरान रोनाल्ड रीगन सेंटर में भारतीय प्रवासियों से बातचीत में घोषणा की कि भारत से चुराई गई 100 से भी ज्यादा प्राचीन वस्तुएं अमेरिका लौटाएगा। उन्होंने रोनाल्ड रीगन सेंटर में भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए अमेरिका के इस फैसले पर कहा, मुझे खुशी है कि अमेरिका सरकार ने भारत से चुराए गए 100 से ज्यादा पुरावशेषों को वापस करने का फैसला किया है। ये पुरावशेष अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच गए थे. मैं इसके लिए अमेरिकी सरकार का आभार व्यक्त करता हूं।

प्रधानमंत्री ने कहा, भारतीय मूल की ये प्राचीनकालीन वस्तुएं सही या गलत तरीकों से अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच गई थीं, लेकिन अमेरिका का इन्हें भारत को लौटाने का फैसला दोनों देशों के बीच भावनात्मक संबंध को दर्शाता है। उन्होने बताया कि भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को पुनर्जीवित करने के प्रयास के तहत प्रचीनकालीन वस्तुओं को वापस लाए जाने की कोशिशें की जा रही हैं। भारत सरकार दुनियाभर से प्रचीनकालीन कलाकृतियों को वापस ला रही है। भारत सरकार की तरफ से कहा गया, सदियों से, असंख्य अमूल्य कलाकृतियां, जिनमें से कुछ का गहरा सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व है, वो चोरी हो गईं और विदेशों में तस्करी करके ले जाई गईं।सरकार भारतीय कलाकृतियों और सांस्कृतिक विरासत को वापस लाने के लिए साकारात्मक प्रयास कर रही है।प्रधानमंत्री मोदी ने कई विदेशी दौरों पर वैश्विक नेताओं के साथ इस मामले पर चर्चा की, जिसकी बदौलत अब तक 251 प्रचीन मूर्तियों को विदेशों से वापस स्वदेश लाया गया है। इसमें से 238 को 2014 से वापस लाया गया है। इससे पहले अमेरिकी ने 2022 में 307 प्रचीनकालीन वस्तुओं को भारत को लौटाया था। ये प्रचीनकालीन वस्तुएं तस्करी करके चुराई गई थीं, जिनकी कीमत लगभग 4 मिलियन अमेरिकी डॉलर थी।

दक्षिण कोरिया सरकार चीनी नागरिकों के मतदान व स्वास्थ्य अधिकारों को करेगी सीमित

सिओल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया की सरकार ने चीन के खिलाफ बड़ा कदम उठाने का फैसला किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण कोरिया की सत्तारूढ़ पार्टी चीन के साथ बढ़ते तनाव के बीच देश में रहने वाले चीनी नागरिकों के अधकारों को सीमित कर सकती है। दक्षिण कोरिया सरकार ने देश की राजनीति में चीनी नागरिकों के बढ़ते हस्तक्षेप अपने चिकित्सा बीमा कानून का दुरुपयोग रोकने के लिए यह कदम उठाने का निर्णय लिया है। सत्तारूढ़ पार्टी का आरोप है कि चीनी नागरिक दक्षिण कोरिया में विरोधी भावनाओं को भड़काने का काम रहे हैं।

राष्ट्रपति यूं सुक-योल की रूढ़िवादी पीपल पावर पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष किम गि-ह्योन - जिनकी संसद में प्रतिद्वंद्वी डेमोक्रेटिक पार्टी की तुलना में कम सीटें हैं, ने मंगलवार को एक भाषण के दौरान सांसदों से कहा कि पारस्परिकता के सिद्धांत के तहत स्थापित दक्षिण कोरिया-चीन संबंधों को फिर से सुधारा जाना चाहिए। किम ने कहा, हम इस देश में चीनी निवासियों के मतदान के अधिकार को सीमित करने के लिए काम करेंगे।

उन्होंने कहा, पिछले साल स्थानीय चुनावों में, दक्षिण कोरिया में रहने वाले लगभग 100,000 चीनी लोग वोट देने के पात्र थे, जबकि चीन में दक्षिण कोरियाई लोगों को वोट देने की बिल्कुल भी अनुमति नहीं थी।

अमेरिका के बाद मिस्र में भी पीएम मोदी का जोरदार स्वागत

मोदी-मोदी के लगे नारे; युवती ने गाया- ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे

काहिरा, एजेंसी। अमेरिका का ऐतिहासिक दौरा खत्म करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को मिस्र की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर काहिरा पहुंचे। यहां भी प्रधानमंत्री मोदी का जोरदार स्वागत किया गया। एयरपोर्ट पर भारतीय प्रधानमंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर भी मिला। इसके बाद पीएम मोदी एयरपोर्ट से होटल पहुंचे, जहां लोगों ने मोदी-मोदी और वंदे मातरम के नारे लगाए। यहां मिस्र की युवती जेना ने काहिरा में फिल्म शोले के गाने ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे गाकर पीएम मोदी का स्वागत किया।

जेना ने कहा, मैं पहले कभी भारत नहीं गई थी। जब मैं छह साल की थी तब से मैं एक भारतीय गीत गा रही हूं। पीएम मोदी से मिलकर बहुत अच्छा लगा। उन्होंने मुझसे कहा कि हम ऐसे दिखते हैं जैसे हम भारत से हैं। कोई अंतर नहीं है। उन्होंने आगे कहा, यह बहुत अच्छा था। इसलिए मैं उनसे मिलकर बहुत सम्मानित महसूस कर रही हूं। पीएम मोदी के स्वागत के लिए रिट्ज कार्लटन होटल में भारतीय समुदाय के कई सदस्य मौजूद थे। भारतीय प्रवासियों ने तिरंगा लहराकर और मोदी-मोदी और वंदे मातरम के नारे कहकर अपना उत्साह दिखाया। प्रवासी भारतीयों में कई बच्चे भी मौजूद थे। पीएम मोदी के स्वागत में कई लोगों ने भारतीय गीत भी गाए और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किए। प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय समुदाय के लोगों का भी अभिनंदन किया और उनके साथ बातचीत भी की, जो उनके स्वागत के लिए खड़े थे। विशेष रूप से प्रधानमंत्री मोदी मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी के निमंत्रण पर मिस्र का दौरा कर रहे हैं। इस दौरान वह दोनों देशों के रणनीतिक संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी सहित मिस्र के नेतृत्व के साथ बातचीत करेंगे। मोदी मिस्र के राष्ट्रपति अल-सिसी के निमंत्रण पर मिस्र का दौरा कर रहे हैं। पिछले 26 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की मिस्र की यह पहली यात्रा है। खास गर्मजोशी दिखाते हुए मिस्र के प्रधानमंत्री मुस्तफा मैडबौली ने यहां हवाई अड्डे पर गले लगाकर मोदी का स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी के आगमन पर उनका औपचारिक स्वागत किया गया और गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने काहिरा पहुंचने के बाद ट्वीट किया, मुझे विश्वास है कि यह यात्रा मिस्र के साथ भारत के संबंधों को मजबूत करेगी। मैं राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी के साथ बातचीत और अन्य कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए उत्सुक हूं। पीएम मोदी अपने समकक्ष मैडबौली के नेतृत्व में मिस्र मंत्रिमंडल के साथ भारत पर केंद्रित एक गोलमेज चर्चा में शामिल होंगे। मोदी मिस्र के ग्रैंड मुफ्ती डॉ शॉकी इब्राहिम अब्देल-करीम आलम से मुलाकात करेंगे और बाद में मिस्र के प्रमुख बुद्धिजीवियों के साथ चर्चा करेंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129